भारतीय
मंद बुद्धि बच्चों के लिए
व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड

बेसिक - एम आर

लेखकगण
रीता पेशावरिया
एस. वेंकटेसन

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान
(कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)
मनोविकास नगर, सिकन्दराबाद - 500 009.
आं. प्र. भारत.

भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिए

व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड

(बेसिक - एम आर)

रीता पेशावरिया

एस. वेंकटेसन

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान

(कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

मनोविकास नगर, सिकन्दराबाद - 500 009.

आं. प्र. भारत.

हिन्दी अनुवादक
डॉ. मीरा दुबे
श्री के. एन्. ओझा

सर्वाधिकार सुरक्षित

कॉपी राईट © राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद, 1993

प्रथम मुद्रण - 1993 यूनिसेफ की वित्तीय सहायता से
पुनर्मुद्रण - 1995 एन. आई. एम. एच.
पुर्नमुद्रण - 2001 **एन. आई. एम. एच.**

आवश्यक सूचना

इस प्रकाशन का पूरा अथवा कोई भी भाग, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के उद्देश्य से, एन. आई. एम. एच. से लिखित अनुमति लेने पर, किसी भी रूप मे प्रतिकृत किया जा सकता है जिसमे इसका हिन्दी अथवा किसी अन्य राज्यीय भाषा मे अनुवाद भी सम्मिलित है सावधानी बरतें कि यह किसी अन्य लाभ के लिए न हो।

मुद्रण : श्री रमणा प्रासेस, 1-7-270, सरोजिनि देवि रोड, सिकंदराबाद, दूरभाष : 7811750

प्रयोजना दल

रीता पेशावरिया	मुख्य अन्वेषक
के.एन. ओझा	अन्वेषक
एस.वेंकटेसन	अनुसंधान अधिकारी
बीणापाणि महोपात्र	अनुसंधान सहायक
एम.पी. अनुराधा	अनुसंधान सहायक

प्रयोजना सलाहकर समिति के सदस्य

डॉ.एच.पी. मिश्रा — अध्यक्ष
अतिरिक्त प्राध्यापक
चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग,
निमहांस, बैंगलोर

डॉ.एन.के. जाँगीरा — सदस्य
प्राध्यापक,
विशेष शिक्षा विभाग,
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

डॉ.एस.एस. कौशिक — सदस्य
रीडर, मनोविज्ञानविभाग,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाशणसी

प्रो.पी. जयचन्द्रन — सदस्य
विजय ह्यूमन सर्विसेज,
रॉयपेट्टा मद्रास

एन.आई.एम.एच. संकाय

डॉ.डी.के. मेनन
निदेशक,

डॉ.टी. माधवन
सहायक प्राध्यापक,
मनोचिकित्सा विभाग,

डॉ. सरोज आर्या
सहायक प्राध्यापक,
चिकित्सामनोविज्ञान विभाग

डॉ. जयन्ती नारायन
सहायक प्राध्यापक, विशेष शिक्षा विभाग

श्री टी.ए. सुब्बाराव
वाणी एवं श्रवण विज्ञान विभाग

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
	प्रावक्थन.....	II
	भूमिका.....	IV
	आभार.....	VI
अध्याय 1	परिचय	1
अध्याय 2	व्यवहार मूल्यांकन	4
अध्याय 3	भारतीय परिवेश में उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों की संक्षिप्त विवेचना	6
अध्याय 4	भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिये व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड (बेसिक एम आर) - परिचय	15
अध्याय 5	बेसिक-एम आर, (भाग-अ) का विकास	17
अध्याय 6	सामग्री-सूची	32
अध्याय 7	बेसिक - एम आर (भाग-अ) का संचालन एवं अंक देना	37
अध्याय 8	बेसिक एम आर, (भाग-ब) का विकास	42
अध्याय 9	बेसिक एम आर (भाग-ब) का संचालन एवं अंक देना	47
अध्याय 10	भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड बेसिक एम आर, (भाग अ एवं भाग ब)	50
अध्याय 11	बेसिक एम आर, भाग-अ के लिये शब्दावली	68
अध्याय 12	बेसिक एम आर, भाग-अ एवं ब के लिये रेकॉर्ड बुकलेट	82
	परिशिष्ट 1 : बेसिक एम आर, भाग - अ के रेखाचित्र का नमूना	117
	परिशिष्ट 2 : बेसिक एम आर, भाग-ब के रेखाचित्र का नमूना	119
	परिशिष्ट 3 : रिपोर्ट कार्ड	121
	परिशिष्ट 4 : संदर्भ	131
	परिशिष्ट 5 : राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान के अन्य प्रकाशन	133

प्राक्कथन

शैक्षणिक योजना बनाने एवं तत्सम्बन्धी हस्तक्षेप के लिए मूल्यांकन महत्वपूर्ण पूर्वाकांक्षा है। ऐतिहासिक दृष्टि से बुद्धि का मूल्याकन 1905 से एल्फ्रड बिने के कार्य से प्रारम्भ हुआ, जब उन्होंने निम्न शैक्षिक उपलब्धियों वाले विद्यार्थियों की जाँच की थी। बुद्धि-लब्धि प्रत्यय का प्रयोग अब मानसिक मंदता की सीमाओं की व्याख्या करने तक ही सीमित है। कोई भी बुद्धि मापक कसौटी उच्च स्तर पर वैयक्तिक अन्तरोंको सूक्ष्मता से मापने का दावा नहीं कर सकती।

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय विकास हुआ है। जहाँ पहले आँकड़ों को अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किया जाता रहा है, अब उन्हें प्रत्यक्ष विधियों के माध्यम से एकत्र किया जाने लगा है। पिछले तीन दशकों में व्यावहारिक मूल्यांकन विधियों का ध्यान निम्न तथ्यों के संदर्भ में रहा है :- (अ.) गामक क्रियायें (बं.) शारीरिक प्रतिक्रियायें और (स.) गत्यात्मक मानसिक स्तरों या गुत्थियों अथवा व्यक्तित्व विशेषताओं के मूल्यांकन की अपेक्षा व्यक्ति द्वारा विवरण देना

पारम्परिक मनोमितीय विधि का प्रयोग व्यक्ति के गुणों के लिए किया जाता रहा है, जब कि, व्यावहारिक मूल्यांकन व्यक्ति का वातावरण, जिसमें वह रहता है, पर भार देता है और साथ ही व्यक्ति का उसके वातावरण के साथ परस्पर संबन्धों पर भी।

मूल्यांकन प्रक्रिया में व्यावहारिक आवश्यकताओं पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। इस संदर्भ में आमतौर पर पूछे जाने वाले प्रश्न हैं :-

अ. अक्षमता वाले व्यक्ति विशेष के लिए कौन-कौन सी सेवाएँ उपयुक्त होंगी,

ब. क्षमता बढ़ाने के लिए जिन क्षेत्रों का चयन किया गया है उन्हें किन प्राथमिकता क्रम में रखा जाय।

स. व्यक्ति के मानसिक मंदता का पता लगाना क्या नैदानिक अभ्यास है।

द. प्रशिक्षण योजना कार्यान्वयन के बाद क्या अक्षमता वाला व्यक्ति प्रगति कर रहा है।

क्या कोई ऐसा मूल्यांकन सेट उपरोक्त सभी, प्रश्नों का समाधान कर सकता है। नहीं, श्रेणीबद्ध मूल्यांकनों द्वारा ही व्यक्ति की सम्पूर्ण छवि सामने आ सकती है। जिसके आधार पर पुनर्वास व प्रशिक्षण की भावी योजना सम्बन्धी निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

हॉग और रेनिस (1987) ने अपनी पुस्तक "मानसिक मंदता के मूल्यांकन" में मूल्यांकन को चार भागों में वर्गीकृत किया है:

अ. मानक (जन समुदाय के उदाहरण के संदर्भ में (नार्म रेफरेन्स

ब. समायोजन व्यवहार का मूल्यांकन

स. मानक (व्यक्ति विशेष) के संदर्भ में (क्राइटेरियन रेफरेन्स) और,

द. व्यवहार परीक्षण की विधियाँ।

समूह मान की तुलना में मनोमितीय मूल्यांकन में किसी व्यक्ति विशेष की कार्य कुशलता पर अधिक ध्यान दिया जाता है। मनोवैज्ञानिक परीक्षण, जिनसे आई. क्यु. (बुद्धि लब्धि) या डी. क्यु. (विकास लब्धि) के अंक प्राप्त होते हैं, बुद्धिमत्ता का एक व्यापक माप देते हैं जो किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास में शायद ही सहायक होते हैं। समायोजन व्यवहार का मूल्यांकन व्यक्ति की उस सामाजिक क्षमता को सूचित करता है जो व्यक्ति को उपयुक्त स्थान प्राप्त करने में और सामुदायिक समायोजन के लिए पूर्वानुमान लगाने में सहायता करता है। मानक (व्यक्ति विशेष के संदर्भ में) मूल्यांकन न केवल उन व्यवहारों को, जिनमें क्षमता बढानी चाहिए निर्धारित करता है बल्कि, प्रशिक्षण एवं शिक्षण के परिणामों का भी चित्रण करता है। जब कि, व्यवहारिक निरीक्षण केवल उन क्रियाओं का ही वर्णन करता है जो व्यक्ति अपने वातावरण में रहकर करता है।

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड भाग अ और भाग ब में उन व्यवहारों पर विशेष ध्यान दिया गया है जो मानसिक मंद बच्चों द्वारा उनके वातावरण में घटित होते रहते हैं, और जिनका सीधा निरीक्षण किया जा सकता है। भाग अ मानक व्यवहारों के मूल्यांकन से संबन्धित है जिन्हे प्रशिक्षण के लिए लिया जा सकता है। भाग ब समस्या व्यवहारों से संबन्धित है जिन्हें हस्तक्षेप के लिए चुना जा सकता है। क्षेत्र परीक्षणों से ज्ञात होता है कि भाग अ और ब दोनों ही प्रशिक्षण के लिए संवेदन शील हैं और अपेक्षित विश्वसनीयता (रिलायबिलिटी) और प्रामाणिकता (वैलिडिटी) को सिद्धान्तों को पूरा करते हैं। इस मापदण्ड के विशेष गुण है, शब्दावलियों का प्रबन्ध, जो विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने में मदद करती है और अभिलेखन पत्र (रेकार्ड बुकलेट) भी दिया गया है जो किसी भी अध्यापक को, बच्चे की प्रगति आदि के विषय मे आंकड़े/रखने में उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

लेखकों ने इस उपकरण के विकास में अति उत्कृष्ट कार्य किया है जिसमें मूल्यांकन के लिए सभी व्यवहारिक तकनीकों का ध्यान रखा गया है जिससे यह विशेष शिक्षकों द्वारा कक्षा में बड़ी सरलता से प्रयोग किया जा सकता है।

मानसिक मंद बच्चों के प्रशिक्षण के लिए व्यावहारिक नीति की हस्त पुस्तिका के साथ, ऐसी आशा की जाती है कि, "बेसिक – एम.आर." के भाग अ और ब विशेष शिक्षकों के लिए एक लाभदायक उपकरण साबित होंगें। लेखकों को, इसकी और अधिक प्रामाणिकता के लिए और अधिक कार्य करते रहना चाहिए जिससे यह मापदण्ड मंद बुद्धि बच्चे के साथ विस्तृत रूप से प्रयोग में लाया जा सके।

तिथि मार्च 30 1992
स्थान सिकन्दराबाद

डॉ.डी.के. मेनन
निदेशक, एन.आई.एम.एच.

भूमिका

मानसिक मंद जन समूह के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरणों का प्रयोग कई रूपों में किया जा सकता है, जिनमें शामिल है, जाँच, पहचान और निदान, वर्गीकरण, चुनाव, निर्देशन, शिक्षण योजना के लिए व्यवहार मूल्यांकन तथा परिवर्तन से सम्बन्धित, प्रमाण पत्र। हमारे भारतीय परिवेश में ऐसे मूल्यांकन उपकरणों के उपलब्धि की स्थिति इतनी उज्ज्वल नहीं है, फिर भी मानसिक मंद व्यक्तियों के शिक्षण - प्रशिक्षण योजना हेतु व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों की अपेक्षा नैदानिक मूल्यांकन उपकरणों की स्थिति कहीं बेहतर है।

देश में उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों के सर्वेक्षण के बाद, "भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड" के विकास की आवश्यकता अधिक महसूस की गई। इसमें वस्तुनिष्टता पर विशेष ध्यान दिया गया और यह भी निश्चय किया गया कि, उपकरण का उचित क्षेत्र परीक्षण हो तथा विश्वसनीयता और वैधता से लगी सभी सूचना उपलब्ध रहें।

व्यवहार मूल्यांकन का प्रमुख पहलू है उसकी व्यवहारिकता और वस्तुनिष्टता। मापदण्ड में निहित आइटम, जो व्यवहार के मूल्यांकन के प्रमुख भाग हैं, उनकी वस्तुनिष्टता, जिससे निश्चित रूप से उन्हीं व्यवहारों का मूल्यांकन हो जो स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हों और जिनका मापन हो सके। मूल्यांकन विधि, मापदण्ड का संचालन और प्राप्त फलों को समुचित अंक देना तथा उन्हें प्रामाणिक रूप देना आदि में वस्तुनिष्टता पर विशेष जोर दिया गया ।

मंद बुद्धि व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण योजना बनाने में व्यवहार मूल्यांकन बहुत ही महत्वपूर्ण है। बच्चे के कौशल व्यवहार एवं समस्या व्यवहार दोनों का विस्तृत मूल्यांकन अति आवश्यक है। कुछ समय के हस्तक्षेप के बाद के परिवर्तनों का समुचित जायजा लेने में भी यह मदद रूप है। यदि शिक्षक, इस प्रारम्भिक स्तर पर त्रुटि कर जाय तो आगे का शिक्षण व प्रशिक्षण अर्थहीन हो जाएगा।

"भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड" नामक गह पुस्तक, शिक्षकों के लिए विशेष स्कूल में मानसिक मंद बच्चों के शिक्षण प्रशिक्षण मे व्यवहारिक पहलू के प्रयोग संबन्धी प्रोजक्ट के एक भाग के रूप में विकसित की गई है। प्रोजेक्ट का दूसरा भाग " मंद बुद्धि बच्चों के शिक्षण के लिए व्यवहारिक पद्धतिः शिक्षको के लिए पुस्तिका" के रूप में अलग प्रकाशित की गई है।

लेखकों द्वारा सतत प्रयत्न रहा है कि, उन्हीं आइटमों को शामिल किया जाय जो सामाजिक- सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय परिवेश के हों। विकसित किए गए मापदण्ड स्कूल जाने वाले मानसिक मंद बच्चों, जिनकी आयु 3 से 16-18 साल की हो, के लिए अधिक उपयोगी है। फिर भी अन्य बड़ी आयु वाले गम्भीर रूप से मंद व्यक्तियों तथा स्कूल न जा पाने वाले बच्चों के लिए भी उपयोगी हो सकती है। इस उपकरण को वस्तुनिष्ट बनाने के लिए आइटमों को व्यवहारिक शब्दों में लिखा गया है। शब्दावली के होने से इस मापदण्ड के संचालन में विशेष सुविधा मिलेगी व मूल्यांकन से प्राप्त बहुमूल्य सूचना ओं के संग्रह के लिए

रेकार्ड बुकलेट है वस्तुनिष्ट अंक देने की प्रणाली, सामग्री का विवरण, प्रोफाइल और ग्राफ बनाने का साधन और बच्चे के प्रगति का त्रैमासिक रेकार्ड रखना आदि इस मापदण्ड की अन्य विशेषताएँ हैं। इस मापदण्ड के उचित उपयोग के लिए यह सलाह है कि, उपयोगी पहले 1- 2 दिन की प्रशिक्षण कार्य शाला

में भाग ले यों तो यह एक नियम नहीं माना जाना चाहिए ।

स्कूल जाने वाले भारतीय मानसिक मंद बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस मापदण्ड का विकास किया गया है ऐसा नहीं माना जा रहा है कि , यही अंतिम मापदण्ड होगा। मंद बुद्धि बच्चों के मूल्यांकन के लिए एक व्यवहारिक मापदण्ड विकसित करने का प्रयास है इसे एक वैज्ञानिक मापदण्ड बनाने के भरसक प्रयत्न किए गए हैं और आवश्यक विधियों का प्रयोग सुनिश्चित किया गया है। निरंतर यह ध्यान दिया गया है कि, उपकरण शिक्षको के लिए उपयोगी बन पाए। इस संदर्भ मे आगे काम हो सकता है जहाँ व्यक्तिगत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वांछनीय सुधार हों और इसे प्रामाणिक बनाने के अन्य कदम उठाए जायें

Reeta Peshawaria

रीता पेशावरिया
प्रमुख अन्वेषक

आभार

"भारतीय मंद बुद्धि बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदंड (बेसिक एम. आर.)" तथा मानसिक मंद बच्चों के शिक्षण की व्यावहारिक पद्धति (शिक्षकों के लिए पुस्तिका)

इस प्रोजेक्ट का क्षेत्र परिक्षण, सामग्री को मुद्रित करने में तीन वर्ष लग गये। इस पुस्तक के सामग्री संकलन में उनको दक्ष व निपुण लोगों ने मदद दी। वे हैं चिकित्सिय मनोविज्ञान विभाग के सेन्ट्रल इन्स्टिटयूट ऑफ साइकियाट्री राँची, नेशनल इन्स्टिटयूट आफ मेन्टल हेल्थ एण्ड न्यूरोसायंसेस, बैंगलूर, मार्डस्ले अस्पताल लंडन के अध्यापको और निपुण व्यक्तियों के कई वर्षों के महत्वपूर्ण योगदान ने व्यवहार तकनीक के क्षेत्र में मेरे विचारों को आकार दिया और मुझे इस प्रोजेक्ट का प्रारम्भ करने में सहयता दी। मैं उनके प्रति और उन सब मानसिक विकलांग बच्चों और उनके परिवारजनों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके साथ काम करते हुये हमें यह अनुभव प्राप्त हुआ। मैं यूनिसेफ की भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होने इस पुस्तक के विकास में आर्थिक सहायता प्रदान की। इस प्रोजेक्ट के दौरान डॉ.टी.के. मेनन, एन.आई.एम.एच. ने प्रोत्साहन, मार्गदर्शन व महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं, वे स्मरणीय हैं। लेखकगण उनके ऋणी है। प्रोजेक्ट सलाहकार समिति के दस सदस्यों ने जो योगदान दिया वो प्रसंशनीय है जिनमें प्रो. हरिपाल मिश्रा, प्रो.एन.के. जांगीरा, प्रो.पी. जयचन्द्रन, डा. संध्या सिंह कौशिक है। उनके दिये गये महत्वपूर्ण सुझावों से बेसिक एम.आर. तथा इस मैनुअल को रूप मिला।

इस क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यवसायिकों ने जो चर्चा की तथा पुर्ननिवेशन दिया उससे हमारे कार्य को आलोचनात्मक रूप में मुल्यांकित करने तथा हमारे प्रारूप में सुधार लाने में बड़ी सहायता मिली। इसके लिए प्रो.एस.के. वर्मा, श्रीमती संगीता गुप्ता, डॉ. जयन्ती नारायन, डॉ.के. माधवन, डा. सरोज आर्या सुश्री शैलजा रेड्डी, श्री टी.ए. सुब्बाराव, सुश्री तेरीसा कुट्टी तथा सुश्री विजयलक्ष्मी मायरेड्डी की मैं आभारी हैं।

मै उन सब का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ जिन्होने इस प्राजेक्ट में बडी कुशलतापूर्वक कार्य कर अपने आप को समर्पित किया, जिनमे श्री वेंकटेसन अनुसंधान अधिकारी, सु.श्री बीनापानी महोपात्रा तथा श्री एम.पी. अनुराधा सहायक अनुसंधानकर्ता, इनके साथ काम करने में मुझे बडी खुशी हुई! सह अनुसंधानकर्ता श्री के.एन. ओझा सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा मनोविज्ञान, एन.आई.एम.एच. (आर.टी.सी.) नई दिल्ली ने इस प्रॉजेक्ट की सामग्री निर्माण मे साहयता दी तथा डॉ.मीरादुबे हिन्दी प्राध्यापिका एन.आई.एम.एच. के साथ हिन्दी मे अनुवाद कार्य का कार्यभार संभाल कर विशेष सहायता प्रदान की डॉ. मीरादुबे ने न केवल अनुवाद मे सहायता दी बल्कि, प्रूफ रीडिंग का कार्यभार भी संभाला, उनके अथक प्रयास के बिना इस कार्य का पूर्ण करना अंसभव था उनकी मैं विशेष आभारी हूँ।

बेसिक (एम आर) तथा इस मॅन्युअल के क्षेत्र परिक्षण का कार्य बडा ही कठिन कार्य लग रहा था . दिल्ली, संस्थानो/विशेष स्कूलों क अध्यक्षों व शिक्षकों व कर्मचारियों ने जो सहायता दी उससे हमें प्रोत्साहन मिला जिनमे मनोचैतन्या स्कूल मेंटली रिटार्डेड चिल्ड्रन (पेमेनकैप) सिकन्दराबाद, मॉडल स्कूल फॉर द मेंटली डिफिसियेंट चिल्ड्रन कस्तुरबा निकेतन, लाजपत नगर, नई दिल्ली, ओखला सेंटर, ओखला मार्ग, नई दिल्ली तथा स्वीकार रिहैबिलिटेशन इन्स्टिटयूट फॉर द डिसेबल्ड, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं कर्मचारी

हैं। श्रीमती संगीता गुप्ता, अनुसंधान अधिकारी एन.आई. एम.एच. (आर.टी.सी.) दिल्ली, जिन्होने इस क्षेत्र परिक्षण तथा ओखला सेंटर के शिक्षको के कार्यशाला के आयोजन मे मदद दी वो प्रशंसनीय हैं। उनकी मै अत्यन्त आभारी हूँ।

श्री सूर्य प्रकाश सांख्यिकी सहायक I, एन.आई.एम.एच. ने क्षेत्र परिक्षण के समय प्राजेक्ट के विश्लेषण व आंकडे प्राप्त करने मे कम्प्युटर सहायता दी उनकी भी मैं आभारी हूँ।

श्री वी. शंकर कुमार आंशुलिपिक एन.आई.एम.एच. ने कार्यालय समय के बाद अतिरिक्त समय देकर प्राजेक्ट मे मदद दी। मैं उनके भी अथक प्रयास के लिए आभारी हूँ प्रशासन विभाग तथा लेखाविभाग ने जो सदैव तत्पर होकर सहायता दी उनकी सहायता से मैं ऋणमुक्त नहीं हो सकती।

Reeta Pesawaria

रीता पेशावरिया
प्रमुख शोधकर्त्री

अध्याय 1

परिचय

मूल्यांकन व्यक्ति विशेष के बारे मे सूचनाओं का व्यवस्थित रूप से एकत्र करना, उन्हें संगठित करना तथा व्याख्या करना है जिससे उसके विषय मे निर्णय लिया जा सके (सुन्डबर्ग और टेलर, 1962 ; फिस्ख और पियर्सन, 1970)। मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में, मूल्यांकन की विभिन्न आवश्यकताओं पर आधारित, अनेक मनोवैज्ञानिक विधियाँ उपलब्ध हैं।

नैदानिक मूल्यांकन का उद्देश्य मानसिक विकलांग बच्चों की पहचान करना और उन्हें सामान्य बच्चों से भिन्न रूप में अलग करना है। एक प्रकार से नैदानिक मूल्यांकन मानसिक विकलांग बच्चोंकी पहचान का माध्यम है नैदानिक मूल्यांकन मनोमितीय मॉडल पर आधारित होता है जिससे व्यक्तियों का आपस मे तुलनात्मक निर्धारण हो सके (विट एवं अन्य, 1989)। इस प्रकार के अध्ययन में किसी समूह या उपसमूह विशेष की कार्य क्षमता का मूल्यांकन व्यापक जन समूह के परिप्रेक्ष में मानसिक प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। प्राप्त आँकड़ों को, कई प्रकार के उपलब्ध और मानक रीतियों के आधार पर, मान्य आँकड़ो (स्टैन्डर्ड स्कोर, स्टेनाइन, परसेन्टाइल, प्वाइन्ट स्केल आदि) में परिवर्तित किया जाता है जिससे व्यक्ति विशेष के कुशलता ओं की व्याख्या व तुलना तत्सम्बन्धी समूह से की जा सके। इस प्रकार के विभिन्न मूल्यांकन उपकरण उपलब्ध हैं, जैसे बुद्धि मापन कसौटी, विकास मापक मापदण्ड, समायोजन व्यवहार मापदण्ड आदि।

मानक *मूल्यांकन* (व्यक्ति विशेष के संदर्भ में) विशेष शिक्षा और पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र मे नये मापदण्डो को लेकर चलता है। समूह मानकों की तुलना में इसप्रकार का मूल्यांकन व्यक्तियों का तुलनात्मक अध्ययन किसी नार्म या स्टैंडर्ड को लेकर नहीं चलता। इसमें तुलनात्मक अध्ययन का संदर्भ व्यक्ति विशेष के अपने ही स्टैंडर्ड होते हैं नकि, समूह मापन के स्टैंडर्ड या नार्म (ग्लेसर एवं निटको, 1971 ; पोफैम, 1973)। मानक मूल्यांकन किन्हीं विशेष प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयत्न करता है जैसे-क्या बालक, 10 में से 8 बार सफलता पूर्वक 'लाल' रंग बोलकर बता पायगा? ऐसा तर्क प्रस्तुत किया जाता है कि, पुराने समूह मापदंड कोई उपयोगी जानकारी नहीं दे पाते, अतिरिक्त इसके कि, व्यक्ति विशेष सामान्य से कितना अलग है। अन्य समूह में, जहाँ विशेषकर हम मानसिक मंद बुद्धि लोगों की बात करते हैं, व्यक्तिगत भिन्नताये इतनी अधिक हैं कि, समूह से तुलना व्यर्थ सी हो जाती है। यह और भी सत्य है, जब मूल्यांकन सूचनायें हमे उचित प्रशिक्षण और पुर्नवास योजनाओं को निश्चित करने के लिए आवश्यक होती हैं। (लिविग्संटन, 1977)।

व्यवहार मूल्यांकनों को एक वस्तुनिष्ठ, निरीक्षण एवं मापन योग्य इकाई के रूप मे जाना जाता है जिसका एक विशिष्ट परिणाम होता है। व्यवहार सुधार/उपचार के क्षेत्र में व्यवहार मूल्यांकन काफी समृद्ध हुआ है (गोल्डेन और पोमरेन्ज, 1968 ; कैन्फर और फिलिप्स, 1970 ; ओलियरी, 1979) नैदानिक और व्यवहार मूल्यांकन के प्रमुख विभेदों को टेबल में दर्शाया गया है :

व्यवहार मूल्यांकन	नैदानिक मूल्यांकन
व्यवहार को उसके वातावरण की क्रिया मानता है,	व्यवहार को उसमें निहित कारणों की क्रिया मानता है,
व्यवहार को व्यक्तिगत प्रक्रियाओं का एक नमूने के रूप में पहचानता है;	व्यवहार को व्यक्ति में निहित तत्वों, जैसे व्यक्तित्व, बुद्धि आदि का लक्षण जानता है
नमूने भिन्न पर परिस्थिति विशेष में व्यवहार विशेष.	नमूने सीमित व्यवहार बृहद एवं सामान्य परिस्थिति में।
मूल्यांकन योजना कार्यान्वयन एवं पुनः मूल्यांकन के लिए होता है.,	मूल्यांकन, पहचान एवं नैदानिक आवश्यकता है
सीधे योजना और हस्तक्षेप की ओर ले जाता है.,	अपरेक्ष रूप से योजना एवं हस्तक्षेप की ओर निर्देश दे पाता है।
सम्पूर्ण योजना कार्यान्वयन व पुनः मूल्यांकन की आवस्थाओं में निरंतर लगा रहता है।	प्रमुख रूप से योजना कार्यान्वयन के पहले तक ही रहती है।

टेबल 1 व्यवहार व नैदानिक मूल्यांकन में भेद

इस प्रकार, हमेशा ही, नैदानिक मूल्यांकन के बाद, व्यवहार मूल्यांकन किया जाता है। *व्यवहार मूल्यांकन में, मानसिक मंद बुद्धि बच्चा क्या कर सकता है या क्या नहीं कर सकता है, के विषय में संगठित रूप से सूचनाओं को एकत्र करना, शामिल है। बच्चे को क्या सिखाना है, इस निर्णय के लिए सूचना की आवश्यकता होती है।*

वस्तुनिष्ठता, व्यवहार मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। व्यवहार मूल्यांकन के हर चरण में, जिसमें उपकरण का प्रयोग, आंकड़ो को रखना, परिणामों की व्याख्या करना शामिल है, वस्तुनिष्ठता एक आवश्यकता है मानसिक मंद बच्चों में व्यवहार मूल्यांकन के कुछ तरीके हैं साक्षात्कार (कैन्फर और सैस्लो 1969 ; मेयर, लिन्डेल और लाइओन्स, 1977) ; परोक्ष निरीक्षण (ने, 1977); और व्यवहार आकलन मापदण्ड (स्टुआर्ट और स्टुआर्ट, 1972 ; रैथूस, 1973 ; वोल्फ और मैरेन्स, 1974). आदि.

मानसिक मंद व्यक्तियों के प्रशिक्षण हेतु अनेक व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड, पश्चिमी देशों ने विकसित किया है। उनमें से कुछ हैं, बाल्थाजार व्यवहार समायोजन मापदण्ड (बालथाजार 1973), समायोजन व्यवहार मापदण्ड (निहिरा, फास्टर, शल्हास और लिलैन्ड, 1974) , अक्षमता मूल्यांकन सूची (होम्स,

शाह और विंग, 1982), असामान्य व्यवहार जाँच सूची (अमान, सिंह, स्टेवार्ट और फील्ड, 1985), मन्द बुद्धि युवकों के लिए मनोविकृति उपकरण (सेनेटोरी, मैदसोन एवं काजडिन, 1985) व्यवहार विकार मापदण्ड (लेउडर, फ्रेजर और जिव्स , 1987) और अन्य

बेसिक एम.आर. भाग अ और भाग ब के विकास एवं उपयोगिता का विस्तृत विवरण इस पुस्तक में दिया गया है। हमारे देश में मानसिक विकलांग व्यक्तियो के लिए उपयोगी और उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों की संक्षिप्त विवेचना करने के पहले, इस पुस्तक का प्रारम्भ व्यवहार मूल्यांकन के अभिप्राय और उपयोगों के परिचय से प्रारम्भ होता है बेसिक एम. आर. भाग अ और भाग ब दोनों के विकास से संबन्धित विषयों, जिनमें मापदण्ड की प्रामाणिकता और संवेदनशीलता शामिल है, के लिए अलग अलग अध्याय हैं। मापदण्ड में प्रयुक्त उपकरणों से सम्बन्धित , शब्दावली के लिए रेकार्ड बुकलेट से सम्बन्धित, और मापदण्ड को कैसे दिया जाय आँकड़ों को किस प्रकार रखा और समझा जाये इन सब के लिए अलग अलग अध्याय लिखे गये हैं।

अध्याय 2

व्यवहारमूल्यांकन

व्यवहार मूल्यांकन क्या है ?

यह निर्णय करने से पहले कि, मानसिक मंद बच्चे को क्या पढ़ाया जाये, एक विस्तृत व्यवहार मूल्यांकन आवश्यक है। व्यवहार मूल्यांकन एक अनवरत प्रक्रिया है जिसमें या जिसके माध्यम से निम्न सूचनएँ एकत्र की जाती हैं :-

अ. कौशल व्यवहार का वर्तमान स्तर, और,

ब. मानसिक मंद बच्चे में समस्या व्यवहार का वर्तमान स्तर।

यह सूचना मंद बुद्धि बच्चे के लिए कार्यक्रम तैयार करने तथा प्रशिक्षण में उपयोगी है।

व्यवहार मूल्यांकन क्यों किया जाए ?

शिक्षक को चाहिए कि, वह प्रत्येक मानसिक मंद बच्चे का विस्तृत व्यवहार मूल्यांकन करे। यद्यापि व्यवहार मूल्यांकन एक अनवरत प्रक्रिया है, तीन ऐसे अवसर हैं जिनमें यह अनिवार्य है और विस्तार से किया जाना चाहिए।

1. शिक्षण या प्रशिक्षण योजना प्रारम्भ करने से पहले। इसे **आधारभूत मूल्यांकन** कहते हैं जिसे प्रति वर्ष के आरम्भ में एक बार किया जाता है।
2. शिक्षण और प्रशिक्षण के दौरान इन्हें **त्रैमासिक मूल्यांकन** कहा जाता है, जो हर तीसरे महीने में एक बार किया जाता है।
3. शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में। इसे **कार्यक्रम मूल्यांकन** कहते हैं, जो प्रतिवर्ष के अंत में किया जाता है।

व्यवहार मूल्यांकन विधियाँ

मानसिक मंद बच्चों का व्यवहार मूल्यांकन कई प्रकार से किया जा सकता है, जैसे, साक्षात्कार, प्रत्यक्ष निरीक्षण विधि के प्रयोग से, और व्यवहार जाँचसूची या रेटिंग स्केल द्वारा आदि ।

विस्तृत व्यवहार मूल्यांकन से शिक्षक को निम्नलिखित जानकारी मिलने में मदद मिलती है

1. बच्चे में पहले से ही मौजूद कौशल व्यवहार विशेष।
2. विशेष कौशल व्यवहार जो बच्चे में मौजूद न हो।

3. बच्चे को शिक्षण व प्रशिक्षण देने के लिए जिन कौशल व्यवहारो का लक्ष्य रखा गया है।

4. बच्चे को सिखाने के लिए जिन नए लक्ष्य व्यवहारों का चयन हुआ है उनके लिए पूर्व अपेक्षित कुशलताओं की आवश्यकता।

5. बच्चे में किन प्रकार के समस्या व्यवहार हैं।

6. बच्चे को व्यवस्थित रखने के लिए जिन समस्या व्यवहारों को सुधार हेतु लक्ष्य बनाया गया है।

7. अन्य बच्चों की तुलना में या उसी बच्चे की पहले की अवस्था की तुलना, में, शिक्षण या व्यवहार सुधार योजना का उपयुक्त प्रभाव हो रहा है, या नहीं।

अध्याय 3

भारतीय परिवेश में उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदंडों की संक्षिप्त विवेचना

जहाँ तक लेखकों को ज्ञात है, अपने देश में मानसिक मंद बच्चों के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आजकल प्रयुक्त विभिन्न मूल्यांकन उपकरणों को उनके प्राप्त करने के पतों के साथ नीचे दिया जा रहा है। हो सकता है, इस सूची में सभी उपकरण न शामिल किए जा सके हों।

अ. मद्रास विकास कार्यक्रम नियोजन प्रणाली (मद्रास डेवेलपमेन्टल प्रोग्रामिंग सिस्टम एम. डी.पी.एस.)

जयचन्द्रन, विमला और कुमार द्वारा निर्मित एम.डी.पी.एस. मानसिक मंद बच्चों के क्रियात्मक कुशलताओं की जानकारी देती है जो व्यक्तिगत शिक्षण योजना तैयार करने में मदद देती है।

इस मापदण्ड में 360 आइटमों को 18 क्रियात्मक खण्डों में बाँटा गया है, क्रमशः जैसे कि, स्थूल गामक, सूक्ष्म गामक, खाना, कपड़े पहनना, सजना-सँवरना, शौचादि क्रिया, भाषा की ग्राह्यता और अभिव्यक्ति, सामाजिक व्यवहार, पढ़ना, लिखना, अंक, समय, रूपये-पैसे, धरेलू सामुदायिक समझ और व्यवसायिकता प्रत्येक खण्ड के 20 आइटमों को विकास के क्रमिक कठिनाई के आधार पर तथा परावलम्ब-स्वावलम्बन की रेखा पर रखा गया है। एम.डी.पी. एस. के साथ एक समायोजन व्यवहार मूल्यांकन भी है जिसकी सहायता से मानसिक मंद बच्चे का मूल्यांकन किया जाता है।

इसकी प्रशासनिक विधि के अन्तर्गत यह जानकारी प्राप्त की जाती है कि, बच्चा वर्तमान स्थिति में कौन सा कौशल व्यवहार कर पाता है और कौन सा नहीं। यह सूचना बच्चे के परोक्ष रूप से निरीक्षण करके, माता-पिता/अभिभावक से साक्षात्कार द्वारा या मूल्यांकन के माध्यम से मिलती है।

प्रत्येक आइटम पर बच्चे की कार्य कुशलता का आकलन दो रूपों में होता है। मापदण्ड में दिए गए लक्ष्य व्यवहार को, यदि बच्चा कर लेता है तो ए और यदि नहीं कर पता है तो ब अक्षर के रूप में अंकित किया जाता है।

एम.डी.पी.एस. से प्राप्त आँकड़ों की मदद से शिक्षक प्रत्येक बच्चे की रूपरेखा तैयार कर पाता है और व्यवहार लक्ष्य निर्धारित कर पाता है। इसके अतिरिक्त, बच्चे की प्रगति का, कुछ समय के बाद, मूल्यांकन कर पाता है। मापदण्ड की प्रामाणिकता मानक तथा क्षेत्र परिक्षण के सम्बन्ध में सूचना नहीं मिल पाई है एम.डी.पी.एस. से सम्बन्धित अधिक सूचना के लिए सम्पर्क करें:

प्रधानाचार्य,
विजय ह्यूमन सर्विसेस
6, लक्ष्मीपुरम स्ट्रीट,
रायपेट्टा, मद्रास 600 014.

ब. वर्ग बनाने तथा शिक्षण के लिए मानसिक मंद व्यक्तियों का मूल्यांकन

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकन्दराबाद के विशेष शिक्षा विभाग नें मानसिक विकलांग बच्चे की व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना तैयार करने में मदद स्वरूप जाँच सूचियों की श्रृंखला विकसित की है।

इस श्रृँखला में पाँच जाँच सूचियाँ हैं। प्रत्येक जाँच सूची बच्चे के क्रियात्मक कुशलता के अलग-अलग स्तर के लिए है, जैसे प्राइमरीपूर्व, प्राइमरी, सेकेन्डरी, व्यवसाय पूर्व, और व्यवसायिक। प्रत्येक स्तर पर अपेक्षित कार्य कुशलताओं को बहुत सोच विचार कर चुना गया है और उन्हें यथासम्भव यथार्थ रूप में लिखा गया है। जाँच सूची के प्रत्येक स्तर पर विकास के प्रमुख खण्डों को ध्यान में रखागया है। कौशल के क्रमशः वे खंड हैः गामक, स्वयं की देख भाल, सम्प्रेषण सामाजिक और शिक्षा पूर्व/शैक्षिक। चेकलिस्ट के प्रत्येक खण्ड में आइटमो की संख्या 5 से 20 तक हो सकती है। जाँच सूची मे कुल मिलाकर 370 आइटम हैं

जब कोई बच्चा किसी दिए हुए स्तर पर 80 प्रतिशत सफलता पा लेता है, तो उस बच्चे को अगले स्तर पर तरक्की देने के लिए उचित माना जाता है। जांच सूची पर प्रत्येक आइटम को विवरणात्मक मापक्रम के अनुसार श्रेणियों में रखा जाता है जो क्रमशः इस प्रकार हैः आत्मनिर्भर (आ), संकेत देने पर (सं), शाब्दिक प्राम्प्ट (शा) शारीरिक प्रॉम्प्ट (शारी) पूर्णतः आश्रित है (पू. आ.), और शारीरिक रूप से असमर्थ है (शा अ)।

प्रत्येक बच्चे के सावधिक मूल्यांकन के लिए तीन अवसरो पर जाँच सूचियों के उपयोग की सिफारिस की गई है, अर्थात् जब बच्चा पहली बार स्कूल में लाया गया हो (भर्ती के समय), बीच-बीच में निश्चित अंतराल पर, और अंतिम संयुक्त मूल्यांकन। प्रत्येक आइटम के लिए प्रशिक्षण कार्य प्रणाली भी एक पुस्तिका के रूप में तैयार की जा रही है। प्राइमरी पूर्व स्तर की जाँच सूची के साथ, "हैन्डबुक फॉर दी ट्रेनर्स आफ मेन्टली रिटार्डेड परसन्स-प्री- प्राइमरी लेवेल" पहले ही प्रकाशित हो। चुकी है (नारायन और कुटटी, 1989)। अन्य स्तरों अर्थात् प्राइमरी, सेकेन्डरी, प्री वोकेशनल और वोकेशनल, के लिए पुस्तिकाएँ तैयार की जा रही हैं। इस मापदण्ड की प्रामाणिकता और क्षेत्र परिक्षण के बारे में जानकारी नहीं उपलब्ध हो पाई है।

अधिक विवरण के लिए सम्पर्क करें :-

विशेष शिक्षा विभाग
राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान
मनोविकास नगर, बोइन पल्ली
सिकन्दराबाद 500 011.

स. क्रियात्मक मूल्यांकन उपकरण (फंक्शनल असेसमेन्ट टूल्स)

नेशनल सोसाइटी आफ इक्वल ऑपरच्यूनिटीज फार दी हैन्डीकैप्ड (नासिओ), के शोध खण्ड द्वारा हाल ही में (1990) प्रकाशित "गाइड फार पैरेन्दस आफ चिल्ड्रेन विद मेंटल हैन्डीकैप" नामक पुस्तक मे क्रियात्मक मूल्यांकन जाँच सूची का उल्लेख किया है जो मानसिक मंद बच्चों के चार स्तरों के लिए बनाई गई है। वे स्तर नीचे टेबल में दर्शाए गए हैं :

समूह	वास्तविक आयु	मानसिक आयु
प्राइमरी पूर्व स्तर	3 - 6 वर्ष	5 वर्ष से नीचे
प्रायमरी स्तर	7 - 10 वर्ष	5 - 7 वर्ष
सेकेण्डरी स्तर	10 - 13 वर्ष	7 - 9 वर्ष
व्यवसाय पूर्व	14 - 16 वर्ष	8 से ऊपर

प्रत्येक स्तर पर, क्रियात्मक जाँच सूची कम से कम पाँच मोटे मोटे खण्डों को शामिल करती है, जो क्रमशः गामक कुशलताएँ, स्वयं सेवा कुशलताएँ, सम्प्रेषण कुशलताएँ, सामाजिक कुशलताएँ और शिक्षा पूर्व कुशलताएँ हैं। प्रत्येक खण्ड में आइटमो की संख्या अलग-अलग है और 1 - से 20 तक की हो सकती है।

प्रत्येक बच्चे की कार्य कुशलता का मूल्यांकन विवरणात्मक मापदण्ड पर किया जाता है, जो क्रमशः, आत्मनिर्भर (आ) संकेत देने पर (सं) शाब्दिक प्रॉम्प्ट (शा) शारीरिक प्रॉम्प्ट (शारि) पूर्णतः आश्रित (पू.आ.)।

जब बच्चा जाँच सूची में दर्शाई गई कुशलताओं में से किसी स्तर पर 80 प्रतिशत के स्तर तक पहुँच जाता तो उसे अगले ऊँचे स्तर पर चढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक बच्चे का समय समय पर मूल्यांकन कम से कम तीन बार किया जाना चाहिए अर्थात, पहली बार भर्ती के समय, विकास होते रहने के समय और अंतिम समय पर। इस मापदण्ड की प्रामाणिकता और क्षेत्र परीक्षण से सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध नही हो पाई है।

जाँच सूची से सम्बन्धित अधिक विवरण के लिए सम्पर्क करें :

शोध खण्ड,
नेशनल सोसाइटी ऑफ इक्वल ऑपरच्यूनिटी
फॉर दी हैन्डीकैप्ड, (नासिओ)
पोस्टल कालोनी रोड, चम्बूर, बम्बई - 400 001.

द. मानसिक मंद बच्चों के लिए पाठ्यक्रम दिशा निर्देश (करिक्यूलम गाइडलाइन्स फार स्कूल्स फार चिल्ड्रेन विद मेन्टल रिटार्डेशन)

मानसिक मंद बच्चों के शिक्षण हेतु विशेष व्यवहार लक्ष्य निर्धारण को विशेष शिक्षकों के लिए सहज बनाने के लिये पाठ्यक्रम दिशा निर्देश ("करिक्यूलम गाइडलाइन्स") का विकास एक प्रोजेक्ट के तहत, किया गया जो महाराष्ट्र सरकार के समाज कल्याण विभाग के सचिव के तत्वाधान में प्रारम्भ किया गया। मानव विकास के पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रं के लगभग 100 कुशलताओं का इन निर्देशों में उल्लेख है, जो क्रमशः गामक, स्वयं सेवा, मनो सामाजिक, सम्प्रेषण और संज्ञानात्मक है। इन कुशलताओं की रूपरेखा में विकासात्मक प्रणाली को बरकरार रखा गया है। जैसे जैसे मापदण्ड आयु वृद्धि की ओर अग्रसर होता है, इसके आइटमों की जटिलता बदली जाती है। पाठ्यक्रम दिशा निर्देश को निम्नलिखित पांच वर्गों के प्रयोग हेतु बनाया गया है :

समूह	वास्तविक आयु	मानसिक आयु
नर्सरी पूर्व	0- 6 वर्ष	0-3 वर्ष
नर्सरी	6-10 वर्ष	3-5 वर्ष
प्राइमरी	10-16 वर्ष	5-9 वर्ष
व्यवसाय पूर्व	12-20 वर्ष	9 वर्ष से ऊपर
व्यवसायिक	20 वर्ष से ऊपर	9 वर्ष से ऊपर

पाठ्यक्रम दिशा निर्देश प्रत्येक के आइटम पर प्रत्येक मानसिक मंद बच्चे का मूल्यांकन किया जाता है, जो सामान्य निरीक्षण, अभिभावकों से मिली सूचनाओं और परिक्षण पर बच्चों के वास्तविक प्रदर्शन पर आधारित होता है। प्रत्येक आइटम पर प्रदर्शन को छः स्तरों पर आंका जाता है, वे स्तर हैं - "आत्मनिर्भर", "शाब्दिक प्रॉम्प्ट" की आवश्यकता, "सांकेतिक प्रेरणा" की आवश्यकता है, भौतिक प्राम्प्ट की आवश्यकता , कर नही सकता, या लागू नहीं होता है। मूल्यांकित मानसिक मंद बच्चे के लिये शिक्षण उद्देश्य को निश्चित करने के पहले आंकलन आंकडो को रेखा चित्र की भांति चार्ट के रूप मे रखा जाता है।

हर तीसरे महीने एक सावधिक मूल्यांकन की सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मानसिक मंद बच्चे का वार्षिक मूल्यांकन होना चाहिये। लेखकों के अनुसार पाठ्यक्रम दिश निर्देश अस्थाई रूप से तैयार किया गया है और भविष्य में संशोधन किया जा सकता है। प्रामाणिकता, और क्षेत्र परीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

पाठ्यक्रम दिशा निर्देश पर अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करे :

प्रशासनिक निदेशक,
जय वकील स्कूल फॉर चिल्ड्रेन इन नीड ऑफ स्पेशल केयर,
सेवरी हिल्स, सेवरी रोड, बम्बई - 400 033.

इ. समस्या व्यवहार जाँच सूची

"आर्गेनाइजेशन ऑफ स्पेशल स्कूल्स फॉर मेन्टली रिटार्डेड चिल्ड्रन" (1989), नामक पुस्तिका में पेशावरिया ने एक समस्या व्यवहार जाँच सूची का सुझाव दिया है जिसमें 17 खण्ड निहित हैं (एक "अन्य वर्ग के साथ")। प्रत्येक आइटम के अन्तर्गत समस्या व्यवहार के उदाहरण भी दिए गये हैं। जाँच सूची का उद्देश्य बच्चों में ऐसे समस्या व्यवहार की पहचान करना है जिन्हें स्कूल या घर मे व्यवहार व्यवस्था की आवश्यकता है। शिक्षकों या अभिभावकों को प्रत्येक जाँच सूची के प्रत्येक आइटम तीन वर्णनात्मक कथनों में रखना है। क्रमशः ये तीन कथन हैं कभी कभी, प्रायः और कोई समस्या नहीं।

जाँच सूची में निहित समस्या व्यवहारों के विभिन्न खण्ड हैं अन्य को शारीरिक आघात, अन्य के साथ दुर्व्यवहार , हिंसक मनोवृत्ति या झुँझलाहट, बेचैन शारीरिक अतिसक्रियता, चंचल या जल्दी ध्यान हट जाना, इधर - उधर घूमना, स्कूल या घर से भाग जाना, गाली देना या गुस्सा करना, रोब जमाना और चालबाजी दिखाना, समूह मे दुर्व्यवहार, झूठ बोलना या धोखा देना एक ही प्रकार के निरर्थक व्यवहार करते रहना, स्वयं घातक व्यवहार, यौन व्यवहार समस्याएँ, अनोखा व्यवहार, भय तथा अन्य प्रमाणिकता एवं क्षेत्र परीक्षण के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं हो पाई है।

इस जाँच सूची के बारे में अन्य विवरण के लिए सम्पर्क करें :

पेशावरिया, आर. (1989)। "प्राब्लम बिहेवियर चेकलिस्ट"। बे. नारायन, व डी. के. मेनन के "ऑर्गनाइजेशन ऑफ स्पेशल स्कूल फॉर मेन्टली रिटार्डेड चिल्ड्रन", सिकन्दराबाद, एन. आई.एम.एच.

एफ. अनुमायोजित व्यवहार जाँच सूची (मालअडेप्टिव बिहेवियर चेकलिस्ट)

अनुमायोजित व्यवहार जाँच सूची के कुल 88 आइटम्स 12 खण्डों में विभाजित हैं ("एक अन्य" वर्ग है) विभिन्न खण्ड हैं अन्य को शारीरिक क्षति पहुँचाना, सम्पत्ति को हानि पहुँचाना, अन्य के प्रति दुर्व्यवहार, झल्लाहट की प्रवृत्ति, स्वयं को चोटपहुँचाना, अनोखे व्यवहार, असामाजिक व्यवहार, विद्रोही व्यवहार, अतिचंचल व्यवहार, भय और अन्य।

जाँच सूची का उद्देश्य घर अथवा स्कूल में बच्चों के समस्या व्यवहार की पहचान करना है। बच्चों में

समस्या-व्यवहार का निरीक्षण एक सप्ताह, दिन या घंटे के अन्दर उसकी अवधि और बारम्बारता के आधार पर किया जाता है। जाँच सूची में तीन स्तर के रेटिंग - कभी नहीं (क.न), कभी कभी (क.क), बहुधा (ब) के आधार पर की जाती है। प्रामाणिकता और क्षेत्र परीक्षण के सम्बन्ध में अभी तक कोई सूचना नहीं मिल पाई है। असमायोजित व्यवहार जाँच सूची से सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

रीटा पेशावरिया/शकीला नाइडू
चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग, एन.आई.एम.एच.,
मनोविकासनगर, बोअनपल्ली, सिकन्दराबाद : 500 011.

जी. समस्या व्यवहार जाँच सूची (प्राब्लम बिहेवियर चेकलिस्ट)

घर या स्कूल में मंद बुद्धि बच्चों के विशेष समस्या व्यवहार को पहचानने के उद्देश्य से समस्या व्यवहार जाँच सूची तैयार की गई है। इसमें 88 आइटम्स हैं जिन्हें 12 खण्डों में बाँटा गया है और वे हैं अन्य को शारीरिक क्षति पहुँचाना, सम्पत्ति को हानि पहुँचाना, अन्य से दुर्व्यवहार करना, झल्लाहट की प्रवृत्ति , स्वयं को चोट पहुँचाना, अनोखे **व्यवहार**, असामाजिक व्यवहार, विद्रोही **व्यवहार**, अतिचंचल व्यवहार, भय और अन्य। प्रत्येक आइटम पर तीन स्तर की रेटिंग होती है, जो तीन स्तर हैं कभी नहीं (क न), कभी कभी (क क), बहुधा (ब)। प्रामाणिकता और क्षेत्र परीक्षण से सम्बन्धित सूचना नहीं उपलब्ध है।

समस्या व्यवहार जाँच सूची से सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

आर्या, एस, पेशावरिया आर, नायडू एस. और वेंकटेश एस, (1990) "प्राब्लम बिहेवियर चेकलिस्ट", पेशावरिया आर. "मैनेजिंग बिहेवियर प्राब्लम इन चिल्ड्रन ए गाइड फॉर पैरेन्टस" नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस, प्राइवेट लिमिटेड।

एच. व्यवहार विकास जाँच सूची (बालक) (बिहेवियर डिजॉर्डर चेकलिस्ट (चाइल्ड))

इस जाँच सूची का उद्देश्य बच्चों में व्यवहार विकार का मूल्यांकन करना है। इस जाँच सूची में 162 आइटम्स हैं जिन्हें 6 खण्डों में विभाजित किया गया है। छः खण्ड क्रमशः हैं चेहरे (मुँह, नाक, कान और आँखें) से सम्बन्धित विकार, सिर, व्यक्तिगत स्वच्छता और अन्य आदतें।

प्रत्येक आइटम के प्रतिक्रिया को पाँच विवरणात्मक मापक्रम हैं अति गम्भीर (अ ग), गम्भीर (ग), सामान्य (सा), नरम (न), और/या न होना (न हो)। जाँच सूची के साथ रेकार्डिंग शीट भी संलग्न है

जिसका प्रयोग बच्चे के सत्रवार मूल्यांकन आँकड़ों को रखने के लिए किया जाता है। प्रामाणिकता और क्षेत्र परीक्षण के सम्बन्ध में सूचना उपलब्ध नहीं है।

जाँच सूची के सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

डॉ. एच. पी. मिश्रा
अतिरिक्त प्राध्यापक,
चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग, एन.आइ.एम.एच.ए.एन.एस. (निमहांस)
होसूर रोड, बेंगलूर - 560 029.

भारत में मानसिक मंद बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों की उपलब्धि सूची - सारांश

मूल्यांकन उपकरण	पता/सन्दर्भ
मद्रास विकास कार्यक्रम नियोजन प्रणाली	प्रिन्सीपल, विजय हयुमन सर्विसेज, 6 लक्ष्मीपुरम स्ट्रीट, रॉयपेट्टा, मद्रास - 600 014.
वर्ग बनाने तथा शिक्षण के लिये मानसिक मंद व्यक्तियों का मूल्यांकन	विशेष शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, मनोविकास नगर, बोअन पल्ली, सिकन्दराबाद - 500 011.
क्रियात्मक मूल्यांकन उपकरण	शोध खण्ड, नेशनल सोसाइटी ऑफ इक्वल ऑपारच्यूनिटी फार दी हैण्डीकैप्ड, (नासिओ) पोस्टल कालोनी रोड, चेम्बूर, बम्बई - 400 001.
मानसिक मंद बच्चों के लिये पाठ्यक्रम दिशा-निर्देश	प्रशासनिक निर्देशक, जय वकील स्कूल फार चिल्ड्रन इन नीड ऑफ स्पेशल केअर, सिवरी हिल्स, बम्बई - 400 033.
समस्या-व्यवहार जांच सूची	पेशावरिया, रीटा (1989) "प्राब्लम बिहेविअर चेकलिस्ट"। जे. नारायन और डी.के. मेनन के "आर्गेनाइजेशन ऑफ स्पेशल स्कूल्स फॉर मेन्टली रिटार्डेड चिल्ड्रन" में। एन .आइ.एस.एच. सिकन्दराबाद।
असमायोजित व्यवहार जाँच सूची	पेशावरिया आर. और नाइडू एस. चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग, एन. आई. एम.एच. मनोविकास नगर, सिकन्दराबाद - 500 011.

मूल्यांकन उपकरण	पता/सन्दर्भ
समस्या-व्यवहार जाँच सूची	आर्था एस. पेशावरिया आर., नाइडू एस. और वेंकटेश एस. (1990), "प्राब्लम बिहेविअर चेकलिस्ट" पेशावरिया आर. के, मैनेजिंग बिहेविअर प्राब्लम्स इन चिल्ड्रन ए गाइड फार पेरेन्टस में। विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
व्यवहार विकार जाँच सूची	डॉ.एच.पी.मिश्रा, अतिरिक्त प्रोफेसर, चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग, निमहांस होसूर रोड बेंगलूर - 560 029.
अनुकुल व्यवहार परिमाण (भारतीय संदर्भ में)	गुंती आर.के., और उपाध्याय एस. (1982) "एडाप्टिव बिहेविअर इन रिटार्डेड एंड नॉन रिटार्डेड चिल्ड्रेन", इन्डिअन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकॉलाजी, 9, 163।

भारतीय परिवेश मे मानसिक मंद बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा और मानसिक रूप से मंद भारतीय बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड के विकास की आवश्यकता भारतीय परिवेश मे उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन उपकरण एक उपयोगी उद्देश्य की पूर्ति करते आ रहे हैं। फिर भी, हमारे देश में मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड/जाँच सूचियों से सम्बन्धित निरीक्षण, जो निम्नांकित हैं, महत्वपूर्ण जान पड़ते हैं।

1. इनमें से अधिकांश उपकरणों/जाँच सूचियों के आधार पर कौशल व्यवहारों तथा समस्या व्यवहारों के वर्तमान स्तर से सम्बन्धित पूरी और विस्तृत सूचना नही मिल पाती है। केवल कौशल व्यवहारों के मूल्यांकन पर अधिक भार दिया गया है।

2. इन उपकरणों/जाँच सूचियों में शामिल किए गए कुछ आइटम्स व्यवहारिक शब्दों में नहीं लिखे गए हैं।

3. प्रत्येक आइटम को किस प्रकार दिया जाय, इसका स्पष्ट और वस्तुनिष्ट निर्देश कुछ मापदण्डों में नहीं किया गया है।

4. इनमें से कुछ मापदण्डों या जाँच सूचियों के साथ आवश्यक सामग्री (मैटेरियल किट) उपलब्ध नहीं है जिससे कि, मानसिक मंद बच्चों का वस्तुनिष्ट व्यवहार मूल्यांकन किया जा सके।

5. प्रायः सभी उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों में निरीक्षणीय व्यवहार क्रियाओं का सांखिकी मूल्यांकन नहीं होता है।

6. उपलब्ध सभी व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों में शब्दावली का अभाव है जिससे उनके प्रत्येक आइटम्स को उचित/वस्तुनिष्ट रूप से निर्देशित नहीं किया जा सकता।

7. उपलब्ध सभी मूल्यांकन उपकरणों में रेकार्ड बुकलेट के न होने से बच्चों के कार्यकलापों का विस्तृत और समय का रेकार्ड नहीं रखा जा सकता है।

8. पहले बताए गए व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों से सम्बन्धित तकनिकी जानकारी, जैसे प्रामाणिकता, क्षेत्र परीक्षण और प्रशासनिक विवरण अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाए हैं।

उपरोक्त निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए इस प्रयोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए इस बात का प्रयत्न किया गया है कि "भारतीय मानसिक मंद बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड (बेसिक-एम-आर)" विकसित किया जाए।

अध्याय 4

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए

व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड (बेसिक - एम आर की परिचय)

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड (बेसिक - एम आर) का निर्माण, स्कूल जाने वाले मानसिक मंद बच्चों के व्यवहारों के वर्तमान स्तर की क्रमबद्ध जानकारी लेने के लिए किया गया है। 3 से 16 (या 18) साल के मानसिक मंद बच्चों के लिए यह मापदण्ड उपयोगी है। फिर भी, शिक्षक, अति गम्भीर मानसिक मंद व्यक्तियों, जो बड़े हैं के लिए भी मापदण्ड को उपयोगी पा सकते हैं। व्यवहार मूल्यांकन के लिए मापदण्ड सार्थक है और मानसिक मंद बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर इसे पाठ्क्रम योजना को तैयार करने के लिए भी उपयोगी पाया जा सकता है। मापदण्ड का क्षेत्र परीक्षण चुने गए समुदाय पर किया गया है। मापदण्ड की प्रामाणिकता एवं संवेदनशीलता सम्बन्धी सूचनाएँ अगले अध्याय में दी गई हैं।

बेसिक -एम आर को दो भागों में विकसित किया गया है :

अ. भाग अ: मापदण्ड के भाग अ में निहित आइटम्स बच्चे में कौशल व्यवहार के वर्तमान स्तर के मूल्यांकन में सहायक होते हैं।

ब. भाग ब: मापदण्ड के भाग ब मे निहित आइटम्स बच्चे में समस्या व्यवहार के वर्तमान स्तर के मूल्यांकन में सहायक होते हैं।

बेसिक - एम आर, भाग अ, मे 280 आइटम्स है जिन्हे निम्नलिखित सात खण्डों में वर्गीकत किया गया है।

1. गामक
2. दैनिक जीवन की क्रियाएँ
3. भाषा
4. पाठन - लेखन
5. अंक - समय
6. घरेलू - सामाजिक
7. व्यवसाय पूर्व - रूपए - पैसे

प्रत्येक खण्ड में 40 आइटम्स हैं।

प्रत्येक आइटम के समझने में किसी भी उलझन से बचने के लिए मापदण्ड में सभी आइटम्स स्पष्ट रूप से निरीक्षणीय एवं मापनीय शब्दों में लिखे गए हैं। इसके अतिरिक्त शब्दावली भी दी गई है। जिसमें मापदण्ड के कुछ कठिन आइटम और स्पष्ट किए गए हैं। (ऐसे शब्द तारांकित है) मापदण्ड में निहित आइटम्स का चयन इस रूप से किया गया है जिससे मानसिक मंद बच्चों को स्कूल या कक्षा में सिखाने के लिए उन्हें व्यवहार के रूप में लिया जा सके। मानसिक मंद बच्चों को सिखाने के लिए इन आइटम्स को खण्डों या उप खण्डों में कठिनाई क्रम में रखा गया है कि मापक्रम की ऊपर की मंजिल की अपेक्षा नीचे स्तर वाले आइटम्स को अधिक से अधिक मानसिक मंद बच्चे पास कर सकें।

आँकड़ों को अंकों में परिवर्तित करने की निश्चित विधि है, - मापदण्ड के लिए आवश्यक सामग्री बनाने के सुझाव, रेकार्ड बुकलेट, प्रोफाइल शीट और रिपोर्ट कार्ड।इस मापदण्ड में शामिल किए गए हैं आवश्यक अध्याय देखें। प्रत्येक बच्चे के सामयिक त्रैमासिक मूल्यांकन का प्रावधान है, और साथ ही समग्र कौशल व्यवहार आँकड़ों को प्रतिशत में परिवर्तित करने तथा उससे रेखा-चित्र बनाने की सुविधा भी है।

बेसिक - एम आर भाग ब, के 75 आइटम्स निम्नलिखित 10 खण्डों में वर्गीकृत हैं।

1. उग्र और विनाशक व्यवहार
2. झल्लाहट
3. अन्य के साथ दुर्वयवहार
4. स्वयं घातक व्यवहार
5. बार-बार दुहराया जाने वाला व्यवहार
6. अनोखा व्यवहार
7. अति चंचल व्यवहार
8. विद्रोही व्यवहार
9. असामाजिक व्यवहार
10. भय

प्रत्येक खण्ड में आइटम्स की संख्या भिन्न भिन्न है।

आँकड़ों को अंकों में परिवर्तित करने की निश्चित विधि है, रेकार्ड बुकलेट, प्रोफाइल शीट, रिपोर्ट कार्ड आदि मापदण्ड मे शामिल है (आवश्यक अध्याय देखें)। प्रत्येक बच्चे के सामयिक, त्रैमासिक मूल्यांकन का प्रावधान है, और आँकड़ों को समग्र प्रतिशत में बदलने तथा रेखाचित्र बनाने की विधि भी दी गई है।

अध्याय 5

बेसिक-एम आर भाग अ का विकास

बेसिक - एम आर भाग अ को विकसित करने के लिए निम्न लिखित उपाय किए गए;

1. आइटम संग्रह का निर्माण
2. प्रारम्भिक प्रयत्न के लिए आइटम्स का चयन
3. बेसिक -एम आर भाग अ का निर्माण
4. चयन किये गए आइटम्स का प्रारम्भिक प्रयत्न
5. पाइलट अध्ययन
6. व्यवहार मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्य शाला (इसमें बेसिक-एम आर को भी शामिल किया गया)
7. बेसिक-एम आर भाग का अन्तिम प्रयत्न
8. मानसिक मंद बच्चों में व्यवहार परिवर्तन के प्रति बेसिक-एम आर भाग की संवेदनशीलता
9. विश्वसनीयता
10. वैधता (वैलिडिटी)

1. **आइटम संग्रह का निर्माण (आइटम पूल)** बेसिक-एम आर भाग अ के लिए 421 आइटम्स का संकलन निम्न रूप से किया गया

   अ. देश विदेशों से उपलब्ध व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों का विस्तृत लेखा जोखा लिया गया।

   ब. विशेष स्कूल वातावरण में शिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण किया गया।

   स. मानसिक मंद बच्चों के साथ कार्यरत शिक्षकों के विचारों का संग्रह किया गया।

   नोट: हमारे देश में उपलब्ध मानसिक मंद बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों की सूची पृष्ट 12-13 पर है

2. **प्रारम्भिक प्रयत्न (इनिशिअल ड्राइ आउट)** के लिए आइटम्स का चयन 421 आइटम के संग्रह निर्माण के बाद उन आइटम्स को पुनः चयन के लिए देखा और परखा गया। कई आइटम्स को इस प्रारम्भिक संग्रह से इस लिए निकालना पड़ा, क्यों कि या तो वे विषय निष्ट थे, व्यावहारिक नही थे, या स्कूल में मानसिक मंद बच्चों को सिखाने के लिए उपयुक्त नही थे।

शामिल करना /न शामिल करने की पात्रता

प्रारम्भिक संग्रह में से बेसिक - एम आर भाग अ के मुख्य संग्रह के लिए आइटम्स के चयन के लिए निम्नलिखित शामिल करने/न शामिल करने की पात्रता का अनुसरण किया गया :

1. **वृहत्ता (एक्झास्टिव)**

   मापदण्ड निर्माण का मुख्य उद्देश्य मापदण्ड को वृहत रखा जाए जिसमें मानसिक मंद बच्चे को परावलम्बन से स्वावलम्बी बनने के सभी सम्भव व्यवहार खण्ड शामिल हो सकें।

2. **औचित्य**

   आइटम्स के चुनते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि, वे भारतीय परिवेश में उचित हों और उनका यथोचित प्रयोग मानसिक मंद बच्चों के साथ, स्कूल/कक्षा में, हो सकें।

3. **क्रियात्मक**

   आइटम्स को चुनते समय इस बात को ध्यान में रखा गया कि, वे व्यवहारिक हो और मानसिक मंद बच्चों की व्यवहार कुशलता को विकसित कर सकें।

4. **व्यवहार व्यक्त करने वाले**

   उन्हीं आइटम्स को मापदण्ड में स्थान दिया गया जो व्यवहार को निरीक्षणीय और मापे जाने वाले शब्दों में व्यक्त किए जा सकें।

ऊपर बताई गई शामिल/न शामिल करने की पात्रता के आधार पर 117(27.79%) आइटम्स निकाल देने पडे और 304 आइटम्स (72.21%) को मापदण्ड में शामिल कर लिया गया (टेबल 2)। निकाल दिए गए आइटम्स को नीचे टेबल में दर्शाया गया है।

खण्ड	प्रारम्भिक संग्रह	निकाले आइटम्स	मुख्य संग्रह
गामक	88	40	48
दै.जी.क्रि.	76	35	41
भाषा	53	9	44
पढ़ना - लिखना	50	7	43
अंक - समय	45	3	42
घरेलू - सामाजिक	59	15	44
व्यवसाय पूर्व - रूपये पैसे	50	8	42
योग	421	117	304

टेबल 2. बेसिक - एम आर भाग अ टेस्ट आइटम्स पर शामिल/न शामिल करने की पात्रता दर्शाते हुए

अ. निरर्थक आईटम्स

उदाहरण :

जब गोद में लिया जाता है तो कंधें से ऊपर सिर को पाँच सेकेन्ड से अधिक स्थिर रख पाता है (गामक) पेट के बल लेटे रहते हुए अपनी जगह पर (एक ही जगह) घूम लेता है (गामक) नहलाए जाते हुए थोडा या बिल्कुल नहींरूकावट डालता है (दै.जी.क्रि.) दूध की बोतल को पकड कर पीता है (दै.जी.क्रि.) और ध्वनि की और सिर धुमाता है (भाषा)

55 47.00% (निरर्थक आइटम्स/प्रारम्भिक संग्रह में से निकाले गए टेबल-3)

ब. अक्रियात्मक आइटम्स

उदाहरण :

पाँच छोटे टुकड़ों को सीधी और आड़ी कतार में लगा लेता है (गामक) एक टावर बना पाता है (गामक)

1-100 तक सीधे गिन पाता है (समय-अंक)

अक्षरों के ऊपर पेन्सिल घुमा लेता है (पढ़ना-लिखना)

तारे के आकार को चित्रित कर पाता है (पढ़ना-लिखना)

28 (23.97%) आइटम्स अक्रियात्मक से अतः संग्रह से निकाल दिए गए। (टेबल-3)

स. अव्यावहारिक शब्दों में व्यक्त आइटम्स

उदाहरण :

शौच पर नियंत्रण है (दै.जी.क्रि.)

पेशाब पर नियंत्रण है (दै.जी.क्रि.)

धार्मिक या सामुदायिक गतिविधियों मे भाग लेता है (घरेलू-सामाजिक)

समुदाय मे विभिन्न स्थलों का पता लगा लेता है (घरेलू-सामाजिक)

34 (29.03) आइटम्स अव्यावहारिक शब्दों में व्यक्त किए गए थे जिन्हें शामिल नहीं किया जा सका। (टेबल-3)

खण्ड	निरर्थक आइटम्स	अनिरीक्षणीय अमापीय आइटम्स	अक्रियात्मक आइटम्स	योग
गामक	23	7	10	40
दै.जी.क्रि.	20	13	2	35
भाषा	3	3	3	9
पढ़ना-लिखना	1	1	5	7
अंक-समय	–	–	3	3
घरेलू-सामाजिक	8	5	2	15
व्यवसाय पूर्व-रूपये-पैसे	–	5	3	8
कुल योग	55	34	28	117

टेबल-3 बेसिक-एम आर भाग अ के निकाले गए आइटम्स का विश्लेषण

3.बेसिक-एम आर भाग अ की तैयारी

बेसिक-एम आर/भाग के 304 आइटम्स को व्यवहार मूल्यांकन के संदर्भ मे सात प्रमुख खण्डों में रखा गया जो क्रमशः गामक, दैनिक जीवन की कियाएँ भाषा, पढ़ना- लिखना, अंक-समय, घरेलू-सामाजिक और व्यवसाय पूर्व-रूपये पैसे है।

यह बराबर जाँच की गई कि सभी आइटम्स निरीक्षणीय और मापे जाने वाले शब्दों में (व्यावहारिक शब्दों में) लिखे गए हैं। जहाँ भी व्यावहारिक शब्दों में अभिव्यक्ति नहीं हो सकी उन आइटम्स के लिए अलग से शब्दावली बनाई गई जिससे निर्देश और भाव स्पष्ट हो सके। मापदण्ड के प्रत्येक आइटम पर बच्चों की प्रतिक्रिया या उत्तर को अंकों में आसानी से बदला जा सके, इसके लिए परिमाणात्मक व्यवहार मूल्यांकन पद्धति (क्वान्टिटेटिव बिहेविअर मेजरिंग सिस्टम) विकसित की गई।

इसके बाद व्यक्तिगत क्षमताओं पर आधारित, प्रत्येक खण्ड तथा सम्पूर्ण मापदण्ड का प्राप्तांक (रॉ स्कोर) निकाला गया प्रत्येक आइटम पर ऐसे प्राप्तांक 0 (लागू नही) ; 1 (पूर्णतः आश्रित); 2 (भौतिक प्रॉम्ट) ; 3 (शाब्दिक प्रॉम्ट) ; 4 (संकेत) ; 5 (पूर्णतः स्वावलम्बी) तक प्राप्त खण्डों में कितना अधिक प्राप्तांक मिल सकता है, निश्चित कर दिया गया (टेबल-4)।

एक आवश्यक मापक सामग्री किट भी तैयार की गई जिसका उपयोग बेसिक-एस आर के प्रारम्भिक प्रयत्न के समय बच्चे के वस्तुनिष्ट मूल्यांकन में प्रयोग किया जा सके। साथ ही एक रेकार्ड बुकलेट भी तैयार किया गया जिसका उपयोग प्रारम्भिक प्रयत्न के समय बच्चे की क्रिया कुशलता का रेकार्ड रखने के लिए किया जा सके। खण्डों और उप खण्डों के आइटम्स को सावधानी पूर्वक कठिनाई क्रम में रखा गया जिसे बच्चो के कौशल प्रशिक्षण में यथोचित उपयोग में लाया जा सके। इसका यह मतलब

था कि, खण्डों व उपखंडों के आइटमों को इस प्रकार श्रेणी बद्ध क्रमबद्ध किया जाए जिससे मापदण्ड के उपर वाले आइटमों को अधिक बच्चे कर पाए बनिस्पद मापदण्ड के नीचे वाले आइटमों के।

खण्ड	आइटमों की संख्या	अधिकतम अंक
गामक	48	240
दै.जी.क्रि.	41	205
भाषा	44	220
पढ़ना - लिखना	43	215
अंक - समय	42	210
घरेलू - सामाजिक	44	220
व्यवसाय पूर्व - रूपये पैसे	42	210
कुल योग	304	1520

टेबल-4 बेसिक - एम आर भाग अ के प्रथम प्रयत्न में आइटमों की संख्या और सम्भावित अधिकतम अंक।

4. चुने हुए आइटमों का प्रथम प्रयत्न (इनीशियल ट्राईआउट)

बेसिक-एम आर भाग अ, प्रारम्भ में जिसमें 304 आइटम्स थे, प्रथम ट्राइआउट के लिए, एक विशेष स्कूल के पांच शिक्षार्थियों पर आजमाया गया। इन बच्चों में 3 लड़के और 2 लड़कियाँ 6 से 18 आयु वर्ग की और प्राइमरी से लेकर व्यवसाय पूर्व स्तर के थे। इन पाँच बच्चों के प्राप्तांकों ने यह बाताया कि, बेसिक एम आर भाग अ उचित प्रयोग सम्पव है (टेबल - 5)

खण्ड	आइटमों की संख्या	अधिकतम अंक	शिक्षार्थियों का प्राप्तांक				
			1 एस	2 के आर	3 बे	4 ए	5 वी
			स्तर/गम्भीर	सेकेन्डरी	प्राइमरी	व्यवसाय पूर्व	सेकेन्डरी
गामक	48	240	151	204	194	194	206
दै.जी.क्रि.	41	205	62	144	150	158	168
भाषा	44	220	77	158	119	103	156
पढ़ना - लिखना	43	215	43	65	67	56	76
अंक - समय	42	210	51	63	63	68	86
घरेलु - सामाजिक व्यवसाय पूर्व	44	220	56	80	63	102	97
रूपये पैसे	42	210	42	67	67	64	67
कुल योग	304	1520	482	781	743	745	856

टेबल - 5 प्रारम्भिक प्रयत्न के परिणाम

भाग अ के खण्डों में एक दूसरे से तुलना हो सके इसे सुविधाजनक बनाने के लिए अंकों को देना (स्कोरिंग), उनका गणित लगाना और प्राप्तांकों को प्रतिशत में परिवर्तित करने को सरल बनाया गया और इसके लिए खण्ड के कुल 304 आइटम्स को मानसिक मंदता के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न विशेषज्ञों के विचार लिए गये। क्षेत्र के करीब 12 विशेषज्ञों मे विशेष शिक्षक, और चिकित्सा मनोवैज्ञानिक शामिल थे। उन्हें, सभी खण्डों के प्रत्येक आइटम को तीन प्वाइन्ट रेटिंग स्केल में आकलन करने को कहा गया। जैसे यदि उन्हें एक आइटम शिक्षण कर दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण लगे तो उसे 3 का अंक दे, यदि महत्वपूर्ण लगे तो 2 का अंक, और थोड़ा सार्थक लगे तो 1 का अंक इस प्रकार विशेषज्ञों के विचार एकत्र करने के बाद, कम सार्थक आइटमों को निकाल दिया गया और इसके फलस्वरूप प्रत्येक खण्ड में 40 आइटम्स रह गये। टेबल - 6 और 7.

खण्ड	प्रारम्भिक संग्रह	प्रारम्भिक तिरस्करण	फाइनल राउन्ड अप में निकाले गए	आइटम्स की अन्तिम संख्या
गामक	88	40	8	40
दै.जी.क्रि.	76	35	1	40
भाषा	53	9	4	40
पढ़ना - लिखना	50	7	3	40
अंक - समय	45	3	2	40
घरेलू - सामाजिक	59	15	4	40
व्यवसाय पूर्व - रूपये पैसे	50	8	2	40
कुल योग	421	117	24	280

टेबल - 6 बेसिक एम आर भाग अंक प्रारम्भिक और अन्तिम राउन्ड अप के बाद के आइटमों का सारांश

परिवर्तनका क्षेत्र	गामक	टै.जी.क्रि.	भाषा	लिखना पढ़ना	खण्ड अंक-समय	घरेलु सामाजिक	व्यवसाय पूर्व रूपये-पैसे	योग
मापदण्ड								
*वाक्य रचना						1		1
आइटम परिवर्तन क्रम	5		2		1	1	3	12
नियोजित करना शब्दावली	1		3			3	7	14
जोडे गए	6	3	1	5	3	4	6	28
हटाए गए	1		1	1		1	1	5
स्पष्टीकरण			1					1
रेकार्ड बुकलेट जोडे गए			1					
कुल योग	13	3	8	6	4	10	17	62

टेबल-7 प्रारम्भिक प्रयत्न के बाद बेसिक एम आर भाग में परिवर्तन - विषय संदर्भ में।

बेसिक एम आर भाग अके विषय वंस्तु में परिवर्तन के कुछ उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं। ये परिवर्तन प्रारम्भिक प्रयत्न के बाद किए गए या आवश्यक समझे गए।

अ. वाक्य रचना :

"कपड़े' इस्त्री करता है' को "अपने सूती कपड़ों को इस्त्री करता है" में बदला गया।

ब.आइटम को बदला गया

"3 इन्च आगे रखी गई वस्तु तक पहुँच पाता है" को बदलकर "डस्टर से श्याम पट्ट (ब्लैक बोर्ड) साफ करता है" रखा गया।

स.क्रम नियोजन

"में, ऊपर, नीचे के वाक्य में स्थानमहत्व को समझता है" आइटम 11 को 8 पर स्थानान्तरित कर दिया गया।

5.पाइलट अध्ययन

पाइलट अध्ययन, विशेष स्कूल के 20 मानसिक मंद बच्चों को रैन्डम सैम्पलिंग के आधार पर लेकर

किया गया। इन बच्चों मे 9 माइल्ड, 6 माडरेट, और 5 सीविअर थे। बच्चों में 13 बालक और 7 बालिकाएँ थीं और उनकी आयु 6 से 18 साल के बीच की थी तथा विभिन्न स्कूल मे क्रमशः प्राइमरी से लेकर व्यवसाय पूर्व स्तर की कक्षाओं में शिक्षण व प्रशिक्षण पा रहे थे। पाइलट अध्ययन के दौरान इन बच्चों ने जो अंक प्राप्त किए उन्हें तालिका - 8 में दर्शाया गया है। पाइलट अध्ययन ने बेसिक एम आर भाग अके विभिन्न प्राशासनिक पहलूओं को अन्तिम रूप देने में मदद किया।

खण्ड	औसत संख्या	मानक
गामक	163.70	16.53
दै.जी.क्रि.	139.90	32.37
भाषा	118.65	30.93
पढ़ना - लिखना	75.65	29.95
अंक - समय	73.55	26.67
घरेलू - सामाजिक	90.20	22.37
व्यवसाय पूर्व-रूपये पैसे	68.95	23.23
कुल मिलाकर	731.10	169.59

टेबल-8 पाइलट अध्ययन के परिणाम

6. व्यवहार मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यशाला (बेसिक-एम आर भाग को शामिल करते हुए)

"मानसिक विकलांग बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन" पर एक दिन का प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य नए विकसित मापदण्ड से शिक्षको का परिचय करना था। 41 शिक्षको के इस समूह में टेबल - 9 तीन विशेष स्कूलों में जो मानसिक मंद बच्चों के लिए शिक्षक शामिल किए गए। इनमें से दो स्कूल नई दिल्ली, उत्तर भारत और एक स्कूल सिकन्दराबाद, दक्षिण भारत के थे। प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन अलग अलग स्कूलों में लेखको द्वारा अलग अलग किया गया शिक्षार्थियों की संख्या केन्द्र अ में 120, केन्द्र ब में 150 और केन्द्र स में 150 थी। बच्चो को /विभिन्न कक्षाओं/स्तरों/ वर्गों जैसे· नर्सरी पूर्व/प्राईमरी, नर्सरी/सेकेन्डरी, व्यवसायपूर्व/ सीविअर, में बाँटा गया था। सभी केन्द्रों में शिक्षक शिक्षार्थी अनुपात 1:10 के लगभग थे । दो स्वैच्छिक संस्थाए, जिन्हें भारत सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त होता है और एक संस्था भारत सरकार के सम्पूर्ण वित्तीय अनुदान से चलाई जा रही थी।

केन्द्र	शिक्षकों का प्रशिक्षण स्तर		लिंग	
	प्रशिक्षित	अप्रशिक्षित	पुरुष	स्त्री
अ संख्या : 11	5	6	2	9
ब संख्या : 17	10	7	–	17
स संख्या : 13	4	9	–	13
योग संख्या : 41	19	22	2	39

टेबल-9 फाइनल प्रयत्न मे भाग लेने वाले शिक्षकों की विशेषताओं का विवरण

शिक्षकों के शिक्षित/ अप्रशिक्षित वर्गीकरण में यह देखा गया कि, क्या उन्होने न्यूनतम ए शैक्षिक सत्र का प्रशिक्षण, विशेष शिक्षा/विकलांगता/ पुनर्वास के क्षेत्र में, प्राप्त किया है।

प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दो खण्डों में किया गया। प्रथम खण्ड में नई दिल्ली के दो केन्द्र, और दूसरे खण्ड में सिन्दराबाद के एक केन्द्र को लिया गया, जहाँ शिक्षको को मापदण्ड के प्रयोग के बारे में बताया गया। कार्य शाला में जिन विषयों को शामिल किया गया वे हैं:

1. व्यवहार मूल्यांकन का परिचय और अर्थ
2. व्यवहार मूल्यांकन की आवश्यकता
3. भारत में उपलब्ध विभिन्न व्यवहार मूल्यांकन उपकरणों की विवेचना।
4. बेसिक-एम. आर भाग अ के प्रशासन, स्कोरिंग, रेकार्ड बुकलेट का प्रयोग, प्रोफाइल चार्ट और शब्दावली कें प्रयोग।

शिक्षको का बेसिक-एम.आर भाग अ से परिचय कराने के लिए आयोजित कार्यशाला कें लिए परिचर्चा विधि, केस विवेचनाएं और व्यक्तिगत उदाहरणो जैसी पद्दतियों को अपनाया गया। बेसिक-एम.आर भाग अ के प्रयोग को दर्शाने के लिए वास्तविक उदाहरणों पर अधिक भार दिया गया। यो तो व्याख्यान तो दिए ही गये कार्य शाला में उपरोक्त अन्य विधियाँ अधिक कारगर साबित हुई। मापदण्ड से संबन्धित पठन सामग्री भी दी गई और उनके केसवर्क का संचालन भी किया गया। यह निश्चित किया गया कि, शिक्षक मापदण्ड के सभी पहलुओं, जैसे प्रशासन , स्कोरिंग, विवेचना, रेकार्ड बुकलेट का प्रयोग, प्रोफाइल बनाना आदि, से अच्छी तरह से परिचित हो जायेंगे। मापदण्ड में वांछनीय परिवर्तन के लिए उत्तर में आयोजित दो कार्यशालाओं में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों के विचार और सुझाव शामिल किए गए। टेबल - 10 बेसिक-एम आर भाग अ का संशोधित संस्करण अब दक्षिण केन्द्र, सिकन्दराबाद पर आजमाया गया कार्यशाला में भाग लेने वाले दक्षिण केन्द्र के शिक्षकों के विचार एकत्र किए गए। यहाँ मापदण्ड में

परिवर्तन के लिए कोई सुझाव नहीं दिया गया । हाँ, प्रायः सभी ने सुझाव दिया कि, एक रिपोर्ट कार्ड रखा जाय, जो बेसिक-एम.आर पर किए गए मुल्यांकन के आधार पर बच्चों के अभिभावकों को बताया जा सके। इन शिक्षकों से बेसिक- एम.आर भाग अ के सम्बन्ध मे विचार, अर्थ-संगठित प्रश्नावली/फार्म पर और लिखित रूप में, लिये गए। इनको टेबल-11 में दर्शाया गया है।

परिवर्तन के क्षेत्र	खण्ड							योग
	गामक	दै.जी.क्रि.	भाषा	पढ़ना लिखना	अंक-समय	घरेलू सामा.	व्यवसाय-पूर्व रू.पैसे	
मापदण्ड								
वाक्य रचना	4	12	21	15	4	2	15	73
आइटम परिवर्तन	6					1		7
क्रम परिवर्तन	8	1	6	15	7	2	5	44
शब्दावली								
डाली गई	5	4	1	1	4	1		16
निकाली गई	1	1		1				3
स्पष्टीकरण	3	2	15	10	7		3	40
रेकार्ड बुकलेट								
स्पष्टीकरण			13	7				20
कुल योग	27	20	56	49	22	6	23	203

टेबल-10 प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद बेसिक-एम. आर भाग अ में परिवर्तन

बेसिक-एम.आर के बारे में	सकारात्मक विचार	नकारात्मक विचार		की अन्य सुझाव
बेसिक-एम.आर की उपयोगिता	"अति उपयोगी" "उपयोगी" 37 90%	कुछ नहीं 4 10%	कुछ नहीं	7(17.70) शिक्षकों ने सुझाया कि, बेसिक-एम.आर अधिक उपयोगी हो पाएगा यदि आइटम्स को क्रम मे रखा जाये और साथ ही उनका वर्गीकरणमानसिक आयु के आधार पर कर दिया जाये, शिक्षण की दृष्टि से यह उपयोगी हो सकेगा।
प्रशासन	"अति आसान" "आसान" 22 (53.66%)15(36.59%)	कुछ नही	कुछनही 4(9.7%)	
मापदण्ड में आइटम्स	स्कूल के लिए उचित 35 (85.7%) आइटम्स "वस्तुनिष्ठ/स्पष्ट" 38 (792.86%) आइटम्स "वृहद" 34 (82.14%) कुछ नही	कुछ नहीं कुछ नहीं	कुछ नहीं	2 (4.9) शिक्षकों ने "त्यौहारों" के नाम, आम जगहों पर खा लेना आदि आइटमों क शामिल करना चाहा। 1(2.4%)शिक्षक ने, "रूपये-पैसे" को "अंक-समय" का सुझाव दिया न कि, व्यवसाय पूर्व खण्ड में रहने देने के। 4 (9.8%) शिक्षकों ने कुछ आइटमों के क्रम मे परिवर्तन चाहा।
शब्दावली	सभी शिभकों (100%)ने शब्दावली को "अच्छा" "उपयोगी" आर आवश्यक कहा	कुछ नहीं कुछ नहीं	कुछ नहीं	14.(14.1%)शिक्षकों शब्दावली को प्रत्येक आइटम के नीचे ही रखने को कहा , न कि, इसे अलग विभाग में रखा जाये
रेकार्ड बुकलेट	38 (92.68%)ने "आवश्यक", "प्रयोग मे आसान", "प्रगति" दर्शने के लिए आवश्यक बताया	कुछ नहीं	3 (4.9%)	1 (2.4%) ने रेकार्ड बुकलेट के लिए अलग बुकलेट की माँग की। 2. (4.9%)ने रिकार्ड बुकलेट में अधिक स्थान रखने की माँग की।
स्कोरिंग	सभी 100%ने स्कोरिंग को "सरल" और "अच्छा" कहा	कुछ नही	कुछ नहीं	कुछ नहीं
रिपोर्ट कार्ड				12 (29.27%)ने अलग रिपोर्ट कार्ड की मांग की।

टेबल -11 बेसिक-एम आर भाग अ पर शिक्षक N 41के सुझाव

7. बेसिक – एम आर भाग का फाईनल प्रयत्न

बेसिक-एम आर भाग अ के प्रयोग को समझाने के लिए आयोजित कार्यशाला के माध्यम से जब शिक्षकों को यथोचित प्रशिक्षण दे दिया गया, तब इन्हीं तीन केन्द्रों के शिक्षकों से आग्रह किया गया कि, अपने अपने कक्षा मे इस मापदण्ड को बच्चों के ऊपर लागू करें। इन शिक्षकों द्वारा 235 मानसिक मंद बच्चों पर बेसिक-एम आर भाग अ, मूल्यांकन हेतु प्रयोग मे लाया गया। उनसे प्राप्त आधार-भूत औसत अंक, प्रत्येक खण्डों के लिए, नीचे टेबल में दर्शाया गया है (टेबल - 12)।

खण्ड	आसत अंक	एस डी
गामक	160.83	32.62
दै.जी.क्रि.	153.41	39.46
भाषा	130.96	45.06
पढ़ना-लिखना	90.58	41.04
अंक-समय	77.54	42.16
घरेलू-सामाजिक	106.58	35.70
व्यवसाय पूर्व - रूपये पैसे	75.44	35.13
कुल योग	795.35	242.22

टेबल-12 बेसिक – एम आर भाग अ के फाइनल प्रयत्न मे बच्चों के आधार भूत अंक

8. मानसिक मंद बच्चों में व्यवहार परिवर्तन के प्रति बेसिक-एम. आर भाग अ की संवेदनशीलता

तीन महीने के बाद, उन्ही 235 बच्चों पर बेसिक-एम.आर भाग अ मापदण्ड द्वारा पुनः मूल्यांकन किया गया, यह देखने के लिए कि, क्या बच्चों में प्रशिक्षणके बाद के व्यवहार परिवर्तन को जाँच पाने में यह मापदण्ड सक्षम है। हाँ यहाँ पर बता देना उचित है कि, एक दिन के व्यवहार मूल्यांकन प्रशिक्षण के अतिरिक्त, इन शिक्षकों के लिए चार दिन की एक अन्य कार्य शाला भी आयोजित की गई थी जिसमें इन्हें मानसिक मंद बच्चों के कौशल प्रशिक्षण और समस्या व्यवहार कम करने की व्यवहारिक विधियो के बारे में विस्तार से बताया गया था। प्राप्त परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया कि, प्रस्तुत मापदण्ड बच्चों में व्यवहार परिवर्तन को दिखा पाने में संवेदनशील है। उनमें दिन माह के प्रशिक्षण से जो वांछनीय परिवर्तन हुए, उन्हें सांख्यिकी के मापदण्ड पर निश्चित स्तर से (स्टेटिस्टिकली) (सिगनीफिकेन्ट) भेद बताया। यह परिवर्तन प्रत्येक खण्डों और पूरे तौरपर स्पष्ट हुआ (टेबल -13)।

खण्ड पूर्व-पश्चात् अंक	औसत संख्या (आंक : 235)	एस डी	टी मूल्य
गामक			
पूर्व	160.83	32.62	
पश्चात्	165.08	31.12	7.99***
दै.जी.क्रि			
पूर्व	153.41	39.46	
पश्चात्	158.59	37.75	7.44***
भाषा			
पूर्व	130.96	45.06	
पश्चात्	137.49	44.78	10.00***
पढ़ना-लिखना			
पूर्व	90.58	41.04	
पश्चात्	98.29	42.15	10.33***
अंक-समय			
पूर्व	77.54	42.16	
पश्चात्	83.54	43.85	10.47***
घरेलु-सामाजिक			
पूर्व	106.58	35.70	
पश्चात्	113.03	35.70	7.89***
व्यवसायपूर्व-रूपये पैसे			
पूर्व	75.44	35.13	
पश्चात्	80.65	36.88	8.60***
पूरे खण्ड में			
पूर्व	795.32	242.22	
पश्चात्	836.66	243.88	12.52***

(***पी:<0.001)

टेबल - 13 बेसिक-एम आर भाग अ पर परिवर्तन की संवेदनशीलता

9. विश्वसनीयता/ (रिलायबिलिटी)

बेसिक-एम. आर भाग अ की अन्तर जाँच विश्वसनीयता (इन्टर रेटर रिलायबिलिटी) स्थापित करने का प्रयत्न किया गया। इसके लिए 46 स्कूल जाने वाले मानसिक मंद बच्चों को अलग अलग स्वतंत्र

रूप से दो जाँच करने वालों से मूल्यांकित कराया गया। इनमें से एक तो प्रशिक्षित शोध सहायक प्रोजेक्ट टीम का था और दूसरा रेटर व्यवहार मूल्यांकन के एक दिन कार्याशाला में प्रशिक्षण ले चुका था। चार दिन की अन्य कार्यशाला, जिसमें व्यवहार विधियों से मानसिक मंद बच्चों को प्रशिक्षण देने का प्रशिक्षण दिया गया था, उसमें भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। परिणाम यह दर्शाता है कि, दोनों जाँच कर्ताओं में उच्च कोटि का साम्य है आर =0.835 टेबल - 14

खण्ड	जाँच कर्ता 1,2	औसत (अंक=46)	एस.डी.	आर
गामक	1 रेटर	153.91	20.08	
	2 रेटर	165.20	28.72	0.829***
दै.जी.क्रि.	1 रेटर	156.96	21.37	
	2 रेटर	165.39	30.51	0.750***
भाषा	1 रेटर	130.15	19.55	
	2 रेटर	137.70	37.09	0.791***
पढ़ना-लिखना	1 रेटर	81.00	24.54	
	2 रेटर	104.26	30.88	0.723***
अंक-समय	1 रेटर	73.78	19.54	
	2 रेटर	77.39	27.70	0.806***
घरेलू-सामाजिक	1 रेटर	85.30	16.62	
		119.80	27.72	0.582***
व्यवसाय पूर्व-रूपये पैसे	1 रेटर	69.91	14.79	
	2 रेटर	88.39	27.93	0.801***
सब मिलाकर	1 रेटर	751.02	119.94	
		855.96	183.22	0.835***

(***पी: <0.0001)

टेबल-14 बेसिक - एम.आर भाग अ की विश्वसनीयता

10. वैधता वैलिडिटी

बेसिक - एम.आर भाग अ की कांकरेंट वैलिडिटी, वाइनलैन्ड शोशल मैच्योरिटी स्केल, भारतीय संशोधन-मालिन द्वारा मानसिक मंद बच्चों पर प्राप्त शोशल कोशिएन्ट के साथ स्थापित की गई। 88 स्कूल जाने वाले मानसिक मंद बच्चों के समूह पर वी.एस.एम.एस. दिया गया और उस पर प्राप्त अंक को बेसिक - एम आर भाग अ के अंक से तुलना की गई टेबल - 15। बेसिक- एम.आर भाग अ की रचनात्मक औचित्य को भी तोला गया, जिसे उसी के पूर्व और पाश्चात् अंकों के सहारे किया गया। अंकों

क सांख्यिकी दृष्टि से महत्वपूर्ण पाया गया। पि = 0.001 (टेबल -15)। इसके अतिरिक्त बेसिक-एम. आर भाग अ की फेस वैलिडिटी शिक्षकों की जाँच के आधार पर निकाली गई टेबल - 11

अंक	औसत संख्या=88	एस. डी.	"आर"
पूर्व परिक्षण			
बेसिक-एम.आर भाग अ	796.36	224.88	
वी.एस.एम.एस.	51.07	19.20	0.726***
पश्चात् परीक्षण			
बेसिक-एम. आर भाग अ	831.27	218.90	
वी.एस.एम.एस.	51.07	19.20	0.804***

टेबल - 15 बेसिक एम. आर भाग अ की वैधता

सामाग्रियों की सूची

बेसिक-एम. आर भाग अ में मूल्यांकन के लिए निम्निलिखित सामाग्रियों की आवश्यकता पड़ती है। जैसा कि क्षेत्र परीक्षण के समय सलाह दी गयी थी, इस अध्याय में दिए गए निर्देशों के हिसाब से, सामग्री इकट्ठा कर शिक्षक एक किट तैयार कर सकते हैं। यह आवश्यक है कि, सामग्री दिए गए निर्देशों के अनुकूल हों और उनका प्रयोग मात्र मूल्यांकन के लिए किया जाए, न कि मानसिक मंद बच्चों के शिक्षण व प्रशिक्षण के लिए भी आवश्यक समझा जाए। मापदण्ड में जिन आइटम्स केसामने का निशान है, उसका मतलब है कि उनके लिए विशेष सामग्री प्रयोग की आवश्यकता है। मूल्यांकन के लिए आवश्यक कुछ सामग्रियों को सूची में नहीं रखा गया, यह सोच कर कि, स्कूल में ऐसी सामग्रियाँ तो हर हालत में होती ही हैं। जैसे, सीढियाँ, कुर्सी, टेबल आदि।

निम्नलिखित सामग्री सूची में कोष्टकों में दिए गए संक्षिप्त शब्द एब्रीविएशन्स यह दर्शाते हैं कि, वे खण्ड विशेष के लिए हैं और उन्हीं के लिए प्रयोग में लाए जा सकते है। उदाहरण के लिए, "एक इंच क्यूब" के सामने "ग -1" है जिसका अर्थ है कि, इस सामग्री का प्रयोग गामक एम खण्ड के प्रथम 1 आइटम को देते समय करना है। संक्षिप्त अक्षर या शब्द जो कोष्टकों में दिए है क्रमशः है: गामक(गा),दैनिक जीवन की क्रियाएँ (दै.जी.क्रि.), भाषा (भा), पढ़ना-लिखना, (प.लि.), अंक-समय (अं.स.), घरेलू-सामाजिक (घ.सा.), और व्यवसायपूर्व-रूपये पैसे (व्य.रू.पै.) या सूची के कुछ सामग्रियों को कई बार कई आइटमों के लिए उसी खण्ड में करना होगा, या कई बार अन्य खण्डों के लिए भी उपयोग में लाना पड़े। उदाहरण के लिए गामक खण्ड। (ग) के आइटम 17 (ग-17), पर मूल्यांकन के लिए चित्र पुस्तिका की आवश्यकता है। यही सामग्री भाषा के आइटम 6 (भा०6) के लिए भी उपयोगी होगी।

खण्ड-1	गामक (ग)	खण्ड-2	दैनिक जीवन की क्रियाएँ (दै.जी.क्रि.)
ग - 1	एक इंच क्यूब	दै.जी.क्रि. - 2	कप/गिलास
ग - 5	अलग-अलग रंग के एक इंच के मनके, दोवर्ग इंच का डब्बा	दै.जी.क्रि. - 6	केला. संतरा
		दै.जी.क्रि. - 7	स्ट्रा या नलियाँ
ग - 6	एक सेन्टीमीटर के मनके या अलग-अलग रंग की खूटियाँ	दै.जी.क्रि. - 8	चम्मच/प्लेट
		दै.जी.क्रि. - 16	दाँतों का ब्रश
ग - 9	12-14 इंच परिधि वाली गेंद	दै.जी.क्रि. - 19	टूथ पेस्ट/ डेन्टल क्रीम/पाउडर/ नीम दातुन
ग -			
ग - 11	ग-9 की भाँति		
ग - 15	12-15 से.मी. ऊँचाई की गिलासें	दै.जी.क्रि. - 14	तौलिया
ग - 17	चित्रवाली पुस्तकें	दै.जी.क्रि. - 15	साबुन
ग - 21	ग-9 जैसी	दै.जी.क्रि. - 20	मग, बाल्टी
ग - 22	ग-9 जैसी	दै.जी.क्रि. - 21	दै.जी.क्रि. -14 जैसा
ग - 24	झाड़न/कपड़ा/स्पॉन्ज	दै.जी.क्रि. - 22	दै.जी.क्रि. -15 जैसा
ग - 25	साइकिल टायर, 5 पत्थर के गट्टे	दै.जी.क्रि. - 23	दै.जी.क्रि. -14 जैसा
ग - 29	डाक लिफाफे और ए-4 साइज कागज	दै.जी.क्रि. - 24	दै.जी.क्रि. -20 जैसा
		एडीएल -	
ग - 31	कंचे, गोलियाँ	दै.जी.क्रि. - 25	दै.जी.क्रि. -15 जैसा
ग - 32	लगभग 10 सें.मी. लम्बे छेद वाली शीटें	दै.जी.क्रि. - 34	डोरी
ग - 33	टोकरी जिसकी ऊँचाई 9-10 इंच, परिधि 9-10 इंच गेंद परिधि में 9-10 इंच	दै.जी.क्रि. - 35	पाउडर
ग - 34	10-12 से.मी. साइज की कैंची	दै.जी.क्रि. - 36	बाल में लगाने वाला तेल
ग - 36	टेनी क्वायट रिंग	दै.जी.क्रि. - 37	मध्यम आकार का नाखून कटर
ग - 37	मध्यम आकार की सूई, सामान्य धागा		
ग - 38	माचिस, तिल्लियों सहित	दै.जी.क्रि. - 38	हाथ घड़ी
ग - 39	दो पहिया साइकिल	दै.जी.क्रि. - 39	कंघी
ग - 40	कूदने वाली रस्सी	दै.जी.क्रि. - 40	कपड़ा/रूई/ पैड्स दाढ़ी बनाने का सेट

खण्ड–3	भाषा (भा)	खण्ड–4 पढ़ना–लिखना (प.लि.)
भा – 6	ग – 17 जैसा	प.लि. –2 भा – 17 की भाँति
भा – 17	12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. के कार्ड पर मोटे अक्षरों में लिखे शब्द	प.लि. –6 गा – प.लि. –6 भा–32 से 35 तक के कार्ड प्रयोग किए जाएँ
भा – 18	कार्ड 17 1/2 × 2 1/2 से.मी. आकार पर तस्वीरों के रूप में लिखी कहानियाँ चिपकाई हों ।	प.लि. –7 12 1/2 × 8 1/2 से. मी. कार्ड पर छोटे अक्षरों में 3 अक्षर के शब्द लिखे हों ।
		प.लि. –8 एम–6 की भाँति
		प.लि. –9 एम–6 की भाँति
भा – 19	कार्ड 12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. आकार के, यातायात के संकेतों की तस्वीरें चिपकाई हों ।	प.लि. –10 12 1/2 × 8 1/2सें.मी. के कार्ड पर छोटे-छोटे अक्षरों में 4 अक्षर के शब्द लिखें हों ।
भा – 29	12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. के कार्ड पर कुछ काम करते प्राणियों की तस्वीरें ।	प.लि. – 12 12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. के कार्ड पर दो शब्दों के वाक्य लिखें हों ।
		प.लि. –15 12 1/2 × 8 1/2सें.मी. के कार्ड पर 6–8 शब्दों के वाक्य लिखें हों ।
भा – 32	12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. कार्ड पर जानवरों, फलों, सब्जियों की तस्वीरें चिपकाई हों ।	प.लि. –16 12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. कार्ड पर बड़े अक्षरों में वाक्य लिखें हों ।
भा – 33	भा–32की भाँति	प.लि. –17 17 17 1/2 × 12 1/2 सें.मी. कार्ड पर 30–40 शब्दों का एक पैरा लिखाइये ।
भा – 34	भा–32 की भाँति	प.लि. –18 अखबार या मैगजीन की हेडलाइन काटकर रखी हो ।
भा – 35	भा–32 की भाँति	प.लि. –19 30–40 शब्दों का एक पैरा हाथों से लिखा हुआ ।
		प.लि. –20 अखबार या मैगजीन की छोटी कटिंग
		प.लि. –23 2–3 इंच का व्यास वाली वस्तु
		प.लि. –37 पोस्टकार्ड
		प.लि. –38 बस पास, रेलवे पास के आवेदन पत्र का एक नमूना ।

खण्ड-5	अंक-समय (अं.स.)	खण्ड-6 घरेलू-सामाजिक(घ.सा.)
अं.स. -2	गा-1 की भाँति	घ.सा. -3 कपड़ा/स्पान्ज
अं.स. -3	गा-6 की भाँति	घ.सा. -4 डै.जी.क्रि.-20 की भाँति
अं.स. -5	12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. कार्डपर 1-10 तक के अंक लिखे हो ।	डीएस-6 झाड़ू घ.सा. -7 घ.सा. -3 की भाँति घ.सा. -8 प्लेट, नास्ते का सामान
अं.स. -8	अं.स. -5 की भाँति	घ.सा. -9 राख/साबुन/व्हिम
अं.स. -9	अं.स. -15 की भाँति	घ.सा. -10 कपड़ाधोने का पाउडर, साबुन
अं.स. -17	गणित चिन्ह +, −, ×, ÷, =, 12 1/2 × 8 1/2 सें.मी. कार्ड पर लिखें हों ।	घ.सा. -11 चाकू घ.सा. -12 माचिस/लाइटर
अं.स. -18	1/4, 1/2, 3/4, और लीटर मापके कप ।	घ.सा. -13 चायपत्ती, काफी पाउडर, चीनी, दूध
अं.स. -19	तराजू, 50 और 100, ग्राम के बाट	घ.सा. -14 आटा, पानी, प्लेट
अं.स. -20	कैलकुलेटर	घ.सा. -16 बटन, सूई, धागा
अं.स. -27	अं.स. -22 की भाँति	घ.सा. -36 साँप-सीढ़ी, लूडो, चाइनीज चेकर
अं.स. -30	अं.स. -22 की भाँति	
अं.स. -34	अं.स. -22 की भाँति	
अं.स. -37		
अं.स. -38	अं.स. -22 की भाँति	
अं.स. -40	अं.स. -22 की भाँति	

खण्ड-7	व्यवसाय पूर्व-(व्य.पू.पै.)
व्य.पू. - 2	क्रेऑन/वाटर कलर
व्य.पू. - 3	पेन्सिल शार्पनर
व्य.पू. - 4	गोंद और स्क्रैप बुक
व्य.पू. - 5	गा-34 की भाँति
व्य.पू. - 7	स्टेप्लर, स्टेप्लर पिन
व्य.पू. - 8	पन्चिग् मशीन
व्य.पू. - 11	नट, लिफाफे
व्य.पू. - 12	कैलेन्डर, किलें, हथौड़ा
व्य.पू. - 13	स्क्रू ड्राइवर
व्य.पू. - 15	फूल, सूई धागा
व्य.पू. - 16	रूई, कपड़े की पट्टी, दवा
व्य.पू. - 17	गा-37 की तरह
व्य.पू. - 18	छोटे पौधे
व्य.पू. - 20	उपहार को लपेटने के लिए कागज, स्टैप्लर,
व्य.पू. - 24	सिक्के, नोट, विभिन्न मूल्य के
व्य.पू. - 26	व्य.पू. -24 की तरह
व्य.पू. - 27	व्य.पू. -24 की तरह
व्य.पू. - 28	व्य.पू. -24 की तरह
व्य.पू. - 29	व्य.पू. -24 की तरह
व्य.पू. - 39	जमा करने के लिए फार्म का नमूना
व्य.पू. - 40	पैसे वापस लेने के लिए फार्म के नमूने

अध्याय 7

बेसिक - एम आर (भाग अ) का संचालन एवं

बेसिक – एम आर भाग अ के संचालन और उनके प्रतिफलों को अंक देने (स्कोरिंग) के लिए शिक्षकों/प्रयोग कर्ताओं को निश्रित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा, जो इस अध्याय में चर्चित है ।

बेसिक-एम आर भाग अ को, मानसिक मंद बच्चों पर व्यक्तिगत रूप से संचालित करना होगा शिक्षक/प्रयोगकर्ता को चाहिए कि वह पूरे मापदण्ड को भलीभाँति समझ ले और मापदण्ड को संचालित करने के पहले प्रत्येक आइटम के अर्थ से अपने आप को अवगत हो लेने दें ।

बेसिक-एम आर भाग अ का संचालन (एडमिनिस्ट्रेशन)

मापदण्ड के संचालन के समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है :

1. मापदण्ड के प्रत्येक खण्ड के प्रत्येक आइटम को पढे और देखे कि मानसिक मंद बच्चा उसको कर पाता है कि नहीं ।
2. बच्चे की वास्तविक क्रियाशीलता अर्थात्, आइटम को बच्चा कितनी कुशलता से कर पाता है, प्रत्यक्ष निरीक्षण विधि को अपनाये न कि, साक्षात्कार विधि ।
3. यह आवश्यक नही है कि, शिक्षक इस मापदण्ड पर बच्चे का व्यवहार मूल्याकन एक ही बैठक में पूरा कर लें । यह बच्चे के सहयोग और कार्य क्षमता पर निर्भर करता है । कुछ मानसिक मंद बच्चे मापन क्रिया दो या दो से अधिक बैठकों में पूरा कर पायेंगें और तब मालूम हो पाएगा कि, मापदण्ड के आइटम को कर पा रहे हैं या नहीं कुछ अवस्थाओं में, जहाँ सूचना प्रत्यक्ष निरीक्षण से सम्भव नहीं मिले पाये, माता-पिता या अभिभवक से पूरा कर जाये । जब तक शिक्षक संतुष्ट और निश्रित न हों जैसा कि, आइटम विशेष पर बच्चे की वही सर्वोत्तम प्रतिक्रिया है, मूल्यांकन कुछ समय तक चलते रहना चाहिये ।
4. बेसिक-एम आर भाग अ पर मूल्यांकित किये जाने वाले प्रत्येक बच्चे पर खण्ड विशेष के सभी 40 आइटमों को देना आवश्यक नहीं हो सका खण्ड में मापदण्ड का संचालन उस समय बंद कर देना चाहिये जब बच्चा लगातार पाँच आइटम न कर सके (5 आइटमों पर लगातार फेल हो जाये) बाद के आइटमों को देने की आवश्यकता नहीं है और उनके लिए ० अंक दे देना होगा । ऐसी स्थिति में बच्चे के लिये प्रत्येक क्षेत्र में अधिकतर अंक 200 होंगें ।
5. बेसिक-एम आर भाग अ मे प्रत्येक आइटम को सामाजिक/मानसिक आयु, अर्थात, 0-5 वर्ष, 5-7 वर्ष, 7-9 वर्ष और 9 से ऊपर, के आधार पर बाँटा गया है । इस प्रकार मापदण्ड में आइटम को उसके आयु के अनुकूल ही कोड दिया गया है । अतः शिक्षक को चाहिये कि, वह बालक विशेष के लिए उन्हीं आइटमों को दे जो उस मानसिक मंद बच्चे के अनुरूप हों, उसी मानसिक/सामाजिक आयु के स्तर का हो । उदाहरण के लिये, यदि बालक 0-5 वर्ष के स्तर का है, तो शिक्षक को उन्ही

आइटमों को देना चाहिये जो मापदण्ड के इसी आयु स्तर के हों । फिर भी यदि बच्चा उस आयु स्तर के सभी आइटमों को पास कर लेता है, तो शिक्षक को चाहिये कि, आगे वाले आयु स्तर के आइटमों को दे और साथ ही शिक्षण के लिए भी आगे के आइटमो को ही अपनायें । शिक्षक/उपभोक्ता के लिए यह सूचना उचित है कि वह मापदण्ड को कहाँ से आरम्भ करे, कहाँ तक जाये और बच्चे का सम्पूर्ण मूल्यांकन करे । फिर भी, यदि शिक्षक के पास समय है तो उचित यह होगा कि, बच्चे का पूरा मूल्यांकन पूरे मापदण्ड को ध्यान में रखते हुए करें ।

6. प्रत्येक बच्चे पर मापदण्ड के संचालन के समय रेकॉर्ड बुकलेट का प्रयोग करें । बच्चे की कार्य कुशलता से संबंन्धित अंकों को बुकलेट में लिखें और ऐसा सभी चार अवसरों के मूल्यांकन के लिए करें जिसे आप ने पूरे साल भर के लिये किया है ।

7. मापदण्ड मे जहाँ भी आइटम तारांकित हैं , शिक्षक/उपभोक्ता शब्दावली को अवश्य देखें । यह, संचालन से संबन्धित बातों को और स्पष्ट करेगी । जैसे जैसे शिक्षक का अनुभव बढ़ता जाएगा, शब्दावली के उपयोग या संदर्भ की आवश्यकता कम होती जायेगी ।

8. अध्याय 6 में वर्णित तरीकों के आधार पर, शिक्षक को मापदण्ड की सामग्री बनाकर रख लेनी चाहिये, जो मूल्यांकन के समय काम आयेगी ।

9. बच्चे की कार्यकुशलता और प्रगति अभिभावक को बताने के लिए रिपोर्ट कार्ड (परिशिष्ट) 3 का प्रयोग करें । प्रत्येक मूल्यांकन के बाद बच्चों के प्राप्तांकों को रिपोर्ट कार्ड में उपयुक्त स्थान में लिखे ।

बेसिक एम.आर. (भाग अ) के अंक (स्कोर)

बेसिक एम आर (भाग अ) के हर आइटम पर प्रत्येक मानसिक विकलांग बच्चा अलग-अलग स्तर का प्रदर्शन कर सकता है । 6 संभव प्रदर्शन के स्तर जिसके प्रत्येक आइटम पर इस प्रकार अंक (स्कोर) प्राप्त कर सकता है । प्रत्येक आईटम बच्चे द्वारा एक अंक लिखने के लिये रेकॉर्ड बुकलेट का प्रयोग करें ।

स्तर 1 : स्वावलंबी (अंक 5)

यदि बच्चा बिना किसी प्रकार के शारीरिक या मौखिक मदत के सूची व्यवहार करता है तब उसे स्वावलंबी मानना होगा और अंक (स्कोर) 5 देने होंगे । उदाहरण के लिये शिक्षक द्वारा "कपडे उतारों" मौखिक आदेश देने पर बच्चा बिना किसी मदत के अपने आप कपडे उतारेगा ।

स्तर 2 : (संकेत देना) (अंक 4)

यदि बच्चा व्यवहार सूची को किसी मौखिक संकेत पर ही करता है उदाहरण के लिये - "खोलना", "बंद करना", "खिंचना", "ढकेलना" आदि या हावभाव से संकेत (उदाहरण के लिये - उगली के इशारे से "नही" के लिये फोर फिंगर या उन्हें कैसे करना, दिखाने के लिये बताने पर ही वह उसे करेगा आदि) तब उसे "संकेत देना" (क्यूईंग) की तरह बता सकते हैं और 4 अंक (स्कोर) दे सकते हैं । पहले के

उदाहरण को लगातार करने के लिये शिक्षक के मौखिक आदेश "कपडे उतारो" पर भी यदि कपडे उतार नही सकता, जैसे "खींचो" "खोलो", "झूको" आदि जैसी क्रिया पूर्ण करने के लिये और अधिक संकेत देने चाहिये, तब बच्चे का प्रदर्शन स्तर संकेत देने पर होगा

स्तर 3 : मौखिक प्रॉम्प्टिग (अंक 3)

यदि बच्चा व्यवहार सूची को केवल मौखिक मदत के सहारे ही करता है जैसे "जीप खोलो", "शरीर झुकाओ", "दायां पैर उठाओ", "पैंट उतारों" आदि इसे "मौखिक प्रॉम्प्ट" कहकर 3 अंक (स्कोर) दें ।

स्तर चार : भौतिक प्राम्प्ट (अंक 2)

मापदण्ड में दिये गए व्यवहार को यदि बच्चा, भौतिक प्रॉम्प्ट या के बाद, वास्तविक शारीरिक मदद के बाद ही कर पाता है (पैंट उतारने के लिए उसके पाँव को उठाना पड़ें) तो इस स्तर के व्यवहार को इस श्रेणी में रखेगें और 2 अंक देगें ।

स्तर पांच : पूर्णत : आश्रित (अंक 1)

यदि बच्चा दिये गए व्यवहार को उस समय नहीं कर पाता, यद्यपि उसे प्रशिक्षित किया जा सकता है, (बच्चे के पैन्ट उतारने के लिए दूसरे का सहारा लेना पडता है, और वह स्वयं कोई चेष्टा नहीं करता है), ऐसी स्थिति में उसे पूर्ण आश्रित कहा जाएगा, और व्यवहार विशेष के लिये । अंक मिलेगा ।

स्तर छः लागू नहीं होता (अंक ०)

उनकी ज्ञानेन्द्रियों या भौतिक/शारीरिक विकलांगता के कारण, कुछ बच्चे/ ऐसे व्यवहार को बिलकुल नहीं कर पाते । उदाहरण के लिए-एक दृष्टि क्षति वाला बच्चा सामान्य रूप से लिखे "शब्द या वाक्य को नहीं पढ़ सकता (प.लि. 1015) । उसी प्रकार से आइटम गामक-12," "कम से कम । ० कदम दौड पाना", एक सी. पी बच्चे के लिए सम्भव नहीं है । जिसके पॉव उस दशा से प्रभावित है । कभी कभी उमर, लिंग, या मनोसामाजिक परिवेश के नाते, एक आइटम बच्चे के ऊपर नहीं लागु हो सकता है । उदाहरण के तौर

पर, "बालो की चोटी करना" (दै.जी.क्रि. - 39 है । एक ऐसी बच्ची जिसके बाल छोटे है, के लिए लागू नहीं हो सकता , या "रजोधर्म स्वच्छता" तक पहुंचा ही न हो । "जन्म तारीख बताना" (अंस-35) एक अनाथ बच्चे के लिए नहीं लागू हो सकता । जहाँ भी आइटम के लिये "लागू नही होता" अंक ० मिलेगा ।

निर्देश

1. मापदण्ड के प्रत्येक आइटम पर, बच्चे की अपनी कार्य कुशलता के आधार पर, अंक 0-5 के बीच कोई भी मिल सकता है । बच्चे द्वारा प्राप्त अंक को बुकलेट मे लिखें ।
2. प्रत्येक खण्ड के 40 आइटमों पर, एक बच्चे का अधिकतम अंक 200 हो सकता है ।
3. मापदण्ड के सभी सात खण्डों पर एक बच्चे को अधिकतम अंक 400 मिल सकते है ।
4. एक खण्ड के प्रयोग आइटम पर प्राप्त अंकों का प्रयोग को जोडे करें और इन्हें बच्चे का, उस खण्ड पर "प्राप्तांक" (स्कोर) माने । प्रत्येक खण्ड के इस प्राप्तांक को 200 से विभाजित करें और 100 से गुणा कर प्रतिशत निकाल लें ।
5. सभी सात खण्डों के लिए प्राप्तांक निकाल ले, जो बेसिक-एम आर भाग अ का प्राप्तांक कहलाएगा । जितन अधिक अंक होगें, बच्चे के लिए उतना ही अच्छा कौशल व्यवहार माना जाएगा ।
6. सम्पूर्ण प्राप्तां कों संचयी प्रतिशत में बदलने के लिए "सम्पूर्ण प्राप्तांक" के अधिकतम सम्भावित अंक, अर्थात् 1400 से भाग दें और फिर 100 से गुणा कर लें ।
7. उपर्युक्त विधि के अनुसार मापदण्ड को चार अवसरों पर संचालित करें ।
   अ. पहला या प्रारम्भिक मूल्यांकन शिक्षण प्रारम्भ होने के पहले होता है । इसे आधारभूत मुल्यांकन कहते हैं ।
   ब. बाकी के तीन मूल्यांकन, हर तीसरे माह के अंत में किया जाता है, इसे त्रैमासिक मूल्यांकन कहते हैं ।
8. त्रैमासिक मूल्यांकन प्राप्तांक, सम्पूर्ण प्राप्तांक प्रतिशत और संचीय प्रतिशत, सभी अंक जो बच्चे द्वारा प्राप्त किए गए हैं, को उचित हर उन्हें उचित स्थानों में भरें । अंकों के आधार पर । रेखा चित्र भी बनायें ।

   * संकेत है कि, आइटम की शब्दावली है ।

   ≠ दर्शाता है कि, सामग्री का प्रयोग करना है ।

   *≠ दर्शाता है कि, आइटम के लिए शब्दावली है और सामग्री का प्रयोग करना है ।

प्राप्तांको में भेद

बेसिक-एम आर भाग अ के वास्तविक प्रयोग में मापदण्ड के कठिन आइटमों पर अधिक अंक पा जाते हैं और सरल आइटमों पर कम अंक पा लेते हैं । इस प्रवृत्ति को अंको के वितरण के क्षेत्र मे कुछ बच्चे "अन्तर खण्ड वितरण या अन्तर खण्ड भेद" (इन्द्रा डोमेन स्कैटर या इन्द्रा डोमेन डिस्पर्सन) कहते हैं ।

बेसिक - एम आर भाग अ पर जब भी किसी बच्चे की क्रिया शीलता में इस प्रकार का अन्तर खण्ड विवरण दिखाई दें, तो निम्नलिखित स्त्रोतो की जाँच करें :

1. क्या ऐसा भेद इसलिए आया कि, बच्चे को सरल स्तरों पर कठिन आइटमो को सिखाया गया था ?
2. क्या यह भेद इस लिए आया कि, बेसिक - एम आर भाग अ के प्रयोग में कोई मूल्यांकन संबन्धी भूल हुई है ? निरीक्षण या अंक देने के स्तर पर भी गलती हो सकती है ।
3. क्या यह भेदबच्चे के किसी सम्बन्धित विकलांगना के कारण हुआ है, (जैसे, मस्तिष्क पक्षाघात, श्रवण क्षति, दृष्टि क्षति आदि) जिसके कारण बच्चा उन आइटमो को नहीं पास कर पाया जो इन खण्डो या उपखण्डों में दिये गये हैं । उदाहरण के लिए-एक दृष्टि क्षति वाला बालक "सूई सें धागा डालने" के आइटम को तो नहीं पास कर सकता परन्तु उससे कठिन आगे वाले आइटम को पास कर जाता है ।

बेसिक-एम आर भाग ब का विकास

निम्नलिखित चरणों में बेसिक-एम आर भाग ब को विकसित किया गया :

1. आइटम - संग्रह की रचना
2. प्रारम्भिक प्रयत्न के लिए आइटमों का चयन
3. विशेष स्कूलों में समस्या - व्यवहारों का सर्वेक्षण
4. बेसिक-एम आर भाग ब की तैयारी
5. पाइलट अध्ययन
6. व्यवहार मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यशाल। (बेसिक एम आर भाग ब भी शामिल किया गया)
7. बेसिक - एम आर भाग ब का फाइनल प्रयत्न
8. बेसिक-एम आर भाग ब की व्यवहार परिवर्तन में संवेदन शीलता
9. विश्वसनीयता (रिलायबिलिटि)
10. वैधता (वैलिडिटि)

1. आइटम संग्रह की रचना

बेसिक -एम आर भाग ब के प्रारम्भिक आइटम संग्रह के लिए निम्न कदम उठाये गये।

अ. देश-विदेशों में उपलब्ध व्यवहार-मूल्यांकन मापदंड और समस्या-व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों की विस्तृत विवेचना की गई ।

ब. विशेष स्कूल के कक्षाओं में व्यवहार समस्याओं का निरीक्षण किया गया।

स. मानसिक मंद बच्चो के साथ काम करने वाले शिक्षकों और अन्य व्यावसायिकों के विचार एकत्र किये गये।

नोट : अपने देश मे उपलब्ध, मानसिक मंद बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन मापदण्डों की सूची पृष्ट 12....13 पर दी गई है।

2. प्रारम्भिक प्रयत्न के लिए आइटमों का चयन

आइटम संग्रह की रचना के बाद, 88 आइटम्सनिकले जिनको फिर छांटना था इस प्रारम्भिक संग्रह से कितने आइटमों को निकाल देना पड़ा, क्योंकि, या तो वे विषय निष्ट थे (सब्जेक्टिव) या नहीं लगे, या तो विशेष स्कूल की परिस्थिति में लागू नहीं हो रहे थे या व्यावहारिक शब्दों में नहीं लिखे गये थे। मापदण्ड मे उन्हीं आइटमों को रखा गया जो विशेष स्कूल या कक्षा के वातावरण के अनुरूप हों और जिन्हें निरीक्षणीय और मापनीय पाया गया (व्यावहारिक संदर्भ में) इस प्रकार निकाल देने/ पड़े रहने देने की रीति (इनक्लूजन/एक्सक्लूजन क्राइटेरिया) अपनाने के बाद 15 आइटम, (16.9%) निकाल देने पड़े और 73 आइटमों (83.1%) को मान्य रखा गया (टेबल 16) इसके अतिरिक्त बेसिक - एम आर भाग ब के ॥ खण्ड बटकर 12 हो गये कुछ निकाले गये आइटमों के उदाहरण हैं : "शारीरिक विद्रोह की धमकी देताहै" शरारत पूर्ण व्यवहार करता है, आदि।

मापदण्ड	प्रारम्भिक संग्रह	निकाले गये आइटम	मूल संग्रह
बेसिक-एम आर भाग ब	88	15	73

टेबल-16 बेसिक-एम आर भाग ब के निकाले और रखे गए आइटम

3. विशेष स्कूल से समस्या-व्यवहार का सर्वेक्षण

73 आइटमों वाले बेसिक -एम आर भाग ब को प्रारम्भ सें मानसिक मंद बच्चों के समस्या-व्यवहार मूल्यांकन के लिएतैयार किया गया था। समस्या, व्यवहारो को 12 खण्डों, जो हैं - अन्य को शारीरिक हानि, सम्पत्ति का नुकसान, चिडचिडापन, अन्य के साथ दुर्व्यवहार, स्वयं घातक व्यवहार, पुनरावृत्ति व्यवहार, अनोखा व्यवहार, चंचलता और शारीरिक अति सक्रियता, ध्यान. न देना, विद्रोही व्यवहार, असामाजिक व्यवहार और भय। इनमे से प्रत्येक खण्ड मे आइटम्/समस्या-व्यवहारों को व्यवहारिक शब्दों में रखा गया, साथ ही एक "अन्य" खंड भी शामिल किया गया ।

इस मापदण्ड को एक सर्वेक्षण में उपयोग में लाया गया, जो देश के, मानसिक मंद व्यक्तियों के साथ कार्यरत 288 संस्थाओं पर, स्कूल/कक्षा मे समस्या व्यवहार से सम्बन्धित शिक्षकों के विचार जानने के लिए किया गया। यह मापदण्ड सभी संस्थाओं को भेजा गया जिनके 530 शिक्षकों ने स्कूल/कक्षा मे बच्चों के समस्या-व्यवहार के बारे में अपने विचार व्यक्त किये (पेशावरिया, वेंकटेशन, महोपात्रा, और मेनन, 1990)।

4. बेसिक-एम आर भाग ब की तैयारी

देश के विभिन्न विशेष स्कूलों के शिक्षकों पर किये गए सर्वेक्षण के/परिणामों के आधार पर 73 आइटमों वाले मापदण्ड को 75 आइटमों वाले मापदण्ड में संशोधित किया गया। दो खण्डों "अन्य को शारीरिक हानि" और सम्पत्ति का नुकसान, "को मिलाकर उग्र और विनाशक व्यवहार" एक खण्ड में कर दिया गया। इसी प्रकार खण्ड "चंचलता और शारीरिक अति सक्रियता" तथा "ध्यान न देना" को ध्यान मे रखते हुए "अति चंचलता" खण्ड बना दिया गया। साथ ही "अन्य" खंड को मापदण्ड के अंत मे रखा गया क्योंकि शिक्षकों द्वारा किसी अन्य व्यवहार के बारे में कोई विचार नहीं रखे गए।

इस प्रकार बेसिक-एम आर भाग ब के अंतिम रूप में 75 आइटम्स 10 खंडो में वितरित हो गये। खण्ड बने: तूफानी और विनाशक व्यवहार, चिडचिडापन, अन्य के साथ दुर्व्यवहार, स्वयं घातक व्यवहार, पुनरावृत्ति व्यवहार, अनोखा व्यवहार, अति चंचलता/विद्रोही व्यवहार, असामाजिक व्यवहार और भय, साथ में "अन्य" खंड । (टेबल-17)

सभी आइटम्स मापनीय और निरीक्षणीय शब्दों में लिखे गए थे (व्यावहारिक शब्दों में) एक परिमाणात्मक व्यवहार मापन पद्धति बनाई गई जिससे प्रत्येक बच्चे के समस्या-व्यवहार को अंकों में अभिव्यक्त किया जा सके। बेसिक-एम आर भाग बके एक आइटम पर (कभी नहीं), (कभी. कभी), और 2 (बहुधा) तक अंक मिलते हैं। इस प्रकार एक बच्चे को, इस मापदण्ड पर, अधिकाधिक 150 प्राप्तांक मिल सकते हैं। प्राप्तांक को संचयी प्रतिशत (क्यूमेलेटिव पर्सनटेज) में परिवर्तित किया जाता है। इसके अतिरिक्त बेसिक-एम-आर भाग ब पर बच्चे के समस्या-व्यवहार का समय-समय का रेकॉर्ड रखने के लिए रेकार्ड बुकलेट, प्रोफाइल शीट भी संलग्न की गई है।

मापदण्ड	चुने हुए मूलक संग्रह के आइटम	अन्य जोड़े गए आइटम	फाइनल आइटमों की संख्या
बेसिक-एम-आर भाग ब	73	2	75

टेबल-17 बेसिक-एम-आर भाग बके फाइनल आइटमों की संख्या

5. पाइलट अध्ययन

एक विशेष स्कूल के 20 मानसिक मंद बच्चों पर पाइलट अध्ययन किया गया। इनमें 9 अल्प, 6 अत्यल्प और 5 गंभीर स्तर के मानसिक मंद बच्चे थे। बच्चों मे 13 बालक और 7 बालिकाएँ 6 से 18 वर्ष की आयु के थे। स्कूल में इनका स्तर प्राथमिकता से लेकर व्यवसाय पूर्व तक का था। पाइलट अध्ययन में जो अंक मिले उन्हें टेबल-18 में दर्शाया गया है। इस अध्ययन से बेसिक-एम-आर भाग ब के अनेक संचालन सम्बन्धी पद्धतियों का स्पष्टीकरण हो पाया

संबंधी प्राप्तांक	औसत (संख्या=20)	एस.डी
बेसिक-एम-आर भाग ब	10.50	3.24

टेबल-18 पाइलट अध्ययन का परिणाम

6. व्यवहार मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्य शाला (बेसिक-एम-आर भाग ब को शामिल करते हुए)

बेसिक-एम-आर भाग ब से शिक्षकों का परिचय कराने के लिए एक दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला "मानसिक मंद बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन" पर अयोजित की गई। इस कार्यशाला के 41 विशेष शिक्षकों की सूची, अध्याय 5 के चरण 6 जिसमें बेसिक एम-आर-भाग अ के विकास की चर्चा की गई है, दी जा चुकी है। इस प्रशिक्षण कार्य शाला में बेसिक-एम- आर भाग ब के सभी संचालन पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा हुई जिसमे संचालन, अंक देना, प्रोफाइल तैयार करना, बुकलेट का प्रयोग आदि बताया गया। वास्तविक उद्धरणो को लेते हुए मापदण्ड के प्रयोग बताए गए। एक अर्ध संगठित (सेमीस्ट्रक्चर्ड) प्रश्नावली के माध्यम से बेसिक एम आर भाग ब के बारे में शिक्षकों के विचार भी लिए गए (टेबल -11, अध्याय 5 में देखें)।

7. बेसिक-एम-आर भाग ब का फाइनल प्रयत्न

बेसिक-एम-आर भाग ब के ऊपर/कार्यशाला में उचित प्रशिक्षण हो जाने के बाद, उन्हीं तीन स्कूल के शिक्षकों से अपने - अपने कक्षा के बच्चोंपर इस मापदण्ड को संचालित करने को कहा गया। बेसिक एम-आर भाग ब पर 235 बच्चों के पूरे आधारभूत प्राप्तांकों के औसत को टेबल 19 में दर्शाया गया है, जो पाइलट अध्ययन के समय शिक्षकों द्वारा एकत्र किए गए थे।

	औसत (संख्या=235)	एस.डी
समस्या-व्यवहार अंक	15.83	15.78

टेबल-19 बेसिक-एम-आर भाग ब के फाइनल प्रयत्न में बच्चों के आधारभूत प्राप्तांक

8. बेसिक-एम आर भाग ब की व्यवहार परिवर्तन में संवेदनशीलता

व्यवहार-व्यवस्था योजना को तीन महिने चलाने के बाद, व्यवहार में परिवर्तन को मापने और साथ ही बेसिक-एम-आर भाग ब मापदण्ड की संवेदनशीलता को जानने के ध्येय से उन्हीं बच्चों को दुबारा, पर पुनः मूल्यांकित किया गया। यहाँ यह बता देना उचित होगा कि एक दिन के व्यवहार मूल्यांकन प्रशिक्षण

कार्यशाला के अतिरिक्त इन्हीं शिक्षकों/भाग लेने वालों के लिए चार दिन की एक अन्य कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था जिसमें उन्हें व्यवहार व्यवस्था पद्धतियों को प्रयोग कर बताया गया था और मानसिक मंद बच्चों के समस्या व्यवहार को कैसे कम किया जाए इसके उपाय भी बताए गए थे। पुनः मापन ने यह सिद्ध कर दिया कि, मापदण्ड सचमुच संवेदनशील है और केवल तीन माह के अंतर पर ही, वांछनीय परिवर्तन सांख्यकिदृष्टि से, प्रत्येक खण्ड में , अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं। (टेबल-20)

	औसत (संख्या=235)	एस.डी	"टी" वैल्यू
समस्या-व्यवहार अक			
पहले का	15.83	15.78	
बाद का	13.21	15.22	7.50 xxx

(***पी:<0.001)

टेबल-20 बेसिक-एम-आर भाग ब के व्यवहार परिवर्तन मे संवेदनशीलता

9. विश्वसनीयता/ (रिलायबिलिटी)

127 शिक्षको पर टेस्ट-रीटेस्ट अभ्यास किया गया। बेसिक-एम-आर भाग ब के लिए 8 सप्ताह के अंतराल पर टेस्ट - रीटेस्ट विश्वसनीयता गुणांक 0.68 प्राप्त हुआ।

(पेशावरिया, वेंकटेसन, महोपात्रा और मेनन, 1990)

10. वैधता (वैलिडिटी)

बेसिक-एम-आर भाग ब की कन्सट्रक्ट वैलिडिटी स्थापित की गई , जो पहले और बाद के टेस्ट के औसत अंक के बीच के अन्तर से मालूम किया गया। यह परिवर्तन सांख्यिकि दृष्टि से वांछनीय पाया गया (पी:<0.001) (टेबल-20)इसके अतिरिक्त फेस वैलिडिटी भी शिक्षक के रीडिंग से निकाली गई, और जो उच्च कोटी की पाई गई। (टेबल -11)

अध्याय 9

बेसिक-एम आर भाग ब का संचालन और अंक देना

बेसिक एम आर भाग ब के संचालन और अंक देने के लिए विशिष्ट दिशा - निर्देश हैं। जिन्हें शिक्षकों/उपयोग कर्ता को जान-समझ लेना चाहिए। उन्हीं की चर्चा इस अध्याय मे की जा रही है। बेसिक-एम आर भाग ब प्रत्येक बच्चे को व्यक्तिगत रूप से देना चाहिए। संचालन क्रिया प्रारम्भ करने के पहले शिक्षक/उपयोग कर्ता को मापदण्ड के प्रत्येक खण्ड व उसके आइटम से परिचित हो जाना चाहिए।

बेसिक-एम आर भाग ब का संचालन

मापदण्ड के संचालन हेतु निम्नलिखित बातों को ध्यान मे रखा जाय:

1. बेसिक-एम आर भाग ब को भाग अ के साथ, प्रत्येक मानसिक मंद बच्चे को स्कूल या कक्षा में दें। यह मत समझ लें कि, एक बालक विशेष समस्या व्यवहार से ग्रस्त है या नहीं।
2. प्रत्येक खण्ड के प्रत्येक आइटम को पढ़ें और मापदण्ड पर मानसिक मंद बालक का मापन करते हुए देखें कि, उसमें व्यवहार समस्या, जो आइटम में लिखी है, है या नहीं ।
3. बच्चें में समस्या व्यवहार है या नहीं इसको सुनिश्चित करने के लिए आप मापदण्ड के आइमटों के अनुसार बच्चे के व्यवहार को स्वयं देखने का प्रयत्न करें, साक्षात्कार विधि को कम से कम अपनाएँ।
4. यह आवश्यक नहीं कि, शिक्षक एक ही सत्र मे भाग ब पर व्यवहार मापन प्रक्रिया पूरी कर लें। बताए गए समस्या व्यवहार पर आधारित होगा कि, उस व्यवहार विशेष को कब तक देखा जाय और सुनिश्चित किया जाय। कुछ ही ऐसी अवस्थाएँ हो सकती है जहाँ व्यवहार को सीधा देखने में कठिनाई हो, उस समय अभिभावक/अभिरक्षक से पूछ कर सूचना ली जा सकती है।
5. मापदण्ड में कुछ ऐसे आइटम हैं जिनमें वर्णित व्यवहार छोटे बच्चों के संदर्भ मे समस्या व्यवहार नहीं माने जा सकते हैं (उदाहरण, भय)। कोई व्यवहार समस्या मूलक है या नहीं, इस बात पर निर्भर करता है कि, शिक्षक उस व्यवहार विशेष को किस रूप में लेता है। क्या वह व्यवहार बच्चे की शिक्षण/प्रशिक्षण प्रक्रिया मे बाधक है। फिर भी मापदण्ड को पूरा करते हुए बच्चे के व्यवहार का निरीक्षण अच्छी तरह से कर लें।
6. मापदण्ड संचालन के समय रेकॉर्ड बुकलेट (अध्याय 13 देखें) का प्रयोग करें बच्चे के, पूरे वर्ष के चारों मूल्यांकन प्रतिफलों को रेकॉर्ड बुकलेट में भरें।

बेसिक-एम आर भाग ब पर अंक देना (स्कोरिंग)

बेसिक-एम आर भाग ब पर प्रतिफलों को अंक देने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान देना होगा :

1. किसी भी मानसिक मंद बच्चे के लिए मापदण्ड के आइटम को देने के बाद निरीक्षण किए गये व्यवहार को तीन प्वाइन्ट रेटिंग पर तौलें अर्थात् रेकॉर्ड बुकलेट में आइटमों के सामने दिए गए तीन अवस्थाओं या स्तरों में से व्यवहार विशेष किस स्तर का है। उदाहरण व्यवहार कभी नहीं (क.न), कभी कभी (क) या बहुधा (ब) देखा जाता है। (एफ)

   अ. यदि बताये गये समस्या व्यवहार तो "कभी नहीं (क.न.) पर निशान लगाएँ और अंक ० दें।

   ब. यदि बताया गया व्यवहार (समस्या) कभी कभी आता है। तो "कभी कभीं ' (क.क) पर निशान लगाए और अंक 1 दें।

   स. यदि बताया गया समस्या व्यवहार आदतन बार बार आता है तो बहुधा (ब) पर निशान लगाए अक 2 दें।

   इस प्रकार बेसिक-एम आर भाग ब पर कोई भी मानसिक मंद बच्या प्रत्येक आइटम पर ० से 2 के बीच का कोई अंक पा सकता है, यह उस व्यवहार की गहनता पर निर्भर करेगा। उचित अंक को बच्चे के रेकॉर्ड बुकलेट में दर्ज करें।

2. भाग ब पर एक बच्चे का अधिकतम अंक 150 हो सकता है।

3. प्रत्येक खण्ड के प्रत्येक आइटम के अंकों को जोड़ कर उस खंड का "प्राप्तांक" (रॉ स्कोर) निकाल ले । प्राप्तांक को उस खण्ड के अधिकतम अंक से भाग देते हुए 100 से गुणा कर प्रतिशत में बदल लें।

4. इसी प्रकार सभी 10 खण्डों के अंकों को जोड़कर बेसिक-एम आर भाग ब का "पूर्ण प्रांप्तांक" निकालें । कम अंक कम समस्या व्यवहार का द्योतक है।

5. पूर्ण प्राप्तांक को संचयी प्रतिशत मे बदलें। पूर्ण प्रप्तांक को 150 से भाग देते हुए 100 से गुणा कर ले

6. संचयी प्रतिशत को रेखा चित्रित कर ले।

7. बेसिक-एम आर भाग ब कोइन्ही विधियों पर चार बार संचालित करें। इसे भाग अ के साथ दें।

अ. पहला और प्रारम्भिक मूल्यांकन शिक्षण/प्रशिक्षण के पहले किया जाता है इसे आधार भूत मूल्यांकन कहते हैं।

ब. तीन मूल्यांकन हर तीसरे माह पर होता है जिससे त्रैमासिक मूल्यांकन कहते हैं।

8. इन मूल्यांकनों के अंकों, प्रतिशतों और संचयी प्रतिशतों को हर बार बुकलेट मे नोट करें, प्रोफाइल बनाएँ (परिशिष्ट-2)

9. अभिभावक को, बच्चे की प्रगति बताने के लिए प्रगति पत्र का प्रयोग करें (परिशिष्ट-3) । प्रत्येक मूल्यांकन के बाद प्राप्त सूचनाएँ और अंक प्रगति पत्र के उचित स्थान पर दर्ज करें।

अध्याय 10

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड बेसिक एम आर भाग अ

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	खण्ड-I गामक (गा)
0-5	1.	एक इंच के दो क्यूब एक हाथ में 30 सेकेन्ड तक रख पाता है#
	2.	हाथों से ताली बजाता है।
	3.	5 फीट या उससे अधिक दूरी बकइयाँ चलता है।
	4.	जब खड़ा किया जाता है, कम से कम दो मिनट तक बिना सहारे खड़ा होता है।
	5.	छोटी वस्तुएँ एक डिब्बें में डालता है। *#
	6.	वस्तुओं को उठाने के लिए अंगूठे और तर्जनी का प्रयोग करता है *#
	7.	बैठे हुए स्थिति से खड़ा होता है
	8.	खड़े हुए स्थिति से बैठने के लिए घुटने मोडता है
	9.	गेंद किसी भी दिशा में फेंकता है #
	10	कम से कम 5-10 कदम चलता है
	11.	गेंद को किसी भी दिशा में पैर से मारता है #
	12.	कम से कम 10 कदम तक दौड़ता है
	13.	कुर्सियों पर चढ़ता है *
	14.	एक के बाद दूसरे पैर के सहारे सीढ़ियाँ चढ़ता है
	15.	बिना गिराए (ढोले)द्रव (पदार्थ) एक गिलास से दूसरे गिलास में डालता है*#
	16.	एक के बाद दूसरे पैर के सहारे सीढ़ियों से नीचे उतरता है।
	17.	एक एक करके, किताब के पन्ने पलटता है #
	18.	दोनों पैरों से जमीन पर कूदता है
	19.	दरवाजा खोलता है *
	20.	सामान्य शारीरिक व्यायाम करता है *

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	[illegible] गामक ([illegible])
0-5	21.	गेंद को कम से कम पाँच मीटर तक बिना बीच में गिराए फेंकता है #
	22.	गेंद पकडता लेता है *#
5-7	23.	क.म से कम 2-3 मिनट तक झूला झूलता है। *
	24.	श्याम पट्ट को डस्टर से साफ करता है #
	25.	साइकिल टायर को चलाता है (बालक) 5 गिट्टे खेलती है (बालिका) *#
	26.	सीढ़ी पर कम से कम 8-10 कदम चढ़ता है
	27.	एक पैर पर, कम से कम 30 सेकेन्ड तक खड़ा रहता है
	28.	2 फूट की ऊँचाई से कूदता है
	29.	कागज को मोड़ता है और लिफाफे मे डालता है *#
	30.	सीधी लाइन पर कम से कम 5-10 कदम चलता है
	31.	कंचे खेलता है (बालक)/लंगडी खेलती है (बालिका) *#
	32.	छेद वाले कागज को फाड़ता है #
	33.	गेंद को टोकरी में फेंकता है *#
	34.	कैंची से सीधी लाइन पर काटता है *#
	35.	कम से कम 30 सेकन्ड तक एक पाँव पर से लंगडता है
7-9	36.	रिंग के खेल खेलता है *#
	37.	मध्यम आकार की सुई में धागा डालता है *#
	38.	दो प्रयत्नों में माचिस जला लेता है। *#
9+	39.	दो पहिया साइकिल चला लेता है। *#
	40.	रस्सी कूदता है *#

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

[illegible]	[illegible]	[illegible]
		(खाना:)
0-5	1.	तरल या आथे ठोस खाने को निगलता है
	2.	कप या गिलास से पीता है#
	3.	खाद्य और अकाद्य में भेद समझ पाता है
	4.	ठोस भोजन को चबाता है
	5.	भोजन को ऊँगलियों से उठाता है और मूँह में डालता है*
5-7	6.	केले/संतरे के छिलके उतार लेता है#
	7.	नली(स्टॉ) द्वारा पानी/द्रव पदार्थ चूसता है#
	8.	दाल, चावल मिलाकर हाथ/चम्मच से खाता है #*
		(शौचादि क्रिया)
0-5	9.	शौच जाने के लिए आवश्यकता बताता है*
	10.	शौचालय तक पहुँच जाता है
5-7	11.	शौचालय की सीट पर बौठने के पहले अंडरवीयर/पैंट उतारता है
	12.	शौचदि के बाद अपने को साफ करता है*
	13.	इस्तेमाल के बाद फ्लश करता है ।*
		(दाँतों की सफाई)
0-5	14.	तौलिया/कपड़े से हाथ पोछ लेता है#
	15.	साबुन और पानी से हाथ धोता है#
5-7	16.	दाँत ब्रश से साफ करता है *#
	17.	पेस्ट थूकता है
	18.	जीभ साफ करता है*
	19.	टूथ ब्रश पर पेस्ट लगा लेता है*#

***शब्दावली, #सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री**

		(स्नान करना)
0-5	20.	नहाने के लिए अपने ऊपर पानी डालता है #
	21.	तौलिया/कपड़े से मुँह पोछता है #
5-7	22.	साबुन और पानी से मुँह धोता है#
	23.	शरीर पोछने के लिए तौलिये का प्रयोग करता है #
	24.	पानी से शरीर पर लगे साबुन को धोता है #
	25.	शरीर पर साबुन लगाता है#
		(कपड़े पहनना)
0-5	26.	बटन खोल देने पर कपड़े उतार लेता है
	27.	जाँघिए (अंडरवेयर) या इलास्टिक पैंट को पहनता है
	28.	कपड़े के बटन खोलता है
	29.	कमीज अथवा फ्रॉक पहनता (ती) है, (बटन न भी लगा पाए तो चलता है)
5-7	30.	सही पैरों में स्लीपर पहन पाता है
	31.	अपने कपड़ों के बटन बंद कर पाता है
	32.	पूरी बाँह वाला स्वेटर /ब्लाउज/स्कर्ट पहन पाता (ती)है *
	33.	जूतों के फीते अथवा सैन्डल के बक्कल बंद कर पाता है *
7-9	34.	गांठ बाँधता है।
		(सजना - सँवरना)
5-7	35.	चेहरे/शरीर पर पाउडर लगाता है#
7-9	36.	बालों में तेल लगाता है *#
	37.	नेलकटर/कैंची से नाखून काटता है #
	38.	हाथ में घड़ी पहनता है #
9+	39.	चोटी बना लेती/कंघी से बाल बना पाता है #
	40.	मासिक धर्म में सफाई रखती है/दाढ़ी बना पाता है *#

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	खण्ड-III भाषा (ग्रा)
		(ग्राहय भाषा)
0-5	1.	आदेश पर वस्तुओं/व्यक्तियो की ओर देखते हुए ढूँढ लेता है। *
	2.	मौखिक या इशारों के आदेश पर अनुक्रिया करता है। *
	3.	उन सामान्य आदेशों को समझता है जो किसी प्रतिक्रिया के लिए हों *
	4.	शरीर के पाँच अंगों को बताता है
	5.	परिचित वस्तुओं की ओर इशारा करता है *
	6.	पुस्तक मे चित्रों को बताता है *#
5-7	7.	किसका है? प्रकार के प्रश्नों को समझता है *
	8.	में, ऊपर, नीचे आदि स्थानों को समझता है *
	9.	एक के बाद दूसरे से सम्बन्धित मौखिक आदेशों का पालन करता है *
	10.	कौन? से सम्बन्धित प्रश्नों के रूप को समझता है *
	11.	क्यो? से लगे प्रश्नों को समझता है *
	12.	बड़ा, छोटा, ऊपर-नीचे आदि विशेषणों को समझता है *
7-9	13.	पूरे-अंश की धारणा को समझता है *
	14.	तीन स्तर के आदेशों को समझता है *
	15.	समूह में पहला, बीच का और अन्तिम वाला को पहचान लेता है
9+	16.	बाँया-दाया समझता है
	17.	दृश्य शब्दों को समझता है *#
	18.	एक कहानी सुनने के बाद, उससे संबन्धित चित्रों को क्रम से रख पाता है *#
	19.	यातायात के संकेतों को समझता है *#
	20.	मतदान के अधिकारों को समझता है *

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	खण्ड-III भाषा (भा)
		(अभिव्यक्ति)
0-5	21.	पाँच स्वर ध्वनियों की नकल करता है
	22.	सिर हिलाकर हाँ ना का प्रयोग करता है *
	23.	अपनी आधारभूत आवश्यकताओं को इशारों या संकेतों से बताता है *
	24.	पाँच सार्थक शब्द बोल पाता है
	25.	पूछे जाने पर अपना नाम बताता है
	26.	पशुओं और निर्जीव वस्तुओं की आवाजों की नकल कर पाता है *
	27.	दो शब्दों के वाक्यांशों का प्रयोग करता है *
	28.	पाँच परिचित वस्तुओं का प्रयोग बताता है *
	29.	शब्दों की सहायता से लोगों के हाव भाव का वर्णन करता है *#
	30.	आदेशों को बताने के लिए शब्दों का प्रयोग करता है *
	31.	लिंग भेद समझ पाता है *
5-7	32.	पाँच सामान्य यातायात के साधनों का नाम ले पाता है #
	33.	पाँच सामान्य जानवरों के नाम ले पाता है #
	34.	पाँच सामान्य फलों के नाम ले पाता है #
	35.	पाँच सामान्य सब्जियों के नाम ले पाता है #
	36.	कम से कम 3-4 पंक्तियों की कविता गा पाता है
	37.	विशेषण वाले शब्दों, जैसे लम्बा-छोटा, पास-दूर, गंदा-साफ, का प्रयोग करता है।
7-9	38.	मिश्रित वाक्यों का प्रयोग करता है *
	39.	साधारण चुटकुले सुनाता है *
9+	40.	साधारण बात-चीत कर लेता है *

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

		(पाठन)
0-5	1.	एक जैसी पाँच वस्तुओं का मिलाप कर पाता है *
	2.	पाँच सामान्य वस्तुओं को उनके पुस्तक में चित्रों से मिलाप कर पाता है #
	3.	पाँच रंगों का मेल बैठा पाता है #
	4.	अपने नाम को पहचान लेता है *
	5.	अपने नाम को पढ़ लेता है *
	6.	एक जैसे पाँच चित्रों को उन्हीं एक श्रेणी में छाँट लेता है।*
	7.	पाँच तीन अक्षर वाले शब्दों का मिलाप कर पाता है *#
5-7	8.	पाँच रंगों को पहचानता है #
	9.	पाँच रंगों के नाम ले पाता है #
	10.	पाँच छपे शब्दों को पढ़ लेता है *#
7-9	11.	माता पिता के नाम पढ़ लेता है *
	12.	दो शब्दों के बनेवाक्यों को पढ़ लेता है *#
	13.	अपना पता पढ़ लेता है *
	14.	परिवार/मित्रों के नाम पढ़ लेता है *
	15.	छोटे वाक्यों को पढ़ लेता है *#
	16.	साइन बोर्ड पढ़ लेता है *#
9+	17.	छोटे पैराग्राफ पढ़ लेता है *#
	18.	मैगजीन/अखबार के बड़े प्रिंटस् को पढ़ लेता है *#
	19.	मध्यम आकार का हस्तलिखित पैराग्राफ पढ़ लेता है *#
	20.	अखबार का छोटा समाचार पढ़ लेता है #

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	व्यवहार संख्या	खण्ड-IV पढ़ना - लिखना (जारी)
		(लेखन)
0-5	21.	चाक या पेन्सिल से स्लेट, कागज या जमीन पर गोंज पाता है
	22.	तीन इंच की सीधी रेखा पर गोंजता है
	23.	गोलाकार पदार्थ के सहारे गोंजता है #
	24.	अपने नाम के अक्षरों पर गोंजता है।
	25.	अपने नाम के अक्षरों की नकल कर लेता है।
	26.	सीधी रेखा की नकल कर लेता है।
	27.	वृत्ताकार की नकल कर लेता है
	28.	तीन बिन्दुओं को मिलाते हुए एक लकीर खींच लेता है *
	29.	अपना नाम लिख लेता है *
5-7	30.	चौकोर आकृति की नकल कर लेता है
	31.	त्रिकोण आकृति की नकल कर लेता है
	32.	अपना पता नकल कर लिख लेता है
	33.	अपना पता लिख लेता है
7-9	34.	पाँच छपे वाक्यों की नकल कर लिख लेता है *
	35.	श्रुत लेख (डिक्टेशन) में 5-6 शब्द लिख लेता है *
	36.	श्रुत लेख में पाँच वाक्य लिख लेता है *
9+	37.	एक पत्र लिख लेता है *#
	38.	आवेदन पत्र भर लेता है *#
	39.	साधारण विषय पर कम से कम 40 शब्दों का निबन्ध लिख लेता है *
	40.	अवकाश के लिए पत्र लिख लेता है *

*** शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री**

		(अंक)
0–5	1.	1–5 तक रटी गिनती बोल लेता है
	2.	कहने पर, समूह मे से एक वस्तु अलग कर लेता है *#
	3.	कम और अधिक में भेद बता पाता है
	4.	स्थूल वस्तुओ के एक समान संख्या वाली वस्तुओं का मिलाप कर लेता है*
–5–7	5.	1–10 तक के लिखे हुए अंको को पहचान लेता है#
	6.	क्रम में 1–10 तक के अंकों को क्रम से लिख लेता है
	7.	पाँच तक की बताई गई वस्तुओं की संख्या का सामान उठा सकता है*
	8.	1–5 तक के लिखे अंकों को क्रम से लगा सकता है#
	9.	आधी गिलास भरने के निर्देश को समझता है*#
	10.	10 के अंदर वाले अंकों को क्रम से लगा सकता है ।
	11.	10 के अंदर वाले अंकों को घटा सकता है ।
	12.	100 तक के श्रुत लेख बोलने पर किसी भी अंक को लिख लेता है
7–9	13.	बिना हासिल आने वाले दो अंको के जोड़ कर लेता है
	14.	दो अंकों वाली संख्याओं को बिना बाएँ वाली अंक से उधार लिए घटा लेता है
	15.	दो अंको वाली संख्याओं को हासिल लगाकर जोड़ लेता है
	16.	दो अंको वाली संख्याओं को उधार लेते हुए घटा लेता है
9+	17.	गणित के चिन्हों के नाम बताता है*#
	18.	नापने के कप से तरल को नापता है*#
	19.	तराजू से वस्तुओं को तौल सकता है*#
	20.	बेसिक गणित के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग कर सकता है*#

**शब्दावली, #सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री*

आयु स्तर वर्षों में	अनुक्रम संख्या	खण्ड-V अंक-समय (अं.स.)
		(समय)
0-5	21.	स्कूल की दैनिक गतिविधियों से समय/घटनाओं को जोड़ लेता है *
	22.	घड़ी/दीवार घड़ी से समय को जोड़ लेता है*#
	23.	"अब", "बादमें", "जल्दी करो", "रूको" को समझता है *
	24.	"दिन" या "रात" के बारे में पूछने पर ठीक उत्तर दे पाता है*
	25.	"सुबह" या "शाम" पुछे जाने पर जवाब दे पाता है*
	26.	"कल", "आज" और "कल" को समझता है*
	27.	घड़ी के घंटे और मिनट की सुईयों को पहचानता है #
	28.	सप्ताह के दिनों को पहचानता है और नाम बता सकता है
	29.	पाँच का पहाड़ा जानता है*
7-9	30.	समय घंटो में बता पाता है *#
	31.	अपनी आयु वर्षों मे बता पाता है
	32.	साल के महीने का नाम बता पाता है, पहचानता है
	33.	दैनिक कार्य के साथ समय को जोड़ लेता है*
	34.	घंटे के चौथाई भाग तकसमय को बता पाता है#
	35.	जन्मतिथि बताता है
9 +	36.	वर्ष, महीना, तारीख और दिन बता पाता है,
	37.	कैलेन्डर को पढ़ लेता है उसका प्रयोग करता है*#
	38.	घड़ी में मिनट तक का समय बता पाता है*#
	39.	पूर्व निर्धारित समय पर याद दिलाता है*
	40.	घड़ी का समय सेट कर लेता है*#

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	खण्ड-VI घरेलू- सामाजिक (घ.सा.)
		(घरेलू)
0-5	1.	कहने पर, वस्तुओं को जगह पर रख देता है
	2.	कूड़े को इकट्ठा कर कूड़ेदान में डाल देता है
	3.	टेबल, कुर्सी आदि को पोंछता है #
5-7	4.	पौधों को पानी देता है #
	5.	अपने कपड़ों मे तह लगाता है
	6.	झाड़ू से फर्श साफ करता है #
7-9	7.	फर्श को पोंछा लगाता है #
	8.	खाद्य परोसता है * #
	9.	बर्तन साफ करता है*#
	10.	कपड़े धोता है*#
	11.	सब्जियाँ काटता है*#
9 +	12.	केरोसिन या गैस के चुल्हे को जला लेता है #
	13.	चाय या कॉफी बना लेता है *#
	14.	चपाती य पूरी के लिएआँटा मल कर तैयार कर लेता है *#
	15.	साधारण नास्ते की चीजें बना लेता है *
	16.	बटन टांक लेता है *#
	17.	चावल या अन्य खाद्य बनालेता है *
	18.	सब्जी बना लेता है *
	19.	अपने सूती कपड़े इस्त्री कर लेता है
	20.	पूरा भोजन बना लेता है *

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर वर्षों में	आइटम संख्या	खण्ड-VI घरेलू-सामाजिक (घ.सा.)
		(सामाजिक)
0-5	21.	जब टा टा कहा जाय तो सही संकेतों से जबाव देता है
	22.	नाम पुकारे जाने पर सिर घुमाकर उत्तर देता है
	23.	शिक्षक को उसके नाम से पहचानता है
	24.	स्कूल में गज भर अन्दर जाता है, वापस चला आता है
	25.	अन्य बच्चों के साथ खिलौने/खाद्य बाँटता है
5-7	26.	दूसरों को अभिवादन करता है*
	27.	बाहर जाने के लिए आज्ञा माँगता है*
	28.	संगीत पर गाता नाचता है
	29.	कक्षा/स्कूल के कामों में शिक्षक की मदद करता है*
	30.	विभिन्नपेशों के कामों को जानता है*
	31.	4-5 अन्य बच्चों में अपनी बारी का इंतजार करता है
	32.	4-5बच्चों के साथ खेलता है*
7-9	33.	स्कूल पड़ोस मे होता है तो बिना किसी की मदद के आता जाता है
	34.	"कृपया" और "धन्यवाद" कहता है*
	35.	अन्य से अपना परिचय कर लेता है *
	36.	सहयोगी खेल क्रियाओं में 20 मिनट तक बच्चों के साथ खेल लेता है* #
	37.	सड़क पार कर सकता है*
	38.	अपने पड़ोस से बाहर भी स्कूल होतो आ जा सकता है
9 +	39.	फोन पर या व्यक्तिगत रूप से संदेश लेता और देता है
	40.	बस में स्वयं ही सफर कर लेता है *

* शब्दावली, # सामग्री, *#शब्दावली और सामग्री

आयु स्तर [illegible] वर्षों में	[illegible]	क्षेत्र-VII व्यवसाय पूर्व कार्य – [illegible] ([illegible])
		(व्यवसाय पूर्व)
0–5		1. एक कक्षा से दूसरी कक्षा तक संदेश ले जाता है
		2. ब्रश से रंग करता है *#
5–7		3. पेन्सिल शार्पनर का प्रयोग करता है *#
		4. गोंद से चिपका लेता है *#
7–9		5. साधारण आकार काट लेता है*#
		6. समय पर स्कूल का घंटा बजा पाता है
		7. स्टेप्लर का प्रयोग जानता है *#
		8. पंचिंग मशीन से छेद करता है *#
		9. वस्तुओं के समूह/ढेर बनाकर रखता है*
		10. प्रयोग करने के बाद चीजों को पुनः उचित जगह रख देता है *
		11. एक ही प्रकार की तीन चार आकार की वस्तुओं को इकट्ठा कर लेता है * #
		12. कैलेन्डर टाँगने के लिए कील लगा लेता है #
		13. पेंच वाली कीलों को लगाने या निकालने के लिए स्क्रू ड्राईवर का प्रयोग करता है *#
9 +		14. राष्ट्रीय त्योहारों की तारीख बता पाता है *
		15. धागे में गूँथकर फूलों की माला बना लेता है *#
		16. चोट पर दवा लगा लेता है *#
		17. तुरपाई मामूली सिलाई कर लेता है *#
		18. छोटे पौधे लगा लेता है #
		19. प्रमुख व्यक्तियों का नाम बता पाता है *
		20. उपहार वस्तु को एक डिब्बे में रख कागज लगाकर बाँध पाता है *#

* शब्दावली, # सामग्री, *# शब्दावली और सामग्री

[illegible]	[illegible]
	(रूपये - पैसे)
0-5	21. सिक्कों को, उन्ही जैसे अन्य धातु की वस्तुओं में से अलग कर लेता है * #
	22. मालूम है कि पैसों-रूपयों से चीजें खरीदी जा सकती है
	23. पैसों रूपयों को सम्भाल कर रखता है *
	24. एक रूपये की नोट को अन्य कागज की वस्तुओं से अलग कर लेता है#
5-7	25. मिले हुए सिक्कों को अलग अलग कर लेता है *#
	26. सभी सिक्कों को पहचानता है/नाम उनकी कीमत के हिसाब से भी बताता है *#
	27. रूपयों की नोटों को 10 रूपये तक के, को पहचानता और नाम भी उनकी कीमत के हिसाब से बताता है *#
	28. सिक्कों को क्रम से रख पाता है *#
7-9	29. इकट्ठा कर, जोड़कर सिक्कों से एक रूपया बना लेता है *#
	30. एक रूपये तक की खरीदारी कर लेता है *
	31. एक रूपये तक की खरीदारी करता है और बाकी पैसे वापस भी ला पाता है
	32. दो रूपये तक की खरीदारी करता है और बाकी पैसे वापस भी ला पाता है।
	33. 10 रूपये तक के लेन देन को जानता है *
9+	34. 10 रूपये तक के सिक्कों को जोड घटा लेता है *
	35. 5 रूपये तक की खरीदारी करता है और बाकी पैसे वापस भी ला पाता है।
	36. 10 रूपये तक की खरीदारी करता है और बाकी पैसे वापस भी ला पाता है।
	37. 100 रूपये तक की वस्तुओं की लेन देन कर लेता है
	38. पिगी बैंक में अपना हिसाब रखता है
	39. बैंक में अपने पैसे जमा करता है *#
	40. बैंक से पैसे निकाल पाता है *#

* शब्दावली, # सामग्री, *# शब्दावली और सामग्री

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड (बेसिक एम.आर.) भाँग ब

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम
	उग्र व विनाशक व्यवहार
1.	दूसरों को लात मारना
2.	दूसरो को धक्का देना
3.	दूसरों को चिकोटीकाटना
4.	दूसरों के बाल, कान, शरीर के भाग खींचना
5.	दूसरों को तमाचा मारना
6.	दूसरों को मारना
7.	दूसरों पर थूकना
8.	चीजें पटकना
9.	दरवाजा जोर से बंद करना
10.	दूसरों को काटना
11.	हथियार (ब्लेड लाठी पेन्सिल) से दूसरों पर हमला करना या चुभाना
12.	दूसरों पर चीजें फेंकना
13.	अपने या दूसरों के कपडों से धागे खींचना
14.	अपनी या दूसरों की किताबे कागज फाड़ना
15.	चीजें/गिलास/खिलौने तोड़ना
16.	फर्नीचर को नुकशान पहुँचाना
	चिडचिडापन
17.	जोर जोर से चिल्लाना
18.	चीखना
19.	पैर पटकना
20	फर्श पर लोट जाना

आइटम	खण्ड/आइटम
	अन्य के साथ दुर्व्यवहार
21	दूसरों से चीजें झपटना/खीच लेना
22	दूसरे जब बात करते हों तो उनके बीच बाधा डालता
23	जव दूसरे लोग काम कर रहे या पढ़ रहे होते है तो जोर से शोर करना
24	दूसरों को चिड़ाना
25	गाली गलौज/गंदी या भद्दी भाषा का प्रयोग करना
26	बिना अनुमति के दूसरों की चीजें ले लेना
27	दूसरों से कहना "यह करो वह करो" और दूसरों पर अपनी मर्जी लादना
	स्वयं घातक व्यवहार
28	सिर पटकना
29	अपने को काटना, दाँत से ।
30	अपने आप को काट लेना
31	अपने बाल नोचना
32	स्वयं को खरौच लेना
33	अपने को मारना
34	आँख/नाक/कान में कोई चीज डालना
35	अखाध चीजें खाना
36	चमड़ी व घाव को खरोचना
37	नाखून दाँत से काटता रहना
	पुनरावृत्ति व्यवहार
38	शरीर को हिलाना
39	सिर को हिलाता रहना
40	अंगूठा चूसता रहना
41	अजीब अजीब आवाजें निकालना
42	कलम या पेन्सिल के किनारे कुतरना

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम
43	शरीर के अंगों को बार बार हिलाना
44	दाँत पीसना
45	गोल गोल घूमना
	अनोखा व्यवहार
46	स्वयं ही हँसना
47	बेमतलब हँसना
48	अपने से बात करना
49	बेमतलब की चीजें (लकड़ियाँ, धागे, पुराने कपडे) इकट्ठा करना
50	नाकखोदना
51	अवांछित वस्तुएँ जैसे चप्पले, रस्सियाँ, मल, या कूडों के साथ खेलना
52	बिना मतलब के लोगों कोचूमना थपथपाना या चाटना
53	चीजों को सूंघना
	अतिचंचलता
54	वांछनीय समय तक एक जगह पर नही बैठना
55	जो कहा जाता है उस पर ध्यान नहीं देना
56	निर्दिष्ट समय तक दिए गये काम को या हाथ में लिए गये काम को जारी नही रख पाना ।
	विद्रोही व्यवहार
57	आदेश पालन करने से इनकार करना
58	कहा जाय उसका उलटा करना
59	किसी भी काम को करने में जान बूझकर बहुत समय लेना
60	स्कूल के बाहर आवारा गर्दी करना
61	स्कूल से भाग जाना

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम
62	बिना उदेश्य के बहस करना
	असामाजिक व्यवहार
63	झूठ बोलना या अपने लाभ के लिए सच को तोड़ना मरोड़ना या दूसरों को दोष देना
64	खेल में धोखा देना या खेल में इमानदारी की भावना नही समझना
65	चोरी करना
66	गंदे इशारे करना
67	शरीर के अंगों को बुरी तरह प्रदर्शित करना
68	दूसरे लिगं की ओर यौन संबन्धी प्रस्ताव रखना
69	सार्वजनिक रूप से अपने गुप्त अंग छेड़ना
70	सार्वजनिक रूप से दूसरों के गुप्त अंग छेड़ना
71	जूआ खेलना
	भय
72	वस्तुओं से भय
73	पशुओं से भय
74	जगहो से भय
75	लोगों से भय
	अन्य

अध्याय 11

भारतीय मानसिक विकलांग बच्चों के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड भाग अ के लिये शब्दावली

नोट

बेसिक-एम आर भाग अ मापदण्ड के संचालन को सरल बनाने के लिए शब्दावली बनाई गई है । मापदण्ड में तारांकित आइटमो के लिए शिक्षक शब्दावली देखें । जैसे मापदण्ड के संचालन में अनुभव बढ़ेगा, शब्दावली का प्रयोग उतना ही कम करना पड़ेगा ।

आइटम संख्या	खण्ड-1 गामक (गा)

गा - 5 बच्चा छोटी-छोटी वस्तुओं जैसे, मनके, कंचे, आदि को दो इंच डिब्बे में डाल सके । डिब्बा पारदर्शी हो तो बच्चे को आनन्द आएगा ।

गा - 6 वस्तुएँ-एक सेन्टीमीटर या उससे भी छोटी हों । उदाहरण मनके, छोटे आकार के ।

गा - 13 हाथ वाली कुर्सी मध्यम आकार की हों, दो फीट ।

गा - 15 गिलास में पानी, जिसे दूसरी गिलास में डालना है, आधा भरा हो, प्लास्टिक की, गिलास का प्रयोग करें

गा - 19 दरवाजा, उसके नॉब घुमाने से खुल-जाना चाहिए या इसी प्रकार के सरल साधन दरवाजे में लगे हों जिससे दरवाजा खुल सके ।

गा - 20 शारीरिक व्यायाम मे तीन या चार स्तर क्रम में होना चाहिए जैसे हाथों को फैलाते हुए बगल में, ऊपर और नीचे ले जाना, यह सब मौखिक आदेश पर बच्चे को कर लेना चाहिए ।

गा - 22 पाँच से छः फीट की दूरी से फेंके गेंद को बच्चा रोक लें

गा - 23 बच्चा झूले पर बैठ 45 डिग्री कोण से भी अधिक तक झूल सके

गा - 25 बच्चा साइकिल टायर को चलाते हुए स्वयं भी साथ-साथ कम से कम 10-15 मीटर की दूरी तक भाग सके । लड़की पाँच गोटियों से खेले जैसे प्रान्तिय वातावरण में खेलते हैं ।

गा - 29 ए - 4 साइज के कागज को कम-से-कम तीन मोड़ बनाकर पोस्टल साइज लिफाफे में डालना

क्रम संख्या | **खण्ड-I मापक (गा)**

गा - 31 बालक जब कंचे खेल रहा हो तब उसे बताए गए कंचे को निशाना बनाते हुए दूसरे कंचे से मारना है जो 6 में से 1 बार अवश्य लगना चाहिए । लडकियाँ 6-8 कदम वाली लंगड़ी खेल सकें ।

गा - 33 गेंद को बास्केट में डालने के लिए बच्चे को कम-से-कम दो मीटर की दूरी पर खड़ा होना होगा ।

गा - 34 एक सादे कागज पर पेन्सिल से, 15 सें.मी. की रेखा खींचे उसी रेखा पर बच्चा केंची से काटेगा 1 सें.मी. इधर उधर की गलती, (काटते समय कैंची इधर उधर जा सकती है) मान्य है ।

गा - 36 रिंग के खेल में बच्चा सामने वाले बच्चे, जो रिंग रोकने के लिए खड़ा है, की ओर कम-से-कम 10 फीट की दूरी तक फेंक सके ।

गा -39 बच्चा दोपहिया साईकिल स्टैन्ड मे निकालकर उसपर चढ पाए और कम से कम 200 मीटर तक, सड़क के मोड़ों आदि को सम्हालते हुए चला सके (साइकिल उस साइज की होनी चाहिये जिसपर चढ़कर, यदि बच्चा चाहे, तो उसके पैर जमीन को छू सकें)

गा - 40 रस्सी कूद पर बच्चा कम से कम 3 बार लगातार कूद सके

क्रम संख्या | **खण्ड-II दैनिक जीवन के क्रिया-कलाप (दै.जी.क्रि.क.)**

दै.जी.क्रि.क. - 5 जिन बच्चों को चम्मच, छुरी काँटों से खाने की आदत है, उन्हें उन्ही तरीकों से खाने देना है

दै.जी.क्रि.क. - 8 जो बच्चे चपाती खान के आदि हैं उन्हे चपाती को टुकड़ों में तोडकर सब्जियों के साथ खाए

दै.जी.क्रि.क. - 9 शौचालय जाने की इच्छा को शब्दों और इशारों में बता सके

दै.जी.क्रि.क. - 12 शौचादि के बाद अपने को पानी या टॉयलेंट पेपर से साफ करे

दै.जी.क्रि.क. - 13 यदि फल्श नहीं है तो बच्चा शौचालय मे तब तक पानी डाले जब तक वह साफ न हो जाए या उन सुविधाओं का पालन करे जो उसके परिवेश में प्रयुक्त हो रहे हों

दै.जी.क्रि.क. - 16 जब ब्रश पर टुथ पेस्ट लगाया गया हो या टूथ पाउडर उसकी हथेली पर रखा गया हों तब बच्चा दाँत साफ कर सके दातुन का भी प्रयोग, वांछनीय है ।

दै.जी.क्रि.क. - 18 बच्चा अपनी जीभ साफ कर सकें और मुँह साफ कर सके

दै.जी.क्रि.क. - 19 बच्चा अपने लिए खुद टूथ पेस्ट या पाउडर लेकर दाँत साफ कर सके । यदि बच्चा दातुन कर रहा है तो देखें , बच्चा दातुन थूँक सकता है ।

दै.जी.क्रि.क. - 32 पूरी बाँह का स्वेटर, कमीज या ब्लाउज ऐसे वस्त्र हैं जो सिर से नहीं पहने जाते हैं । इन वस्त्रों को बाहों की तरफ से पहना जाता है, और सामने से खुले रहते हैं ।

दै.जी.क्रि.क. - 33 यदि बच्चा आदतन बक्कल वाले सैन्डल पहनता है तो बक्कल लगाने की कुशलता मापें, और यदि फीते वाले जूते पहनता है तो फीते बाँधने के कौशल का मापन करें ।

दै.जी.क्रि.क. - 36 बच्चा अपने हथेली पर तेल रखकर सिर पर लगाए

दै.जी.क्रि.क. - 40 मासिक धर्म में लड़की को मालूम होना चाहिए कि, उसे मासिक आया है और समय समय पर पैड/कपड़े/रूई बदलती रहे

नोट :जो बच्चा नहीं बोल पाता है, पहचान या संकेत ही खण्ड के आइटम पास होने के लिए बहुत हैं ।

भा - 1 जब परीक्षक किसी वस्तु का नाम लें तो बच्चा उन वस्तुओं की तरफ सिर या आँख घुमा दे मान लेना चाहिए कि, बच्चा वस्तुओं को पहचानता है । वस्तुओं जैसे पंखा, लाइट, मम्मी, पप्पा आदि में से कम-से-कम पाँच को पहचान ले ।

भा - 2 कम से कम पाँच शाब्दिक आदेशो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करें, जैसे आओ, जाओ, देखो, दो, लो आदि ।

भा - 3 मौखिक या सांकेतिक रूप से कहे जाने पर कम से कम पाँच आदेशों का पालन कर पाए जैसे : गेंद दो, अपनी किताब दो, अपना मुँह पोंछो आदि ।

भा - 5 बच्चा कम से कम दस वस्तुओं की ओर, पूछे जाने पर इशारा कर सके, वस्तुएँ जैसे : प्लेट, गिलास, चम्मच, खाने की वस्तुएँ : चपाती, दाल, सब्जी, चावल, या अन्य वस्तुएँ जैसे : कुर्सी, गुड़िया, फ्रॉक, पेन्सिल, किताब, साइकिल आदि । जिन्हें बच्चा हर रोज अपने आस पास देखता रहता है ।

भा – 6 कहने पर या पूछे जाने पर, बच्चा, पुस्तक के चित्रों में से कम से कम दस परीचित वस्तुओं के चित्रों को बता सकें, "मुझे – – – – – दिखाओ, चित्रों में आप जानवरों, घर के सामान, फल आदि होने चाहिए ।

भा – 7 जब यह पूछा जाय कि, किसका है, तो बच्चा कम से कम, पाँच का सही जवाब दे सके, इशारों से बता कर,

1. यह किसका बैग है
2. यह किसकी किताब है,
3. यह किसकी पेन्सल है
4. यह किसका टिफिन बॉक्स है

भा – 8 उदाहरण,

"खिलौना टेबल पर रखो" "पुस्तक टेबल पर रखो" "टिफिन बाक्स टेबल पर रखो" "मनके को बाक्स में रखो", "पेन्सिल बैग में रखो" "गुडिया को टेबल के नीचे रखो", "कागज किताब के नीचे रखो" "पर, में और नीचे" तीनो अवस्थाओं को तीन-तीन उदाहरण से बच्चे की जानकारी का पता लगाएँ । व्याकरण में इन्हें विभक्तियाँ कहते हैं

भा – 9 उदाहरण,

"दरवाजा बन्द कर दो और पुस्तक लाओ", ""किताब को बैग में रख दो और चॉक लाओ" । बच्चा, इस प्रकार के पाँच निर्देशों को समझे और निर्दिष्ट क्रम में करें ।

भा – 10जब बच्चे से किस प्रश्न को पूछा जाए तो कम से कम पाँच प्रश्नों का जवाब सही प्रकार से इशारों से दें ।

1. किस किताब पर गृहकार्य लिखा है ?
2. किस शिक्षक से बात की ?
3. किस बच्चे से किताब माँगी है ?
4. यह पेन्सिल किसे देनी है ?

भा – 11 उदाहरण,

1. हम जाड़े में गरम कपड़े क्यों पहनते है ?
2. हम छतरी लेकर क्यों चलते हैं ?
3. हम स्कूल क्यों जाते हैं ?

4. इस प्रकार के, कम से कम पाँच क्यों प्रश्नों को बच्चा जानता हो, उन्हें समझता है ।

भा – 12 बच्चे को कम से कम विशेषणों के दो जोड़े, प्रत्येक के पाँच उदाहरणों को समझना चाहिए ।

भा – 13 बच्चा किसी एक पूरे वस्तु और उसके भाग में अंतर समझना चाहिए जैसे "यह एक पूरी चपाती है और यह उसका भाग है", इसी प्रकार, "यह एक पूरा चॉक है और यह उसका एक भाग है ", कम से कम पाँच वस्तुओं को उदाहरण स्वरूप बताएँ और बच्चे की जानकारी लें ।

भा – 14 उदाहरण,

"पेन टेबल पर रखो, दरवाजा बन्द करों और किताब लाओ", "किताब खोलो पेन्सिल बैग में रखो और हाथ जोड़कर खड़े हो जाओ " । बच्चा इस प्रकार के तीन निर्देशोंका एक साथ समझकर पालन करें । इस प्रकार के पाँच उदाहरणों पर बच्चे का आकलन करें ।

भा – 17 हमारे दैनिक जीवन में दृश्य शब्द अक्सर आते हैं, जैसे, खतरा, खीचों, ढकेलो, स्त्री, पुरूष शौचालय, बाहर, जहर, पूछ-ताछ आदि बच्चा न केवल इन्हें पढ़ पाए बल्कि, कम से कम पाँच शब्दों को भी समझे और समझाये ।

भा – 18 कहानियों में दिए गए ऐसे चित्र को काटें जिनमें कोई काम (व्यवहार घटित) होता दिखाया गया हो । बच्चे को कहानी सुनाए और फिर उन चित्रों को देकर बच्चे से क्रम में रखने को कहे । इस प्रकार बच्चा कम से कम पाँच छोटी छोटी कहानियों के चित्रों को क्रम से रखे । कहानियों के उदाहरणः लोमड़ी और खट्टे अंगूर, चालाक कौआ, प्यासा कौआ, मुर्गी और सोने के अंडे ।

भा – 19 बच्चे को यातायात के चिह्नों को समझना चाहिए । जैसे "लालबत्ती" का मतलब है "रूको", "पीली बत्ती" कहती है "तैयार हो जाओ" और "हरी बत्ती", का अर्थ है "जाओ" । शिक्षक को अन्य चिह्न जैसे "जिब्रा क्रॉसिंग", "स्कूल" आदि के बारे में बताना चाहिए । बच्चे को कम से कम पाँच यातायात के चिन्हों को जानना चाहिए जो आस पास दिखाई देते रहते हैं ।

भा – 20 बच्चे को वोट डालने का अर्थ और विधि का ज्ञान होना चाहिए । इसे जानने के लिए कुछ प्रश्नो को पूछना होगा जैसे "चुनाव क्यों होता है"? "चुनाव कब होते है"? "चुनाव में वोट कौन डाल सकता है "? "वोट के लिए कहाँ जाना पड़ता है"? "चुनाव के लिए वोट कैसे डालने चाहिए"?

भा – 22 जब बच्चे से पूछा जाए "क्या तुम अपनी पुस्तक लाए हो"? तो बच्चा सही ढंग से सिर हिलाकर जवाब दें ।

भा – 23 बच्चा कम से कम अपनी पाँच मूलभूत आवश्यकताओं जैसे शौच के लिए जाना है, भूख लगी है, प्यास लगी है को दर्शा सके ।

आइटम संख्या	खण्ड-III भाग (भा)

भा - 26 बच्चा कम से कम पाँच जीव या निर्जीव की आवाजों की नकल कर सके: जैसे, बिल्ली की म्याऊँ, कुते का भौंकना, शेर का गरजना, ट्रेन की छुकछुक, आदि।कुत्ता कैसे भौंकता है, बिल्ली कैसे आवाज करती है जैसे प्रश्नों के उत्तर में ऐसा अनुकरण करना चाहिये ।

भा - 27 बच्चा कम से कम पाँच दो शब्दों वाले वाक्यो का प्रयोग करें, जैसे मम्मी,पानी, पप्पा आए, भाई मारा ।

भा - 28 बच्चा कम से कम पाँच वस्तुओं को पहचान पाए जैसे कुर्सी, चम्मच, गुड़िया, पेन्सिल आदि । ऐसे वस्तुओं का चयन करें जो बच्चेके वातावरण मे आसानो से पाया जाता है।बच्चे से पूछें, "कुर्सी किस काम आती है" "कुर्सी से हम क्या करते है" ?

भा - 29 बच्चे को तस्वीरे दिखाए जिनमें अलग अलग लोग विभिन्न प्रकार के काम कर रहे हो । बच्चा उन लोगों के काम को बता पाए । कम से कम दस ऐसी तस्वीरों के सही उत्तर मिलने चाहिए । तस्वीरे हो सकती है: रस्सी कूदने की, नहाने की, कंघी करने की, दाँत साफ करने की खाने की ।

भा - 30 बच्चा पाँच शब्दों का उचित प्रयोग कर सके, जैसे: चलो, फेंको, रोको, बैठो, खड़े हो जाओ, आओ, जाओ आदि ।

भा - 31 बच्चे को सही पहचान होनी चाहिए : "तुम लड़का हो या लड़की, तुम लड़की हो या लड़का, सोहन लड़का है या लड़की, विमला लड़की है या लड़का, आदि" ।

भा - 38 एक ही वाक्य में 3-4 विचार रखने वाले जटिल वाक्यों का प्रयोग कर पाना । बच्चा कम से कम पाँच ऐसे वाक्यों का प्रयोग कर ले । उदाहरण: रामू ने कक्षामें कविता पढ़ने के लिए पुस्तक खोली।

भा - 39 दूसरों से सुने या सुनाये गये कम से कम पाँच चुटकुले बच्चा सुना सकें ।

भा - 40 वार्तालाप सामान्य विषयों, जैसे टीवी, रेडियों प्रोग्राम, सिनेमा, दैनिक कार्य बच्चा कम से कम 2-5 मिनट तक बोल सके

क्रम संख्या	खण्ड-IV पठन - लेखन (पा.ले.)

पा.ले. - 1 समूह मे रखी वस्तुओं मे से दिए गये वस्तु जैसे वस्तु बता देना एक पेन को दूसरे पेन जो समूह मे रखी हो , एक चाभी का दूसरे चाभी जो समूह मे अन्य वस्तुओं के साथ रखी हो । इस प्रकार कम से कम पाँच वस्तुओं का मेल कर पाना ।

पा.ले. - 4 कम से कम नामों की सूची में से बच्चा अपना नाम पहचान ले । उदाहरण के लिए बच्चा जिसका नाम सुरेश है, अपने लिखे नाम को अन्य नामों जैसे, सोहन, रमेश, शतीश, सुवर्ना, हरीश आदि नामों के बीच में से पहचान लें । बच्चा अपना नाम पाँच कोशिशों में से पहचान लें ।

पा.ले. - 5 लिखे हुए अपने नाम को बच्चा अक्षरशः पढ़ ले । जो बच्चा बोल नहीं सकता उसे अपने नाम के अक्षरों से एक एक करके मिलान करना चाहिए । क्रम भी सही होना चाहिए ।

पा.ले. - 6 फल, सब्जियाँ, जानवर, आदि प्रत्येक के 4-5 कार्ड मिलाकर रख लें और बच्चे से उन्हें विभिन्न समूहों में छाँटने को कहें

पा.ले. - 7 तीन अक्षर वाले शब्द, जैसे "कमल" बच्चा अन्य तीन अक्षर वाले शब्दों, जैसे, तरल, खरल, सरल, महल आदि, से मिला सकें । शब्दों के ढेर में से बच्चा कम से कम पाँच तीन शब्द वाले शब्द मिला लें ।

पा.ले. - 10 जो बच्चा बोल नहीं पाता है उसे शब्दों को पहचान लेना ही काफी है जो बच्चा बोलता है, उसे चार अक्षरों वाले शब्द, जैसे कबूतर, साईकल, हरकत, पटकना, तलवार, गजराज आदि पढ़ पाना चाहिए ।

पा.ले. - 11 जो बच्चा बोल नहीं पाता उसे माता पिता के नामों को पहचान लेना ही काफी है । जो बोलता है उसे दोनों के नाम को सही उच्चारण के साथ पढ़ना है ।

पा.ले. - 12 बच्चा कम से कम पाँच दो शब्दों वाले वाक्य पढ़ ले, जैसे एक बिल्ली, मेरी गेंद, एक कुत्ता, आदि । जो बच्चा बोलने में असमर्थ है, उसे दो शब्द वाले वाक्यो को पहचानना है ।

पा.ले. - 13 जो बच्चा नहीं बोल सकता, तीन पतों के समूह में से अपने पते को पहचान निकालना है । जो बोल पाता है उसे अपने पते को पढ़ना है ।

पा.ले. - 14 अपने माता पिता के अतिरिक्त पाँच अन्यपरिवार के सदस्यों के नामों को बच्चा पढ़ ले । जो बच्चा बोल नहीं पाता उसे लिखे नामों में से अपने परिवार के नामों को पहचान निकालना है ।

आइटम संख्या	खण्ड-IV पठन - लेखन (पा.ले.)

पा.ले. - 15 बच्चे को कम से कम पाँच वाक्य पढ़ने है । वाक्य जैसेः कुत्ता रोटी खा रहा है, गाय दूध देती है, गाय के चार टाँगे और एक पूँछ होती है । वाक्यों में 6-8 शब्द होने चाहिए ।

पा.ले. - 16 सामान्य रूप से पाए जाने/देखे जाने वाले साइन बोर्डो में से पाँच को पढ़ पाए । साइन बोर्ड जैसे : "स्कूल", "पुलिस", "पोस्ट ऑफिस", अस्पताल।

पा.ले. - 17 संयुक्ताक्षरों, से युक्त शब्दों वाले कम से कम तीन पैराग्राफ को बिना किसी उच्चारण, कॉमा-मात्रा दोष या गलती के, बच्चा पढ़ ले । प्रत्येक पैराग्राफ में 30-40 शब्द होने चाहिए ।

पा.ले. - 18 समाचार पत्रों, मेगजीनो के शीर्षकों को उपयुक्त विराम आदि के साथ पढ़ सके ।

पा.ले. - 19 60-70 शब्दों के पैराग्राफ, जो हस्तलिखित हों, को पढ़ ले । तीन त्रुटियों की छूट दी जाती है ।

पा.ले. - 28 लगभग दो इंच की बराबर वाली दूरी पर रखे तीन बिन्दुओं , को मिलाना ।

पा.ले. - 29 यदि बच्चा अपना पहला या मुख्य नाम ही लिख ले तो पूरे अंक दे ।

पा.ले. - 34 रेकॉर्ड बुक में, बच्चा दिए गये तीन लिखित नमूनों को, विराम और हलन्त आदि के साथ नकल उतार दे ।

पा.ले. - 35 श्रुत लेख के लिए चुने गए प्रत्येक शब्द में कम से कम 4-5 अक्षर होने चाहिए और वे शब्द दैनिक जीवन में प्रयोग किए जाने वाले पदार्थो से संबन्धित हों जैसे चारपाई, जलपान, अरहर दाल आदि ।

पा.ले. - 36 श्रुत लेख में बच्चा कम से कम पाँच वाक्यो को लिखें । जैसे : "कुत्ता रोटी खा रहा है ।" "बिल्ली दूध पी रही है" "राम किताब पढ़ रहा है ।"

पा.ले. - 37 पत्र अपने माता/पिता या मित्र के नाम हो, पोस्ट कार्ड पर और उस पर पता लिखा हो ।

पा.ले. - 38 बस पास, रेलवे आरक्षण फॉर्म, मनीआर्डर आदि को बच्चा ठीक तरह से भर लेता है ।

पा.ले. - 39 उदाहरण "मेरा स्कूल", "मेरा पालतु जानवर", "मेरा घर" । इनमे से किसी पर बच्चा कम से कम 40 शब्दों का लेख लिखे । तीन गलतियाँ मान्य है ।

पा.ले. - 40 बच्चा अवकाश - पत्र पत्र लिख सके । जिसमें "प्रेषक" "सेवामें" आदि से संबन्धित बातें भी हों । अर्थात् कौन और किसे लिख रहा है । पत्र में तारीख और छुट्टी का कारण भी हो ।

नोट : इस खण्ड के कुछ आइटमों के लिए यदि बच्चा अपनी ऊँगलियों/ अन्य वस्तुएँ/या रेखाओं के माध्यम से गणित को हल करता है तो इसे मदद में गिनेंगे । गणित समस्यायोंको स्वतंत्र रूप से करने के लिए मिलने वाले अंक के लिए बच्चे को रेकॉर्ड बुकलेट में दिए गए अंकों को पास करना होगा । यदि बच्चा गणित के दिए गए दो समस्याओं को स्वतंत्र रूपसे हल कर लेता है, परंतु तीसरे के लिए संकेत या मदद की आवश्यकता पड़ती है, तो उसे अंक 4 मिलेगा 5 नहीं ।

अं.स. - 2 माँगेजाने पर कि, "मुझे इसमे से एक दो" बच्चा एक वस्तु ही उठाकर दें ।

अं.स. - 3 एक ही प्रकार की वस्तुओं को भिन्न-भिन्न परिमाण में रखा जाए और तब बच्चे से बड़े परिमाण के ढेर के बारे में पूछा जाये और उसे बच्चा ठीक से बता पाए बड़े और छोटे ढेर में 1-3 का अनुपात होना चाहिए

अं.स. - 4 जब एक ही प्रकार की वस्तुओं के ढेर में से कुछ संख्या की वस्तुएँ निकाल कर बच्चे को दिखाई जाए और फिर उससे उतनी ही संख्या की वस्तुएँ ढेर मे से देने को कहा जाये, तो बच्चा उतने ही संख्या की वस्तुयें निकाल कर दे

अं.स. - 7 बच्चे के सामने कुछ पेन्सिले रखकर 5-6 पेन्सिलें उनमें से दो माँगी जाय तो बच्चा बताई संख्या कह पेन्सिलें उठाकर दे सके ।

अं.स. - 9 कहने पर "आधा गिलास पानी से भर दो" बच्चा वैसा ही करे ।

अं.स. - 17 क्रमशः तीन गणित चिह्नों, +, -, x, = की पहचान करते हुए इनके नाम बताए जो नहीं बोल पाए, केवल पहचानें ।

अं.स. - 18 लगातार तीन अवसरों पर क्रमशः बच्चे को एक लीटर, आधा लीटर, चौथाई लीटर, और तीन चौथाई लीटर पानी नाप लेना चाहिए ।

अं.स. - 19 लगातार तीन कोशिशों पर बच्चे को कोई 50. ग्राम, 100 ग्राम ठीक-ठीक नाप पाना चाहिए ।

अं.स. - 20 बच्चे को कैलकुलेटर पर कम से कम पाँच गणित की क्रियाएँ जैसे +, -, x, , ÷ , = कर लेनी चाहिए ।

अं.स. - 21 बच्चे को विशेष समय से किन्ही विशेष क्रिया कलापों का सम्बन्ध स्थापित कर पाना चाहिए । जैसे स्कूल में पहली घंटी का अर्थ है कि प्रार्थना, दूसरी घंटी के बाद नास्ते के लिए छुट्टी आदि ।

अं.स. - 22 घड़ी दिखाकर पूछे जाने पर कि "यह क्या है" बच्चा बता सके कि, यह घड़ी है, यह समय बताती है ।

अं.स. - 23 बच्चे को चार आदेशों में से कम से कम तीन को सही तरह से समझ लेना है । प्रत्येक आदेश मे कम से कम दो निर्देश हो । उदाहरण, "हम चित्र अभी बनाएंगे और रंग बाद में भरेंगें" जब तक मै शुरू करने को न कहूं प्रतीक्षा करो ।

अं.स. - 24 मूल्यांकन के समय यदि दिन हो तो पूछें "दिन है या रात", बच्चे से तीन बार पूछें और बच्चा तीनों बार सही उत्तर दें । और यदि रात हों तो पूछें "यह रात है या दिन" ।

अं.स. - 25 मूल्यांकन के समय यदि सुबह हों तो पूछें "सुबह है या शाम" उसी प्रकार शाम के समय "शाम है या सुबह" । तीन में तीनों बार सही उत्तर हो ।

अं.स. - 26 बच्चा "कल आज और कल" सभी को समझें । पूछे, "कल क्या खाया था"? "आज सुबह नास्ते में क्या खाया"? "कल कौन सा दिन है "? एक एक केलिये 3-4 उदाहरण होने चाहिये ।

अं.स. - 29 पाँच का पहाड़ा 60 तक बोले ।

अं.स. - 30 घड़ी के छोटे और बड़े सुइयों को देख कर निकटतम घंटे का समय बता पाए । जैसे यदि 3 बजकर 5 मिनट हुयें हो तो बताए तीन बजे हैं । यदि 9 बजकर 55 मिनट हुये हैं तो 10 बजे हैं बताए आदि ।

अं.स. - 33 पूछे जाने पर उत्तर दे पाए "सुबह का नास्ता किस समय करते हो"? , "किस समय सोते हो"? "उत्तर मौखक हो या बच्चा घड़ी को दिखाकर बताए" ।

अं.स. - 35 यदि आपके पास बच्चे की जन्म तारीख न हो तो इस आइटम के लिए "उपयुक्त नहीं" का अंक दे अन्यथा बच्चे को तिथि, महीना और साल बताना है

अं.स. - 37 लगातार तीन प्रयत्नों में बच्चा सही प्रकार कैलेन्डर में दिन, माह तारीख बताएगा । दिन और तारीख देखने के बाद बच्चा कैलेन्डर में देख कर दिन भी बताएँ ।

अं.स. - 38 घड़ी के छोटी और बड़ी सुई को देख बच्चा सही घंटा और मिनट बताए । जैसे 11.24, 3.46, 7.16 आदि ।

अं.स. - 39 एक निश्चित समय तय कहें, बच्चे से कहे तब वह आप को उतने बजे याद दिलाएँ । जैसे 10.30 बजे, या 9.20 बजे, 11.35 बजे ।

अं.स. - 40 बताए गए समय के हिसाब से बच्चा घड़ी ठीक कर सके, समय मिला सके ।

आइटम संख्या	खण्ड-VI घरेलू - सामाजिक (घ.सा.)

घ.सा. - 8 चार पाँच व्यक्तियों के लिए 2-3 प्रकार के नास्ते के सामान को बच्चा लगा सकें ।

घ.सा. - 9 भोजन बनाने और खाने के बर्तनों को बच्चा विम/राख और पानी से साफ कर सके ।

घ.सा. - 10 साबुन और पानी से बच्चा कपड़े धो ले और रस्सी पर सूखाने के लिए डाल सके ।

घ.सा. - 11 सब्जियों का छीलना और काटना दोनो शामिल है ।

घ.सा. - 13 दो व्यक्तियों के लिए कॉफी या चाय बनाने के लिए उपयुक्त चीनी, दूध आदि का डालना शामिल है ।

घ.सा. - 14 चार व्यक्तियों के लिए चावल या उसी प्रकार का खाद्य बनाने के लिए खाद्य सामग्री और पानी आदि की मात्रा उचित हो ।

घ.सा. - 15 चार व्यक्तियों के लिए बताए गए मात्रा के हिसाब से आटा मला जाना ।

घ.सा. - 16 बटन को सही जगह रख, सूई में धागा डाल बटन को सिलना/ टाँकना है ।

घ.सा. - 17 चार व्यक्तियों के लिए बताए गए सामग्री से नास्ता बनाना, जैसे इडली, उपमा, ब्रेड-बटर या घर मे जो बनता है ।

घ.सा. - 18 चार व्यक्तियों के लिए बताए गए मात्रा में सब्जी या उसी प्रकार का खाद्य बनाना ।

घ.सा. - 20 चार व्यक्तियों के लिए बताई गई मात्रा मे पूरा भोजन (जो घर में बनता और खाया जाता है) बनाए ।

घ.सा. - 26 उदाहरणः नमस्कार, आदाब, आदि मौखिक और सांकेतिक दोनों रूपों में ।

घ.सा. - 27 नित्य क्रियाओं के लिए आज्ञा लेकर जाना, मौखिक और सांकेतिक दोनों रूपों में । जैसे, पानीके लिये, शौचालय के लिये आदि ।

घ.सा. - 29 शिक्षक के कार्यों में बच्चा मदद करे, जैसे बोर्ड साफ करना, किताबें लाना आदि ।

घ.सा. - 30 कम-से-कम पाँच व्यवसायों की ड्यूटी के बारे मे जानकरी होनी चाहिए । जैसे पुलिस, डाकिया, शिक्षक, ड्राइवर, दूधवाला पूछे "डाकिया क्या करता है "?

घ.सा. - 32 4-5 बच्चों के साथ बच्चा किन्डर गार्डन खेलों को खेल सके, जैसे "मछली जल की रानी है "....।

घ.सा. - 33 यदि बच्चे का स्कूल एक किलोमीटर के अंतर की दूरी पर न हों तो देखे कि, क्या वह पड़ोस में स्वतंत्र रूप से घूम लेता है ।

अनुक्रम संख्या	खण्ड-VI घरेलू – सामाजिक (घ.सा.)

घ.सा. – 34 देखे कि बच्चा समयानुसार "धन्यवाद", "कृपया" आदि कहता है कम-से-कम निम्न मे से चार प्रश्नों के उत्तर दे पाता है: क्या नाम है ? कितने साल के हो ? कहाँ रहते हो ? पिता का क्या नाम है ? स्कूल का क्या नाम है ?

घ.सा. – 36 नियम का पालन करते हुए कम-से-कम एक खेल खेल पाता है: साँप सीढ़ी, कैरम, क्रिकेट, वॉली बॉल आदि ।

घ.सा. – 37 बच्चे को सड़क पार करने के नियम मालूम होने चाहिए, पहले दाएँ, फिर बाँए, फिर बाँए और यदि सवारी न आती हो तो आगे बढ़े वैसे तो जीब्रा क्रॉसिंग पर ही सड़क पार करना चाहिए ।

घ.सा. – 38 अपने आप बच्चा स्कूल चला जाता है और वापस भी आ जाता है । यदि स्कूल बच्चे के पडोस में ही हो तो देखे कि 2-3 किलोमीटर का रास्ता जिसमें सड़क पार करना शामिल है, बच्चा अकेले जा आ सकता है ।

घ.सा. – 40 बच्चा सही नम्बर के बस में बैठे, टिकट ले या बस पास दिखाए और सही स्थान पर उतर जाए । चढ़ने-उतरने के स्थान शहर में ही होने चाहिए ।

अनुक्रम संख्या	खण्ड-VII व्यवसाय पूर्व-रुपये पैसे (व्य.पू.रू.पै.)

व्य.पू.रू.पै. – 2 चित्रित गोलाकार, त्रिकोण, चौकोर आकृतियो में बच्चा रंग या रंगीन चॉक से रंग भर लेता है ।

व्य.पू.रू.पै. – 4 अपनी कापी में, बच्चा छोटे-छोटे कटे आकारों को, चिपका पाता है। इसमें लिफाफा, या डाक टिकट चिपकाना भी शामिल हो सकता है ।

व्य.पू.रू.पै. – 5 बच्चा कम से कम तीन ज्यामिति आकार के चित्र काट सके, जैसे कैंची से त्रिकोण, चौकोर, वर्गाकार आकृति काट सके ।

व्य.पू.रू.पै. – 7 कम-से-कम चार कागजों को ठीक तरह से रखकर स्टेपिल करे ।

व्य.पू.रू.पै. – 8 बच्चा कागजों को ठीक से लगाए और फिर सही जगह पर पंच करे ।

अनुक्रम संख्या	खण्ड-VII व्यवसाय पूर्व-रूपये पैसे (व्य.पू.रू.पै.)

व्य.पू.रू.पै. - 9 बच्चा, वस्तुओं को 5,10, और 20 के ढेर में लगाए ।

व्य.पू.रू.पै. - 10 बच्चा, वस्तुओं के प्रयोग के बाद यथा स्थान रखे ।

व्य.पू.रू.पै. - 11 विभिन्न आकार की, पर एक ही किस्म की वस्तुओं को एक साथ रखे, जैसे नट, बोल्ट्स, कैन्डल, लिफाफे आदि ।

व्य.पू.रू.पै. - 14 राष्ट्रीय त्योहारों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गाँधी जयन्ती, आदि के दिनों के नाम बता सकें ।

व्य.पू.रू.पै. - 15 सूई धागे से फूलों की माला गूंथना ।

व्य.पू.रू.पै. - 16 चोट पर मलहम पट्टी लगा पाना ।

व्य.पू.रू.पै. - 17 अपने फटे कपड़ों पर सिलाई कर सके (साधारण सिलाई) ।

व्य.पू.रू.पै. - 19 प्रमुख व्यक्तियों के नाम, जैसे प्रधान मंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति आदि ।

व्य.पू.रू.पै. - 20 उपहार वस्तु को उपहार कागज में लपेटकर बाँधना

व्य.पू.रू.पै. - 21 बच्चा, एक ही तरह व आकार की धातु की वस्तुओं में से, जिसमें सिक्के भी रखे हैं, कम-से-कम पाँच सिक्कों को अलग छाँट लेना ।

व्य.पू.रू.पै. - 23 बच्चे को मालूम होना चाहिए कि, रूपये पैसों को सुरक्षित जगह, पर्स, लॉकर, पॉकिट, आलमारी में रखना चाहिए ।

व्य.पू.रू.पै. - 25 बच्चा, 5,10,20,50, पैसे के सिक्कों को अलग-अलग समूह में छाँट ले ।

व्य.पू.रू.पै. - 26 जो बच्चा बोल नहीं सकता उसे केवल सिक्कों की पहचान करनी है, पूछे जाने पर कि "10 पैसे का सिक्का बताओ" बच्चा उसकी ओर इशारा करे । जो बच्चा बोल पाता है उसे सिक्के का नाम बताना है ।

व्य.पू.रू.पै. - 27 जो बच्चा बोल नहीं पाता केवल रूपये के नोटों को पहचान लेना ही उसके लिए काफी है । अन्य बच्चे जो बोल सकते हैं, 10 रूपये तक के नोटों के नाम बताना भी आवश्यक है ।

व्य.पू.रू.पै. - 28 5 पैसे से 50 पैसे तक के सिक्कों को क्रम से लगाना ।

व्य.पू.रू.पै. - 29 बच्चे को मालूम होना चाहिए कि, अलग-अलग 50 पैसे के दो सिक्को, 25 पैसे के चार सिक्के और 20 पैसे के पाँच सिक्के मिलाकर एक रूपया बनता है । जो बच्चा नही बोल सकता उसे सिक्कों को जोड़ कर दिखाना होगा । जो बोल पाता है उसे मौखिक रूप से बताना भी है ।

व्य.पू.रू.पै. - 30 खरीदारी चिट के साथ या उसके बिना भी की जा सकती है । यहाँ पर छूटे पैसे वापस लेने की बात आवश्यक नहीं है ।

व्य.पू.रू.पै. - 31 यहाँ पर एक रूपये के अंन्दर के पैसे वापस लेने की बात भी है ।

व्य.पू.रू.पै. - 33 वस्तु विशेष के दाम पूछे जाने पर बच्चा करीब-करीब सही बताए । जैसे अंडा 70-90 पैसे, बिस्कुट का पैकेट 3-4 रूपये में, साबुन 3-4 रूपये में ।

व्य.पू.रू.पै. - 34 बच्चे को मालूम होना चाहिए कि 6 पचास पैसे का सिक्का, दो एक रूपये की नोट और एक पाँच रूपये की नोट मिलाकर 10 रूपये होंगे । इसी प्रकार तीन 25 पैसे के सिक्के, 4 बीस पैसे के सिक्के और 1 रूपया मिलाकर 3.55 रूपये हुए ।

व्य.पू.रू.पै. - 39 बच्चा, बैंक का फॉर्म भर कर पैसे जमा कर पाए, और पैसे जमा करने की विधि मालूम होनी चाहिए, पासबुक देना, वापस लेना और देखना कि, उसमें जमा किया पैसा भरा गया है । कम से कम 50 रूपये होने चाहिए ।

व्य.पू.रू.पै. - 40 बच्चा, पैसा निकालने का फॉर्म भरे, निकालने की विधि मालूम हो । जैसे पास बुक देना, लेना और पैसे गिनना ।

भारतीय मानसिक विकालांग बच्चों के लिए
व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड, भाग अ

लेखकगण
रीता पेसावरिया एस. वेंकटेसन

रेकॉर्ड बुकलेट

विद्यार्थी का नाम .....
स्तर/कक्षा.....
आधार भूत मूल्यांकन .....
प्रथम सत्र मूल्यांकन.....
द्वितीय सत्र मूल्यांकन .....
तृतीय सत्र मूल्यांकन .....

आयु.....
लिंग.....
मूल्यांकन कर्ता.....तिथि .....
मूल्यांकन कर्ता.....तिथि .....
मूल्यांकन कर्ता.....तिथि .....
मूल्यांकन कर्ता.....तिथि .....

अनुदेश

1. प्रत्येक आइटम के निष्पादन (कार्य) के 6 स्तरों के आधार पर अंक दिये जाने चाहिये यानी, स्वावलम्बी=5, संकेत देनेपर=4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट =3, भौतिक प्रॉम्प्ट=2, पूर्णत : आश्रित=1, लागू नही =0
2. प्रत्येक आइटम के लिए दाई ओर दिए गए कॉलम में अंक लिखे जाने चाहिए। आधारभूत मूल्यांकन, प्रथम सत्र, द्वितीय सत्र और तृतीय सत्रमूल्यांकन।
3. कुछ आइटमों के लिए रेकार्ड बुकलेट में उदाहरण दिए गए हैं। मूल्यांकन के दौरान शिक्षक अन्य उदाहरणों का प्रयोग कर सकता है, और उन्हें दिए गए खाली स्थान में नोट कर सकता है।
4. यदि उपलब्ध स्थान कम पड़े तो अन्य कागज प्रयोग कर सकते हैं और उन्हें रेकार्ड बुकलेट के साथ संलग्न कर सकते हैं।
5. पाँच अंक प्राप्त करने के लिए बच्चे को दिए गए सभी आइटम/ प्रयत्न, जो कोष्टक में दिए गए हैं, पास करना होगा। उदाहरण के लिए (अं.स)- 10 में यदि बच्चा 5 में से केवल 4 सवाल ही अपने आप कर पाता है और पाँचवे सवाल के लिए इशारे या मदद की आवश्यकता होती है तो "इशारे" के वर्ग में उसे 4 अंक ही मिलेंगे न कि "स्वावलम्बी" वाले श्रेणी के 5 अंक।
6. आइटम विशेष के लिए शब्दावली को देखें, संचालन में सुविधा होगी।

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	गामक (गा)				
1.	एक इंच के दो क्यूब एक हाथ में 30 सेकेन्ड तक रख पाता है				
2.	हाथों से ताली बजाता है।				
3.	5 फीट या उससे अधिक दूरी बकियाँ चलता है।				
4.	जब खड़ा किया जाता है, कम से कम दो मिनट तक बिना सहारे खड़ा होता है।				
5.	छोटी वस्तुएँ एक डिब्बें में डालता है।				
6.	वस्तुओं को उठाने के लिए अंगूठे और तर्जनी का प्रयोग करता है				
7.	बैठे हुए स्थिति से खड़ा होता है				
8.	खड़े हुए स्थिति से बैठने के लिए घुटने मोड़ता है				
9.	गेंद किसी भी दिशा में फेंकता है				
10.	कम से कम 5–10 कदम चलता है				
11.	गेंद को किसी भी दिशा में पैर से मारता है				
12.	कम से कम 10 कदम तक दौड़ता है				
13.	कुर्सियों पर चढ़ता है				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
14.	एक के बाद दूसरे पैर के सहारे सीढ़ियाँ चढ़ता है				
15.	बिना गिराए (ढोले) द्रव पदार्थ एक किलास से दूसरे गिलास में डालता है				
16.	एक के बाद दूसरे पैर के सहारे सीढ़ियों से नीचे उतरता है।				
17.	एक एक करके, किताब के पन्ने पलटता है				
18.	दोनों पैरों से जमीन पर कूदता है				
19.	दरवाजा खोलता है				
20.	सामान्य शारीरिक व्यायाम करता है				
21.	गेंद को कम से कम पाँच मीटर तक बिना बीच में गिराए फेंकता है				
22.	गेंद पकडता लेता है				
23.	कम से कम 2-3 मिनट तक झूला झूलता है।				
24.	श्याम पट्ट को डस्टर से साफ करता है				
25.	साइकिल टायर को चलाता है (बालक) 5 गिट्टे खेलती है (बालिका)				
26.	सीढ़ी पर कम से कम 8-10 कदम चढ़ता है				
27.	एक पैर पर, कम से कम 30 सेकेन्ड तक खड़ा रहता है				
28.	2 फूट की ऊँचाई से कूदता है				
29.	कागज को मोड़ता है और लिफाफे मे डालता है				
30.	सीधी लाइन पर कम से कम 5-10 कदम चलता है				
31.	कंचे खेलता है (बालक)/लंगडी खेलती है (बालिका)				
32.	छेद वाले कागज को फाड़ता है				
33.	गेंद को टोकरी में फेंकता है				
34.	कैंची से सीधी लाइन पर काटता है				
35.	कम से कम 30 सेकन्ड तक एक पाँव पर से लंगडता है				
36.	रिंग के खेल खेलता है				
37.	मध्यम आकार की सूई में धागा डालता है				
38.	दो प्रयत्नों में माचिस जला लेता है।				
39.	दो पहिया साइकिल चला लेता है।				
40.	रस्सी कूदता है				

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
गामक				

आइटम संख्या	क्षेत्र/आइटम	मूल्यांकन आधार रेखा प्रथम त्रय द्वितीय त्रय तृतीय त्रय
	दैनिक जीवन के क्रियाकलाप (दै.जी.क्रि.क)	
	खाना	
1.	तरल या आधे ठोस खाने को निगलता है	☐ ☐ ☐ ☐
2.	कप या गिलास से पीता है	☐ ☐ ☐ ☐
3.	खाद्य और अखाद्य में भेद समझ पाता है	☐ ☐ ☐ ☐
4.	ठोस भोजन को चबाता है	☐ ☐ ☐ ☐
5.	भोजन को ऊँगलियों से उठाता है और मुँह में डालता है	☐ ☐ ☐ ☐
6.	केले/संतरे के छिलके उतार लेता है	☐ ☐ ☐ ☐
7.	नली (स्ट्रॉ) द्वारा पानी/द्रव पदार्थ चूसता है	☐ ☐ ☐ ☐
8.	दाल, चावल मिलाकर हाथ/चम्मच से खाता है	☐ ☐ ☐ ☐
	शौचादि क्रिया	
9.	शौच जाने के लिए आवश्यकता बताता है	☐ ☐ ☐ ☐
10.	शौचालय तक पहुँच जाता है	☐ ☐ ☐ ☐
11.	शौचालय की सीट पर बैठने के पहले अंडरवीयर/पैंट उतारता है	☐ ☐ ☐ ☐
12.	शौचादि के बाद अपने को साफ करता है	☐ ☐ ☐ ☐
13.	इस्तेमाल के बाद फ्लश करता है।	☐ ☐ ☐ ☐
	दाँतों की सफाई	
14.	तौलिया/कपड़े से हाथ पोछ लेता है	☐ ☐ ☐ ☐
15.	साबुन और पानी से हाथ धोता है	☐ ☐ ☐ ☐
16.	दाँत ब्रश से साफ करता है	☐ ☐ ☐ ☐
17.	पेस्ट थूकता है	☐ ☐ ☐ ☐
18.	जीभ साफ करता है	☐ ☐ ☐ ☐
19.	टूथ ब्रश पर पेस्ट लगा लेता है	☐ ☐ ☐ ☐
	स्नान करना	
20.	नहाने के लिए अपने ऊपर पानी डालता है	☐ ☐ ☐ ☐
21.	तौलिया/कपड़े से मुँह धोता है	☐ ☐ ☐ ☐
22.	साबुन और पानी से मुँह धोता है	☐ ☐ ☐ ☐
23.	शरीर पोछने के लिए तौलिये का प्रयोग करता है	☐ ☐ ☐ ☐

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधार रेखा प्रथम सत्र द्वितीय सत्र तृतीय सत्र
24.	पानी से शरीर पर लगे साबुन को धोता है	☐☐☐☐
25.	शरीर पर साबुन लगाता है	☐☐☐☐
	कपड़े पहनना	
26.	बटन खोल देने पर कपड़े उतार लेता है	☐☐☐☐
27.	जाँघिए (अंडरवेयर) या इलास्टिक पैंट को पहनता है	☐☐☐☐
28.	कपड़े के बटन खोलता है	☐☐☐☐
29.	कमीज अथवा फ्रॉक पहनता (ती) है, (बटन न भी लगा पाए तो चलता है)	☐☐☐☐
30.	सही पैरों में स्लीपर पहन पाता है	☐☐☐☐
31.	अपने कपड़ों के बटन बंद कर पाता है	☐☐☐☐
32.	पूरी बाँह वाला स्वेटर/ब्लाउज/स्कर्ट पहन पाता (ती)	☐☐☐☐
33.	जूतों के फीते अथवा सैन्डल के बक्कल बंद कर पाता है	☐☐☐☐
34.	गांठ बाँधता है।	☐☐☐☐
	सजना - सँवरना	
35.	चेहरे/शरीर पर पाउडर लगाता है	☐☐☐☐
36.	तेल लगाता है	☐☐☐☐
37.	नेलकटर/कैंची से नाखून काटता है	☐☐☐☐
38.	हाथ में घड़ी पहनता है	☐☐☐☐
39.	चोटी बना लेती/कंघी से बाल बना पाता है	☐☐☐☐
40.	मासिक धर्म में सफाई रखती है/दाढ़ी बना पाता है	☐☐☐☐

	सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार रेखा	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
दैनिक जीवन के क्रियाकलाप					

भाषा (भा)

नोटः <u>खण्ड के आइटम को पास करने के लिए काफी है</u> जो बच्चा नहीं बोल सकता है, पहचान या सांकेतिक इशारा

1.	आदेश पर मौखिक या सांकेतिक रूप से बता देता है, उन्हें देखकर	☐☐☐☐
2.	मौखिक या सांकेतिक आदेशों पर प्रतिक्रिया करता है (कोई पाँच) अ) आओ ब) जाओ स) देखो द) दो ई) लो	☐☐☐☐

आइटम संख्या	कौशल/आइटम	मूल्यांकन [illegible]

3. उन समान्य आदेशों का पालन करता है जिनमें कुछ करने को कहा जाता है (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) 'मुझे गेंद दो'

ख) 'मुझे किताब दो'

ग) 'दरवाजा बंद करो'

घ) 'अपना चेहरा पोंछो'

4. शरीर के अवयवों की ओर इशारा करता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) आंख ख) कान ग) नाक
घ) बाल ङ) ओंठ च) टांगें
छ) सिर ज) हाथ झ)
ञ)

5. परिचित वाक्यों को बताता है। (कोई दस) ☐ ☐ ☐ ☐

क) कुर्सी ख) फ्रॉक ग) कलम
घ) पेन्सिल ङ) पांव च) किताब
छ) गुड़िया ज) लाइट/रोशनी झ) कमीज
ञ) प्लेट ट) ग्लास

6. किताब में दी गई तस्वीरों को बताता है। (कोई दस) ☐ ☐ ☐ ☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)
ञ)

7. 'किसके' संबंधि प्रश्न (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) यह थैला किसका है?

ख) यह किताब किसकी है?

ग) यह पेन्सिल किसकी है?

घ) यह टिफिन बॉक्स किसका है?

8. विभक्तियों (मे, पर, के, ऊपर) को समझता है। (कोई दस) ☐ ☐ ☐ ☐

8.1 पर क) मेज पर खिलौना रखो।
(कोई 3) ख) मेज पर किताब रखो।
ग)
घ)
ञ)

8.2 मे क) थैले में टिफिन बॉक्स रखो।
(कोई 3) मनके को बक्से में रखो।
ग)
घ)

8.3 नीचे क) मेज़ के नीचे गुड़िया रखो।
(कोई 3) ख) किताब के नीचे कागज रखो।
ग)
घ)

☐ ☐ ☐ ☐

9. दो चरणों वाले आदेश समझता है (कोई पाँच)
क) दरवाजा बंद करो और किताब लाओ।
ख) थैले में किताब रखो और चॉक का टुकड़ा लाओ।
ग)
घ)
ङ)

☐ ☐ ☐ ☐

10. 'क्या/कौन-से' प्रश्न (कोई पाँच)
क) अपने कौन-सी किताब या कॉपी में अपने घर का नाम लिखा है?
ख) आपने किस अध्यापक से बात की है?
ग) आपकी पानी की बोतल कौनसी है?
घ) आप की ड्राइंग कौन-सी है?
ङ)
च)

11. 'क्यों' वाले प्रश्न (कोई पाँच)
क) हम जाड़ो 'में' गरम कपड़े क्यों पहनते है?
ख) हम छतरी क्यों ले जाते है?
ग) हम स्कूल क्यों जाते है?
घ)
ङ)

☐ ☐ ☐ ☐

12. विलोमार्थों को समझता है (कोई दस)
12.1 बड़ा-छोटा क) मुझे दिखाओ कि इन दो पेन्सीलों में से बड़ी कौन-सी है?
(कोई पाँच) ख)इन दो गेंदों में से मुझे छोटी वाली गेंद दो।
ग)
12.2 ऊपर-नीचे क) गेंद ऊपर फेंको।
(कोई पाँच) ख) अपने हाथ ऊपर करो/अपने हात नीचे करो।
ग)

13. पूरे/अंश की धारणा (कोई पाँच)
क) यह पूरी चपाती है, यह उस का एक हिस्सा है य
ख) यह पूरी चॉक है, यह उस का एक हिस्सा है।
ग)
घ)
ङ)

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन [illegible]

14. तीन चरणों वाले आदेशों को समझता है (कोई पाँच)।

क) मेज़ पर कलम रखो, दरवाजा बंद करों अपनी किताब लाओ।

ख) अपनी किताब खोलो, पेन्सिल लो, अपने थैले में रखो। और हाथ जोड़ कर खड़े होजाओ।

ग)

घ)

ङ)

15. किसी समूह में प्रथम, मध्यम और अन्तिम को पहचानता है। (कोई 10)

15.1 (प्रथम) क) लाइन में पहले (प्रथम) कौन खड़ा है ?

(कोई 3) ख) कलम और रबल के बीच में किताब रखो।

ग)

15.2 (बीच) क) जाओ और ______और______ के बीच में बैठों।

(कोई 3) ख)

ग)

16. बायाँ/दायां हाथ समझता है (पाँच बारी में सब सही)।

16.1 बायां क) अपना बायां हाथ दिखाओ।

ख) आपकी बायीं तरफ़ को बैठा है ?

ग) अपना बायां कानदिखाओ।

16.2 दायां क) अपनी दायीं टांग दिखाओ।

ख) अपनी दायीं आंख दिखाओ।

ग) आप की दायीं तरफ़ कैन बैठा है ?

17. साहट शब्दों को समझाता है (कोई पाँच)।

क) खातरा	ख) शौचालय	ग) खीचो
घ) बाहर	ङ) धक्का दो	च) ज़हर
छ) महिलाएँ	ज) पूछताछ	झ) पुरूष
ञ)		

18. तस्वीरों का क्रम

क) चालाक कौवा

ख) खट्टे अंगूर

ग) सोने के अंडे

घ)

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा प्रथम [illegible] द्वितीय [illegible] तृतीय [illegible]

19\. यातायात के चिह्न/सिकनल (कोई पाँच)।
क) लालबत्ती से आप क्या समझते है?
ख) पीलीबत्ती से आप क्या समझते है?
ग) हरी बत्ती से आप क्या समझते है?
घ) गति रोध (स्पीड ब्रेकर) क्या होता है?
ङ)

☐ ☐ ☐ ☐

20\. मतदान अधिकार को समझता है (पाँच बारी में सब सही)।
क) चुनाव क्यों होते है?
ख) चुनाव कब होते है?
ग) चुनाव में कौन मतदान कर सकता है?
घ) मतदान के लिए कहाँ जाएँ?
ङ) चुनाव में कैसे मतदान करें?

☐ ☐ ☐ ☐

21\. स्वरों की ध्वनियाँ-
क) अ ; ख) आ ; ग) इ, ई ;
घ) उ, ऊ ; ङ) ए, ऐ ; च) ओ, औ
छ) ज) झ)

☐ ☐ ☐ ☐

22\. सिर हिला कर हाँ/ना बताता है।

☐ ☐ ☐ ☐

23\. बताकर या शोर से बुनियादी आवश्यकताओं के बारे में बताता है।

☐ ☐ ☐ ☐

24\. सार्थकशब्द (कोई पाँच)
क) अक्का ख) मम्मा ग) पापा
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

☐ ☐ ☐ ☐

25\. पूछने पर अपना नाम बताता है य

☐ ☐ ☐ ☐

26\. आवाजों की नकल (कोई पाँच)
क) बिल्ली ख) गाय ग) कुत्ता
घ) रेलगाड़ी ङ) शेर च) मोटर साइकिल आदि
छ) ज) झ)

☐ ☐ ☐ ☐

27\. दोशब्दों के वाक्यांश (कोई पाँच)
क) मां दूध
ख) पापा आओ
ग)
घ)

☐ ☐ ☐ ☐

28\. परिचित वस्तुओं का प्रयोग (कोई पाँच)।
क) कुर्सी ख) कम्बल ग) गुड़िया
घ) पेन्सिल ङ) च)

☐ ☐ ☐ ☐

आइटम संख्या	व्यवहार/कौशल	मूल्यांकन आधाररेखा प्रथम वां द्वितीय वां तृतीय वां

29. तस्वीरों जीन में काम होता हुआ दिखाया जाये (कोई स)। ☐☐☐☐

क) खआना ख) रस्सी कूदना ग) खेलना
घ) बाल बनाना ङ) नहाना च) दांत साफ करना
छ) सोना ज) पढ़ना झ) अध्ययन करना
ञ) प्रार्थना करना प) र)

30. आदेशसूचक शब्दों का प्रयोग करता है (कोई पाँच)। ☐☐☐☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

31. लिंग भेद जानता है। (5 बारी में सभी सही)। ☐☐☐☐

क) आप लड़के हैं। या लड़की (अगर लड़का हो)

आप लड़की हैं या लड़के (अगर लड़की हो)

ख) क्या________लड़का है या लड़की (लड़का दिखाकर)

ग) क्या________लड़की है या लड़का है (लड़की दिखाकर)

32. गाड़ियाँ पहिचानता है व नाम बताता है (कोई पाँच)। ☐☐☐☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

33. जानवरों को पहचानता है। नाम बताता है (कोई पाँच)। ☐☐☐☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

34. सब्जियों को पहचानता है। नाम बताता है (कोई पाँच)। ☐☐☐☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

35. फलों का पहचानता है नाम बताता है (कोई पाँच)। ☐☐☐☐

क) ख) ग)
घ) ङ) च)
छ) ज) झ)

36. कम से कम 3.4 पंक्तियों वाली कविता गाता है य ☐☐☐☐

37. विशेषता प्रयोग करता है। (कोई पाँच) ☐☐☐☐

37.1 लम्बा/छोटा क) कक्षा में किसके लम्बे बाल हैं?

(कोई 3) ख) कक्षा में सब से छोटे व्यक्तिको बताओ

ग)

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधार भूत प्रथम सत्र द्वितीय सत्र तृतीय सत्र

37.2 खुरदरा/मुलायम क) उन दो कागज़ों में मुझे खुरदरा कागज दो।

(कोई 3) ख) इन में से कौन-सा कपडा मूलायभ है।

ग)

37.3. साफ़/गंदाक) इन दो रुमालों में से कौन सा रूमाल

(कोई 4) गंदा है, मुझे दिखाओ।

ख) इस दो ग्लासों में से कौन सा साफ है, मुझे दिखाओ।

38. मिश्रित वाक्यों का प्रयोग करता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

39. मजाक या चुटकुले सुनाता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

40. सामान्य बातचीत कर लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
भाषा				

पठन - लेखन (प.ले)

1. समानवस्तुओं का मिलाप करता है। (कोई पाँच)
   क) चाबी के साथ चाबी ख) कलम के साथ कलम
   ग) घ)
   ङ) च)

2. वस्तुओं का मिलाप तस्वीरों से करता है (कोई पाँच)
   क) ख)
   ग) घ)
   ङ) च)

3. रंगों का मिलाप करता है। (कोई पाँच)
   क) लाल . ख) नीला
   ग) हरा घ) पीला
   ङ) च)

4. अपना नाम पहचानता/पहचानती है (सभी पाँच प्रयत्नों में ठीक)

5. अपना नाम पढ़ लेता है य

6. तस्वीरों को छाँट लेता है (कोई पाँच)

जानवर	क)	ख)	ग)	ङ)	च)
फल	क))	ख)	ग)	ङ)	च)
गाड़ियाँ	क)	ख)	ग)	ङ)	च)
सब्जियाँ	क)	ख)	ग)	ङ)	च)

7. शब्दों का मेल मिलाता है। (कोई पाँच)
   क) रेल ख) [illegible]
   ग) [illegible] घ) तेल
   ङ) [illegible] च) [illegible]
   छ) [illegible] ज)

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन [illegible]

8. रंग पहचानता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क)	ख)
ग)	घ)
ङ)	च)

9. रंगों का नाम बताता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क)	ख)
ग)	घ)
ङ)	च)

10. छपे हुए शब्द पहचानता है/पढ़ता है। ☐ ☐ ☐ ☐

क) गेंद	ख) टयूब
ग) प्लग	घ) आग
ङ) ठहरो	च)
ज)	झ)

11. माता-पिता के नाम पहचानता है/पढ़ता है। (5 प्रयत्न में सभी सही) ☐ ☐ ☐ ☐

12. दोशब्दों वाले वाक्यांश। छोटे वाक्य पढ़लेता है (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) वह बिल्ली	ख) मेरी गेंद
ग) एक बल्ला	घ)
ङ)	च)
ज)	

13. अपना पता पहचान/पढ़ लेता है (सभी पाँच प्रयत्न सही) ☐ ☐ ☐ ☐

14. परिवार के सदस्यों/मित्रों के नाम पहचानता है। पढ़ता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क)	ख)
ग)	घ)
ङ)	च)
ज)	

15. छोटे वाक्य पढ़लेता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) यह एक बिल्ली है।
ख) बिल्ली चटाई पर है।
ग) इस कलम को डिब्बे में रख दो।
घ) बंदर पेड़ पर बैठा हुआ है।

पठन - लेखन (प.ले)

1. समानवस्तुओं का मिलाप करता है। (कोई पाँच)
   - क) चाबी के साथ चाबी
   - ख) कलम के साथ कलम
   - ग)
   - घ)
   - ङ)
   - च)

2. वस्तुओं का मिलाप तस्वीरों से करता है (कोई पाँच)
   - क)
   - ख)
   - ग)
   - घ)
   - ङ)
   - च)

3. रंगों का मिलाप करता है। (कोई पाँच)
   - क) लाल
   - ख) नीला
   - ग) हरा
   - घ) पीला
   - ङ)
   - च)

4. अपना नाम पहचानता/पहचानती है (सभी पाँच प्रयत्नों में ठीक)

5. अपना नाम पढ़ लेता है य

6. तस्वीरों को छाँट लेता है (कोई पाँच)

जानवर	क)	ख)	ग)	ङ)	च)
फल	क))	ख)	ग)	ङ)	च)
गाड़ियाँ	क)	ख)	ग)	ङ)	च)
सब्जियाँ	क)	ख)	ग)	ङ)	च)

7. शब्दों का मेल मिलाता है। (कोई पाँच)
   - क) रेल
   - ख) खेल
   - ग) [illegible]
   - घ) तेल
   - ङ) [illegible]
   - च) [illegible]
   - छ) [illegible]
   - ज)

आइटम संख्या	कौशल/आइटम	मूल्यांकन: आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
16.	साइन बोर्ड पढ़ लेता है। (कोई पाँच) क) अस्पताल ख) पुलिस स्टेशन ग) स्कूल घ) होटल ङ) डाकखाना च) दवा की दुकान ज) बैंक झ)				
17.	छोटे पैराग्राफ पढ़लेता है (सभी तीन सही, अधिकतम 10 गलतियाँ) क) पैराग्राफ एक ख) पैराग्राफ दो ग) पैराग्राफ तीन				
18.	मैगज़ीन/अख़बार से बड़े अक्षरों में छपे शब्द पढ़ लेता है।				
19.	मध्यम आकार के हाथ से लिखे पैराग्राफ पढ़ लेता है। (कोई तीन, अधिकतम 10 गलतियाँ)				
20.	अख़बार से छोटी छोटी खबरें पढ़ लेता है।				
21.	घसीट लिखता है। या गोजता है।				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	[illegible]
22.	सीधी लाइन पर ट्रेस करलेता है।	☐ ☐ ☐ ☐

- - - - - - - - - - - - - - - - - -

23.	गोल पदार्थ के चारों तरफ ट्रेस करलेता है। (2–3" व्यास)	☐ ☐ ☐ ☐
24.	अपने नाम के अक्षरों को ट्रेस करलेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
25.	अपने नाम के अक्षरों की नकल करलेता है।	☐ ☐ ☐ ☐

आइटम संख्या	क्षेत्र/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा प्रथम स्तर द्वितीय स्तर तृतीय स्तर

26. सीधी रेखा की नकल करलेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

27. वृत्ताकार की नकल करलेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

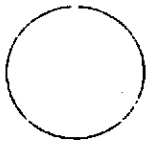

28. तीन बिन्दुओं को मिलाकर रेखा खींचता है। ☐ ☐ ☐ ☐

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन: आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
29.	अपना नाम लिख लेता है।	☐	☐	☐	☐
30.	वर्ग की नक़ल करलेता है।	☐	☐	☐	☐

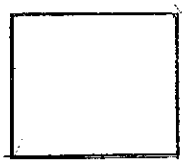

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम				
31.	त्रिकोण नक़ल कर लेता है।	☐	☐	☐	☐

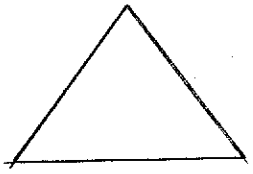

आइटम संख्या	कौशल/आइटम	मूल्यांकन: आधारभूत स्तर	प्रथम स्तर	द्वितीय स्तर	तृतीय स्तर
32.	अपने पते की नकल करलेता है।	☐	☐	☐	☐
33.	अपना पता लिख लेता है।	☐	☐	☐	☐
34.	छपे हुए वाक्यों की नकल कर लेता है। (कोई पाँच) क) टोकरी में सेब, आम और केले हैं। ख) भारत की राजधानी क्या है? दिल्ली भारत की राजधानी है। ग) हलो आप कैसे हैं? मैं ठीक हूँ, धन्यवाद! घ) ङ)	☐	☐	☐	☐

आइटम संख्या	शब्द/आइटम	मूल्यांकन [illegible]
35.	शब्दों का श्रुतलेख (कोई पाँच) क) ख) ग) घ) ङ)	☐ ☐ ☐ ☐
36.	वाक्यों का श्रुतलेख (कोई पाँच) क) ख) ग) घ) ङ)	☐ ☐ ☐ ☐
37.	पत्र लिखता है।	☐ ☐ ☐ ☐

आइटम संख्या	कथन/आइटम	मूल्यांकन: आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
38.	आवेदन पत्र भरता है।	☐	☐	☐	☐
39.	निबंध (किसी भी विषय पर 40 शब्दों का - अधिकतम तीन गलतियों की छूट) क) मेरा पालतू जानवर ख) मेरा घर ग) मेरा स्कूल	☐	☐	☐	☐

40. अवकाश-पत्र लिखता है।

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
पाठन लेखन				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधारभूत प्रथम सत्र द्वितीय सत्र तृतीय सत्र

अंक – समय (अ.स)

टिप्पणी : इस क्षेत्र के कुछ आइटमों में यदि बच्चा अपनी उँगलियाँ। लाइनें। वस्तुओं का प्रयोग गिनती के लिए करें तो "संकेत देना" (क्लूइंग) कहकर उसे "अंक" (स्कोर) दें। स्वावलंबी अंक (स्कोर) प्राप्त करने के लिए रेकार्ड बुकलेट में दिये गये आइटमों को पूरा करें यदि बच्चा दो गणितों को स्वतन्त्र रूप से कर सकें और तीसरे गणित को पूर्ण करने के लिए "संकेत" (क्लू) की आवश्यकता पड़े तब उसे अंक (स्कोर) 4 दें 5 नहीं।

1. 1 से 5 तक गिनती रटी हुई बोलता है। ☐ ☐ ☐ ☐
2. कहने पर समूह में से एक चीज अलग करलेता है। ☐ ☐ ☐ ☐
3. अधिक और कम के बीच भेद करता है। ☐ ☐ ☐ ☐
4. ठोस पदार्थों की समान संख्या की तुलना करलेता है। ☐ ☐ ☐ ☐
5. 1 से 10 तक की लिखी हुई गिनती पहचानता है। ☐ ☐ ☐ ☐
6. 1 से 10 तक गिनती लिख लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

7. पाँच तक निर्दिष्ट संख्या में चीजें उठाता है। ☐ ☐ ☐ ☐

क) 2	ख) 5
ग) 4	घ) 3
ङ) 1	च)

8. 1 से 5 तक क्रम से संख्याओं के चिन्ह व्यवस्थित रूप से लिखता है। ☐ ☐ ☐ ☐
9. आधा ग्लास तक भरने के आदेश को समझता है। ☐ ☐ ☐ ☐
10. दस तक के एक अंककी संख्या जोड़ता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐

क) 3 + 2	ख) 4 घ) + 3

ग) 3
+ 7

घ) 5
घ) + 0

11. दस तक के एक अंक वाल संख्यां क घटालेता है। (कोई पाँच)

☐ ☐ ☐ ☐

क) 3
- 2

ख) 6
घ) - 4

ग) 9
- 2

घ) 4
घ) - 0

12. बोलने पर (श्रुतलेख) दस के ऊपर की संख्याएँ लिखता है। (कोई दस)

☐ ☐ ☐ ☐

13. दो ओअंक की संख्याओं को बिना हासिल के जोड़ता है। (कोई पाँच)

☐ ☐ ☐ ☐

क) 44
+ 22

ख) 25
घ) + 62

ग) 57
+ 20
———
———

घ) 40
घ) + 36
———
———

☐ ☐ ☐ ☐

14. दो अंक वाली संख्याओं को बिना उधार लिए घटाता है। (कोई पाँच)

क) 75
- 23
———
———

ख) 36
घ) - 24
———
———

ग) 56
- 20
———
———

घ) 84
घ) - 60
———
———

☐ ☐ ☐ ☐

15. दों अंकों वाल संख्यां को, हासिल कर जड़ता है। (कोई पाँच)

क) 27
+ 15
———
———

ख) 39
घ) + 28
———
———

ग) 53
+ 69
———
———

घ) 89
घ) + 17
———
———

☐ ☐ ☐ ☐

16. दो अंकों वाली संख्याओं को, उधार लेकर घटाता है. (कोई पाँच)

क) 81
- 25
———
———

ख) 64
घ) - 47
———
———

ग) 70
- 27
______
______

घ) 40
घ) - 18
______
______

17. गणित के चिन्हों को पहचानता है/नाम जानता है। (कोई पाँच)
क) +
ख) -
ग)
घ) =

18. पैने वाले कपों से द्रव (पानी वाले पदार्थ या घोल आदि) नापता है।
क) 1 लीटर
ख) 1/2 लीटर
ग) 3/4 लीटर
घ) 1/4 लीटर

19. तराजू से चीजें तोलता है।
क) 50 ग्राम्स
ख) 100 ग्राम्स
ग) 200 ग्राम्स
घ)

20. बुनियादी अंकगणिततीय कामों के लिए कैलकुलेटर का प्रयग करता है।

21. समय/घटनाओओं का संबंध दैनिक स्कूली गतिविधियों से जोड़ता है।

22. हाथ घड़ी। घड़ी का संबंध समय से जोड़ता है।

23. इन शब्दों को समझता है : अब, बाद में जल्दी इन्तज़ार करो।

24. यह ठीक ठीक बताता है कि इस समय दिन है या रात। (सभी-पाँच बारियों में सही)
क) क्या इस समय दिन है या रात ?
ख) क्या इस समय रात है या दिन ?

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा प्रथम सत्र द्वितीय सत्र तृतीय सत्र

25. यह ठीक बताता है कि इस समय प्रातः है या सायं (सभी पाँच बारियों में सही) ☐ ☐ ☐ ☐

26. इन शब्दों को समझता है : कल (बीता हुआ), आज, कल (आने वाला–कोई एक) ☐ ☐ ☐ ☐

26.1 कल (बीताहुआ) क) तुमने कल क्या खाया था?
(कोई तीन) ख)
ग)

26.2 आज क) तुमने आज क्या खाया?
(कोई तीन) ख)
ग)

26.3 कल (आनेवाला) क)
(कोई चार) ख)
ग)
घ)

27. घड़ी पर मिनट और घंटे की सुईयों को बताता है। ☐ ☐ ☐ ☐

28. सप्ताह के दिनों के नाम बताता है/पहचानता है (सब सही) ☐ ☐ ☐ ☐
क) रोट हुए नाम -
ख) मंगलके बाद क्या आता है?
ग) शनिवार के बाद क्या आता है?
घ) बुधवार के पहले क्या आता है?
ङ) रविवार के पहले क्या आता है ?

29. पाँच का पहाड़ा 5, 10, 15, 20 आदि। ☐ ☐ ☐ ☐

30. घंटे का समय बताता है। (सब सही) ☐ ☐ ☐ ☐
क) 3 बजे ख) 12 बजे
ग) 9 बजे घ) 7 बजे
ङ) 6 बजे च) 1 बजे

31. अपनी उम्र सालों में बताता है य ☐ ☐ ☐ ☐

[illegible]	[illegible]	मूल्यांकन [illegible]

32. साल के महिनों के नाम जानता है/पहचानता है (सब सही) ☐ ☐ ☐ ☐
क) रोट हुए नाम -
ख) मार्च के बाद क्या आता है ?
ग) दिसम्बर के बाद क्या आता है ?
घ) सितम्बर के पहले क्या आता है ?
ङ) जनवरी के पहले क्या आता है ?

33. काम या दिनचर्या से समय का संबंध जड़ता है। (की पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐
क) आप स्कूल किस समय जाते है ?
ख) आप नाश्ता किस समय करततें है ?
ग) आप सोते किस समय है ?
घ) आप शाम का खाना किस कमय खाते है ?
ङ)

34. पन्द्रह-पन्द्रह मिनटक के अंतराल का समय बताता है। (सब सही) ☐ ☐ ☐ ☐
क) 2.30 ख) 6.30
ग) 12. 15 घ) 3.15
ङ) 12.45 च)9.15

35. अपनी जन्म-तिथि बताता है। ☐ ☐ ☐ ☐

36. दिन, तारीख, महिने मे साल बताता है। (सब सही) ☐ ☐ ☐ ☐
क) आज कौन - सा दिन है ?
ख) आज कौन - सी तारीख है ?
ग) यह कौन - सा महीना है ?
घ) यह कौन - सा साल चल रहा है ?

37. क्यालेंडर को पढ़ सकता है क्यालेंडर में समय प्रयोग करता है। (सही पाँच बारियों में सही) ☐ ☐ ☐ ☐

38. घड़ी देखकर मिनट पर समय बताता है। ☐ ☐ ☐ ☐
क) 11.12 ख) 12.22
ग) 7.16 घ) 4.25

39. पूर्व निर्धारित समय का - याद दिलाता है। ☐ ☐ ☐ ☐

40. समय सही कहने के लिए घड़ी में ठीक समय लगाता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐
क) 9.35 ख) 2.18
ग) 12.20 घ) 7.12
ङ) 1.50 च) 3.48

[illegible]	[illegible]	[illegible]	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
[illegible]				

आइटम संख्या	वाक्य/आइटम	मूल्यांकन			
		आधार रेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	घरेलू - सामाजिक (घ.स)				
1.	जब कहा जाए तो चीजों को यथा-स्थान रख देता है।	☐	☐	☐	☐
2.	कूड़ा उठाता है और कूड़े की टोकरी में डालता है।	☐	☐	☐	☐
3.	मेजों, कुर्सी आदि कोकक झाड़ता है/पोंछता है।	☐	☐	☐	☐
4.	पौधों मे पानी डालता है।	☐	☐	☐	☐
5.	अपने कपड़ों की तह लगाता है।	☐	☐	☐	☐
6.	झाड़ू लेकर फर्श साफ करता है।	☐	☐	☐	☐
7.	फंर्श को भिगोता है/पोंछता है।	☐	☐	☐	☐
8.	खाद्य पदार्थों कोकक परसता है।	☐	☐	☐	☐
9.	बर्तनं को धोता है।	☐	☐	☐	☐
10.	कपड़े धोता है।	☐	☐	☐	☐
11.	सब्जियाँ काटता है।	☐	☐	☐	☐
12.	मिट्ट के तेल का स्टोव/गैस जलाता है।	☐	☐	☐	☐
13.	चाय या काककफी बनाता है।	☐	☐	☐	☐
14.	चपाती/पूरियों के लिए आटा गुंथता है।	☐	☐	☐	☐
15.	नाश्ते की सामान्य चीजें बनाता है।	☐	☐	☐	☐
16.	बटन टांक लेता है।	☐	☐	☐	☐
17.	चावल या दूसरे खाद्य पदार्थ परोस लेता है।	☐	☐	☐	☐
18.	कढ़ी या सब्जि बनालेता है।	☐	☐	☐	☐
19.	अपने सूती कपड़ों पर इस्त्री कर लेता है।	☐	☐	☐	☐
20.	पूरा खाना बना लेता है।	☐	☐	☐	☐
21.	जब 'टा-टा' कहा जाए तो ठीक इशारे से उसपर उत्तर देता है।	☐	☐	☐	☐
22.	अपना नाम बोले जाने पर अपना सिर घुमाकर अनुक्रिया दिखाता है।	☐	☐	☐	☐
23.	अध्यापक/अध्यापिकाकक को उसके नाम से जानता है ।	☐	☐	☐	☐
24.	स्कूल के अहाते के अंदर जाता है और - वापस आता है।	☐	☐	☐	☐
25.	दूसरे बच्चों के साथ खाना खाता है और खिलौनों से खेलता है।	☐	☐	☐	☐
26.	दूसरोंका अभिवादन करता है।	☐	☐	☐	☐
27.	बाहर जाने के लिए अनुमति मांगता है।	☐	☐	☐	☐

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
28.	संगीत के साथ गाता है/नाचता है।	☐	☐	☐	☐
29.	कक्षा में/स्कूल के काम काज में अध्यापक को सहायता देता है ।	☐	☐	☐	☐
30.	विभिन्न व्यवसायों के काम जानता है (कोई पाँच) क) डाकिया (पोस्टमैन) ख) दूधवाला ग) अखबार वाला घ) पुलिसमैन ङ) डॉक्टर च)	☐	☐	☐	☐
31.	4 से 5 दूसरे बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
32.	4-5 बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
33.	बिना किसी के साथ स्कूल आता-जाता है जब किस्कूल घर के आस-पास हो	☐	☐	☐	☐
34.	'कृपया' और 'धन्यवाद' कहता है।				
35.	दूसरों कोकक अपना परिचय देता है। (कोई पाँच) क) आपका नाम क्या है ? ख) आप की उम्र क्या है ? ग) आप कहाँ रहते हैं ? घ) आपके पिता/माता का नाम क्या है। ङ) आपके स्कूल का नाम क्या है।	☐	☐	☐	☐
36.	सहयोगी खेल/गतिविधि में 20 मिनट तक बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
37.	सड़क पार कर सकता है।	☐	☐	☐	☐
38.	घर से स्कूल व स्कूल से घर जाता है, जबकि स्कूल घरके आस पास न हो।	☐	☐	☐	☐
40.	बस में अपने आप सफर कर लेता है।	☐	☐	☐	☐

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
घरेलू-सामाजिक				

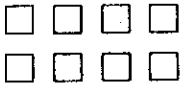

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन: आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	व्यवसायपूर्व-पैसा (व.पै)				
1.	एक कक्षा से दूसरी कक्षा तक नोटिस/संदेश पहुँचाता है।	☐	☐	☐	☐
2.	ब्रश से पेन्ट करता है।	☐	☐	☐	☐
3.	पेन्सिल का शार्पनर इस्तेमाल करता है।	☐	☐	☐	☐
4.	गोंद या लेई के इस्तेमाल से चिपकाता है।	☐	☐	☐	☐
5.	सारी आकृतियाँ काट लेता है।	☐	☐	☐	☐
6.	समय पर स्कूल की घंटी बजा लेता है।	☐	☐	☐	☐
7.	स्टेपलर इस्तेमाल करके काग़ज़ों को जोड़ता है।	☐	☐	☐	☐
8.	पंचिंग मशीन के इस्तेमाल से काग़ज़ों में सूराख बनाता है।	☐	☐	☐	☐
9.	समूहों में चीज़ों की ढेरी लगाता है।	☐	☐	☐	☐
10.	इस्तेमाल के बाद चीजों कोकक यथास्थान रख देता है।	☐	☐	☐	☐
11.	तीन-चार आकारों की एक सीक चीज़ों को इकट्ठा करता है।	☐	☐	☐	☐
12.	कील ठोक कर कैलेण्डर टांगता है।	☐	☐	☐	☐
13.	स्क्रू लगाने या निकालने के लिए स्क्रूड्राइवर का प्रयोग करता है।	☐	☐	☐	☐

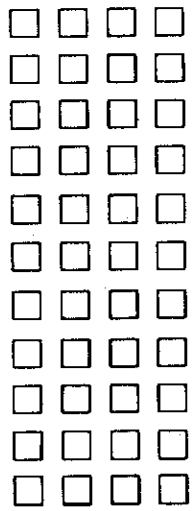

आइटम संख्या	कार्य/आइटम	मूल्यांकन [illegible]
14.	राष्ट्रीय पर्वों की तारीखें बताता है। (सभी सही) क) स्वतंत्रता दिवस ख) गणतंत्र दिवस ग) बाल दिवस घ) गाँधी जयन्ती	☐ ☐ ☐ ☐
15.	धागे का इस्तेमाल करते हुए फूलों की माला बनाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
16.	कटे हुए अंग पर दवा लगाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
17.	मामूली तुरपाई का काककम करलेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
18.	पौधा लगाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
19.	महत्त्वपूर्ण लोगों के नाम बताता है। (सब सही) क) राष्ट्रपति ख) उपराष्ट्रपति ग) प्रधानमंत्री घ) गवर्नर (राज्यपाल) ङ) मुख्यमंत्री च)	☐ ☐ ☐ ☐
20.	उपहार बक्स को लपेटता है।	☐ ☐ ☐ ☐
21.	दूसरे वैसे ही देखने वाले धातु के पदार्थों में से सिक्के छाँट लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
22.	जानता है कि पैसों से चीज़ें ख़रीदी जा सकती हैं।	☐ ☐ ☐ ☐
23.	पैसोंको सुरक्षित रखता है।	☐ ☐ ☐ ☐
24.	दूसरे कागज़ों में से एक रूपे का नोट छाँट लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
25.	मिले जुले सिक्कों की छँटाई कर लेता है। (सब सही) क) पाँच 5 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ख) पाँच 10 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ग) पाँच 20 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। घ) पाँच 25 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ङ) पाँच 50 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। च) पाँच 1 रूपये के सिक्कों को अलग कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
26.	सभी मूल्यों के सिक्कों को पहचानता है/नाम जानता है। (सब सही) क) 5 पैसे ख) 10 पैसे ग) 20 पैसे घ) 25 पैसे ङ) 50 पैसे च) 1 रूपया	☐ ☐ ☐ ☐
27.	दस रूपये तक के करन्सी नोटों को पहचानता है/नाम जानता है। (सब सही) क) 1 रूपया ख) 2 रूपये ग) 5 रूपये घ) 1 रूपये	☐ ☐ ☐ ☐
28.	सिक्कों को मूल्य के क्रम से जानता है।	☐ ☐ ☐ ☐
29.	एक रूपया बनाने के लिये सिक्कों को जोड़ता है, इकट्ठा करता है।	☐ ☐ ☐ ☐
30.	एक रूपये तक की खरीदारी करता है।	☐ ☐ ☐ ☐

[illegible]

31. एक रूपये तक की खरीदारी ठीक तरह से कर लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

32. दो रूपये तक की खरीदार ठीक तरह से कर लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

33. दस रूपये तक मूल्य की चीज़ों का काककरोबारी मूल्य जानता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐
क) एक पेन्सिल का मूल्य क्या है ?
ख) एक नोटबुक का मूल्य क्या है ?
ग)
घ)
ङ)

34. दस रूपये तक का हिसाब लगा लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

35. पाँच रूपये तक की चीज़ों की खरीदी ठीक तरह से कर लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

36. दस रूपये तक की चीज़ों की खरीदी ठीक तरह से कर लेता है। ☐ ☐ ☐ ☐

37. दस रूपये से अधिक मूल्य की चीज़ों का कारोबारक मूल्य जानता है। (कोई पाँच) ☐ ☐ ☐ ☐
क)
ख)
ग)
घ)
ङ)

38. पिग्गी बैंक में पैसों का खाता (एकाउन्ट) रखता है। ☐ ☐ ☐ ☐

39. बैंक में पैसेजमा करता है। ☐ ☐ ☐ ☐

40. बैंक से रूपये निकालता है। ☐ ☐ ☐ ☐

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार मूल	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
व्यवसाय-पैसा पूर्ण				

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार मूल	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
पूर्ण				

भारतीय मानसिक विकालांग बच्चों के लिए
व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड, भाग ब

लेखकगण
रीता पेशावरिया एस. वेंकटेसन

रेकॉर्ड बुकलेट

विद्यार्थी का नाम ....
स्तर/कक्षा..
आधार भूत मूल्यांकन ....
प्रथम सत्र मूल्यांकन..
द्वितीय सत्र मूल्यांकन ....
तृतीय सत्र मूल्यांकन..

आयु..
लिंग..
मूल्यांकन कर्ता....................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता....................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता....................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता....................तिथि ....

अनुदेश

1. प्रत्येक आइटम के निष्पादन (कार्य) के 6 स्तरों के आधार पर अंक दिये जाने चाहिये यानी, स्वावलम्बी=5, संकेत देनेपर=4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट =3, भौतिक प्रॉम्प्ट=2, पूर्णत : आश्रित=1, लागू नही =0
2. प्रत्येक आइटम के लिए दाई ओर दिए गए कॉलम में अंक लिखे जाने चाहिए। आधारभूत मूल्यांकन, प्रथम सत्र, द्वितीय सत्र और तृतीय सत्रमूल्यांकन।
3. कुछ आइटमों के लिए रेकार्ड बुकलेट में उदाहरण दिए गए हैं। मूल्यांकन के दौरान शिक्षक अन्य उदाहरणों का प्रयोग कर सकता है, और उन्हें दिए गए खाली स्थान में नोट कर सकता है।

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	उग्र व विनाशक व्यवहार				
1.	दूसरों को लात मारना				
2.	दूसरो को धक्का देना				
3.	दूसरों को चिकोटीकाटना				
4.	दूसरों के बाल, कान, शरीर के भाग खींचना				
5.	दूसरों को तमाचा मारना				
6.	दूसरों को मारना				
7.	दूसरों पर थूकना				
8.	चीजें पटकना				
9.	दरवाजा जोर से बंद करना				
10.	दूसरों को काटना				
11.	हथियार (ब्लेड लाठी पेन्सिल) से दूसरों पर हमला करना या चुभाना				
12.	दूसरों पर चीजें फेंकना				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन: आवश्यकता	प्रथम स्तर	द्वितीय स्तर	तृतीय स्तर
13.	अपने या दूसरों के कपड़ों से धागे खींचना	☐	☐	☐	☐
14.	अपनी या दूसरों की किताबे कागज फाड़ना	☐	☐	☐	☐
15.	चीजें ----गिलास खिलौने तोड़ना	☐	☐	☐	☐
16.	फर्नीचर को नुकशान पहुँचाना	☐	☐	☐	☐
	चिढ़चिढ़ापन				
17.	जोर जोर से चिल्लाना	☐	☐	☐	☐
18.	चीखना	☐	☐	☐	☐
19.	पैर पटकना	☐	☐	☐	☐
20.	फर्श पर लोट जाना	☐	☐	☐	☐
21.	दूसरों से चीजें झपटना/खीच लेना	☐	☐	☐	☐
22.	दूसरे जब बात करते हों तो उनके बीच बाधा डालता	☐	☐	☐	☐
23.	जव दूसरे लोग काम कर रहे या पढ़ रहे होते है तो जोर से शोर करना	☐	☐	☐	☐
24.	दूसरों को चिढ़ाना	☐	☐	☐	☐
25.	गाली गलौज/गंदी या भद्दी भाषा का प्रयोग करना	☐	☐	☐	☐
26.	बिना अनुमति के दूसरों की चीजें ले लेना	☐	☐	☐	☐
27.	दूसरों से कहना "यह करो वह करो" और दूसरों पर अपनी मर्जी लादना	☐	☐	☐	☐
	स्वयं घातक व्यवहार				
28.	सिर पटकना	☐	☐	☐	☐
29.	अपने को काटना, दाँत से।	☐	☐	☐	☐
30.	अपने आप को काट लेना	☐	☐	☐	☐
31.	अपने बाल नोचना	☐	☐	☐	☐
32.	स्वयं को खरौंच लेना	☐	☐	☐	☐
33.	अपने को मारना	☐	☐	☐	☐
34.	आँख/नाक/कान में कोई चीज डालना	☐	☐	☐	☐
35.	अखाद्य चीजें खाना	☐	☐	☐	☐

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन: आधारभूत	प्रथम स्तर	द्वितीय स्तर	तृतीय स्तर
36.	चमड़ी व घाव को खरोचना				
37.	नाखून दाँत से काटता रहना				
	पुनरावृत्ति व्यवहार				
38.	शरीर को हिलाना				
39.	सिर को हिलाता रहना				
40.	अंगूठा चूसता रहना				
41.	अजीब अजीब आवाजें निकालना				
42.	कलम या पेन्सिल के किनारे कुतरना				
43.	शरीर के अंगों को बार बार हिलाना				
44.	दाँत पीसना				
45.	गोल गोल घूमना				
	अनोखा व्यवहार				
46.	स्वयं ही हँसना				
47.	बेमतलब हँसना				
48.	अपने से बात करना				
49.	बेमतलब की चीजें (लकड़ियाँ, धागे, पुराने कपड़े) इकट्ठा करना				
50.	नाकखोदना				
51.	अवांछित वस्तुएँ जैसे चप्पले, रस्सियाँ, मल, या कूड़ों के साथ खेलना				
52.	बिना मतलब के लोगों कोचूमना थपथपाना या चाटना				
53.	चीजों को सूंघना				
	अतिचंचलता				
54.	वांछनीय समय तक एक जगह पर नही बैठना				
55.	जो कहा जाता है उस पर ध्यान नहीं देना				
56.	निर्दिष्ट समय तक दिए गये काम को या हाथ में लिए गये काम को जारी नही रख पाना।				
	विद्रोही व्यवहार				
57.	आदेश पालन करने से इनकार करना				
58.	कहा जाय उसका उलटा करना				

आइटम संख्या	वाक्य/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
59.	किसी भी काम को करने में जान बूझकर बहुत समय लेना	☐	☐	☐	☐
60.	स्कूल के बाहर आवारा गर्दी करना	☐	☐	☐	☐
61.	स्कूल से भाग जाना	☐	☐	☐	☐
62.	बिना उदेश्य के बहस करना	☐	☐	☐	☐
	असामाजिक व्यवहार				
63.	झूठ बोलना या अपने लाभ के लिए सच को तोड़ना मरोड़ना या दूसरों को दोष देना	☐	☐	☐	☐
64.	खेल में धोखा देना या खेल में इमानदारी की भावना नही समझना	☐	☐	☐	☐
65.	चोरी करना	☐	☐	☐	☐
66.	गंदे इशारे करना	☐	☐	☐	☐
67.	शरीर के अंगों को बुरी तरह प्रदर्शित करना	☐	☐	☐	☐
68.	दूसरे लिगं की ओर यौन संबन्धी प्रस्ताव रखना	☐	☐	☐	☐
69.	सार्वजनिक रूप से अपने गुप्त अंग छेड़ना	☐	☐	☐	☐
70.	सार्वजनिक रूप से दूसरों के गुप्त अंग छेड़ना	☐	☐	☐	☐
71.	जूआ खेलना	☐	☐	☐	☐
	भय				
72.	वस्तुओं से भय	☐	☐	☐	☐
73.	पशुओं से भय	☐	☐	☐	☐
74.	जगहो से भय	☐	☐	☐	☐
75.	लोगों से भय	☐	☐	☐	☐
	अन्य				

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
उग्र व विनाशक व्यवहार				

परिशिष्ट I

बेसिक – एम आर, भाग 'अ', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम वी.एस. रवि स्तर/कक्षा द्वितीय तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता

आयु 12 वर्ष आधारभूत मूल्यांकन ______ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन ______ ______

लिंग पुल्लिंग. प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन ______ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन 2.3.93. कु. स्मिता

कथन संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
गामक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	3	2	5	1	1	1
दे.जी.क्रि.क	5	3	5	1	5	5	5	3	5	5	5	5	5	5	3	5	5	5	5	5
भाषा कौशल	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	5	3	5	1	1	1
पाठन	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	1	3	2	3	1	1	1	1
अंक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	5	1	1	1	1	1	–	–	–
घरेलू	3	3	3	5	1	1	1	1	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पूर्व–व्यवसाय	5	5	3	2	2	1	1	1	3	2	2	1	2	1	1	1	1	1	–	–

कथन संख्या	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
गामक	3	3	3	3	3	3	5	4	3	4	5	2	3	3	3	3	5	5	1	1
दे.जी.क्रि.क	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	5	1	3	1	1	2	1	0
भाषा कौशल	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	5
लेखन	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	3	1	1	1	1	1
समय	5	5	5	5	5	3	3	5	1	1	1	3	3	1	1	1	1	1	–	–
सामाजिक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	5	5	5	1	1	1	1
रूपये–पैसे	5	5	5	5	5	5	3	3	1	1	1	1	1	–	–	–	–	–	–	–

अंक देने की कुंजी स्वावलम्बी 5, संकेत देने पर 4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट 3, भौतिक प्रॉम्प्ट 2, पूर्णत आश्रित 1, लागू नहीं 0

रेखांकित परिणाम

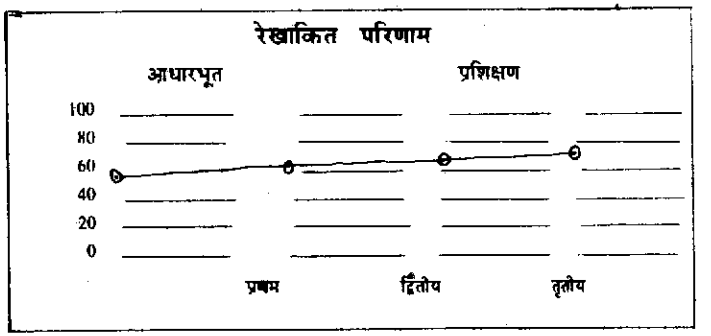

संयुक्त आँकड़े

क्षेत्र भाग	आधारभूत		प्रथम त्रैमासिक		द्वितीय त्रैमासिक		तृतीय त्रैमासिक	
	अंक	%	अंक	%	अंक	%	अंक	%
गामक	139	69.5	140	70	140	70	144	72
दे.जी.क्रि.क	159	79.5	160	80	162	81	163	81.5
भाषा कौशल	170	85	172	86	175	87.5	178	89
पाठन–लेखन	130	65	132	66	137	68.5	143	71.5
अंक–समय	98	49	105	52.5	109	54.5	114	57
घरेलू–सामाजिक	79	39.5	90	45	92	46	99	49.5
पूर्व–व्यवसाय	54	27	62	31	65	32.5	77	38.5
योग	829	59.2	861	61.5	880	62.86	918	65.6

बिहेवियरल असेसमेन्ट स्केल फॉर चिलड्रन विथ मेन्टल रिटार्डेशन

परिशिष्ट I

बेसिक - एम आर, भाग 'अ', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम : ____________ स्तर/कक्षा ____________ तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता.

आयु : ____________ आधारभूत मूल्यांकन ____________ ____________ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन ____________

लिंग : ____________ प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन ____________ ____________ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन ____________

कथन संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
गामक																				
दै.जी.क्रि.क																				
भाषा कौशल																				
पाठन																				
अंक																				
घरेलू																				
पूर्व-व्यवसाय																				

कथन संख्या	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
गामक																				
दै.जी.क्रि.क																				
भाषा कौशल																				
लेखन																				
समय																				
सामाजिक																				
रूपये-पैसे																				

अंक देने की कुंजी : स्वावलम्बी 5, संकेत देने पर 4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट 3, भौतिक प्रॉम्प्ट 2, पूर्णत आश्रित 1, लागू नहीं 0

रेखांकित परिणाम

	आधारभूत	प्रशिक्षण		
100				
80				
60				
40				
20				
0				
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय

संयुक्त आँकड़े

क्षेत्र भाग	आधारभूत		प्रथम त्रैमासिक		द्वितीय त्रैमासिक		तृतीय त्रैमासिक	
	अंक	%	अंक	%	अंक	%	अंक	%
गामक								
दै.जी.क्रि.क								
भाषा कौशल								
पाठन-लेखन								
अंक-समय								
घरेलू-सामाजिक								
पूर्व-व्यवसाय								
योग								

* बिहेवियरल असेसमेन्ट स्केल फॉर चिल्ड्रन विथ मेन्टल रिटार्डेशन

परिशिष्ट II

बेसिक – एम आर, भाग 'ब', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम	वी. एस. रवि	स्तर/कक्षा		तिथि मूल्यांकन कर्ता	तिथि	मूल्यांकन कर्ता
आयु	12 वर्ष	आधारभूत मूल्यांकन		द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन		
लिंग	पुल्लिंग.	प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन		तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन	2.3.93.	कु. स्मिता

उग्र व विनाशक व्यवहार													चिडचिड़ापन						अन्य के साथ दुर्व्यवहार								स्वय घातक व्यवहार										पुनरावृत्ति व्यवहार							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0

अनोखा व्यवहार								अति चंचलता विद्रोही व्यवहार									असामाजिक व्यवहार										भय			
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76
1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0

अक देने की कुंजी कभी नहीं 0; कभी–कभी : 1; बहुधा 2

रेखांकित परिणाम

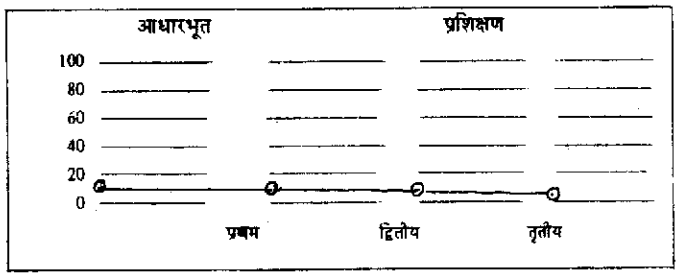

सयुक्त आँकड़े

मूल्यांकन	शुद्ध आँकड़े	सयुक्त प्रतिशत
आधारभूत	16	10.67
प्रथम त्रैमासिक	14	9.33
द्वितीय त्रैमासिक	9	6.00
तृतीय त्रैमासिक	5	3.30

परिशिष्ट II

बेसिक - एम आर, भाग 'ब', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम : _____ स्तर/कक्षा _____ तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता

आयु : _____ आधारभूत मूल्यांकन _____ _____ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____

लिंग : _____ प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____

उग्र व विनाशक व्यवहार													चिड़चिड़ापन						अन्य के साथ दुर्व्यवहार								स्वयं घातक व्यवहार										पुनरावृत्ति व्यवहार							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

अनोखा व्यवहार								अति चंचलता विद्रोही व्यवहार								असामाजिक व्यवहार									भय			
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76

अंक देने की कुंजी : कभी नहीं 0; कभी-कभी : 1; बहुधा : 2

रेखांकित परिणाम

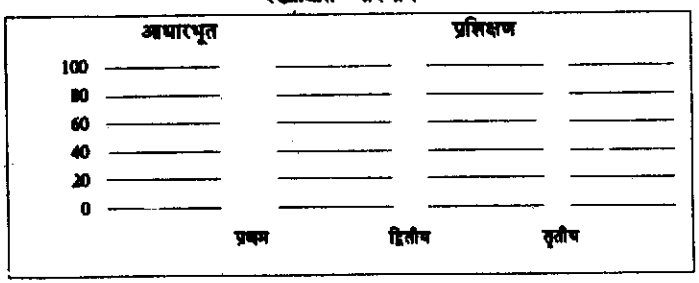

संयुक्त आँकड़े

मूल्यांकन	शुद्ध आँकड़े	संयुक्त प्रतिशत
आधारभूत		
प्रथम त्रैमासिक		
द्वितीय त्रैमासिक		
तृतीय त्रैमासिक		

निर्देश

1. अपने बच्चे के प्रगति पत्र को ध्यान से समझे, अपने हस्ताक्षर कर, अभिभावक शीघ्रातिशीघ्र शिक्षक को वापस दे ।
2. प्रगति पत्र एक मूल्यवान वस्तु है, जो आप के बच्चे की चरण दर चरण प्रगति का वर्णन करता है । इसे सावधानी से सभाले ।
3. अभिभावक को प्रगति पत्र या तो बच्चे के स्कूल छोड़ते के समय अथवा प्रत्येक वर्ष के सत्र समाप्ति पर उपलब्ध हो सकेगा ।
4. प्रत्येक प्रगति पत्र की लागत रुपए 10/- है । इसके खो जाने अथवा क्षति होने पर नकल रुपये 15/- अदा करने पर प्राप्त हो सकेगा ।

हस्ताक्षर नमूना

किशनचंद	पिता	कि. चं.
रमादेवी	माता	र देवी.
	अभिभावक	

सूचना

इस प्रगति पत्र मे अंक राष्ट्रीय मानसिक विकलाग सस्थान, सिकन्दराबाद द्वारा विकसित "भारतीय मानसिक मंद बच्चो के लिए व्यवहार मूल्याकन मापदण्ड" (बेसिक-एमआर) नामक मानक एव वैज्ञानिक साधन द्वारा मूल्याकन के आधार पर दिये गए है ।

बेसिक एमआर के क्रमशः अ और ब दो भाग है ।

बेसिक एम.आर. भाग अ मे 280 कथन है जिन्हे कौशल व्यवहार के सात खण्डो मे रखा गया है जो क्रमशः गामक (स्थूल व सूक्ष्म क्रिआएँ); दैनिक जीवन की क्रिआएँ (भोजन करना, शौचादि क्रिया, दाँत साफ करना, स्नान करना, कपड़े पहनना, साज-श्रृंगार); पठन और लेखन; अंक-समय; घरेलू-सामाजिक, और पूर्व व्यवसाय पैसा रूपया है । प्रत्येक कथन के व्यक्तिगत स्तर पर सफलता के आधार पर एक बच्चे का प्राप्ताक0 (लागू नही), से 1 (पूर्णरूप से स्वावलंबी), 2 (भौतिक मदद से कर पाता है), 3 (शाब्दिक मदद से कर लेता है), 4 (सकेत/इसारे पर करता है), 5 (स्वतत्र रूप से करता है) तक मिल सकता है । एक खण्ड का अधिकतम अक 200 तथा सभी सात खण्डो का पूर्णाक 1400 है ।

बेसिक एम.आर.भाग ब मे 75 कथन है जो समस्या व्यवहार के 10 खण्डो मे बँटे है; जैसे : उग्र एव विनाशक व्यवहार, चिड़चिड़ापन/झल्लाहट अन्य से दुर्व्यवहार, स्वय घातक व्यवहार, पुनरावृति व्यवहार अनोखा व्यवहार, अतिचचल व्यवहार, विद्रोही व्यवहार, असामाजिक व्यवहार, भय । प्रत्येक बच्चे के व्यवहार को वस्तु निष्ट ढग से अंक दिए जाते है । व्यवहार नही (अक 0), कमी होता हो (अंक 1), अक्सर घटित हो (अक 2), 1 सभी खण्डो पर अधिकतम अक 150 मिल सकते है । प्रत्येक बच्चे का आकलन बेसिक एम.आर. के भाग अ तथा ब पर चार बार होता है। स्कूल मे भर्ती होने पर या वर्ष के प्रारम्भ मे (आधार भूत मूल्याकन), तीसरे और छठे माह की समाप्ति पर (त्रैमासिक मूल्याकन) और वर्ष के अत मे (वार्षिक मूल्याकन) ।

परिशिष्ट III प्रगति-

प्रगति

1992 से

शिक्षार्थी का नाम वी. एस. रवि

आयु 12 वर्ष जन्म तारीख

गम्भीरता अल्प मानसिक

कक्षा/स्तर द्वितीय

अभिभावक का नाम श्री किशन चं
10-2-264/8

पता सितापलमंडी
सिकंद्राबाद

फोन 61677.

समस्या-व्यवहार (बेसिक-एम आर भाग ब)

समस्या व्यवहार खण्ड	पूर्णांक	आधारभूत जून 92	I त्रैमासिक सित. 92	II त्रैमासिक दिस. 92	वार्षिक मूल्यांकन
उग्र. विनाशक व्यवहार	32	0	0	0	0
चिड़चिड़ापन/झल्लाहट	6	0	0	0	0
अन्य के साथ दुर्व्यवहार	16	0	0	0	0
स्वयं घातक व्यवहार	20	0	0	0	0
पुनरावृत्ति व्यवहार	16	4	2	1	1
अनोखा व्यवहार	16	2	2	2	1
अति चचल व्यवहार	6	1	1	1	1
विद्रोही व्यवहार	12	7	7	3	1
असामाजिक व्यवहार	18	0	0	0	0
भय	6	2	2	2	1
योग	150	16	14	9	5

अधिक अंक शिक्षार्थी के अच्छे कार्य कुशलता का द्योतक है ।

कम अंक शिक्षार्थी में कम समस्या-व्यवहार का द्योतक है ।

रेखाचित्र प्रोफाइल

कौशल व्यवहार

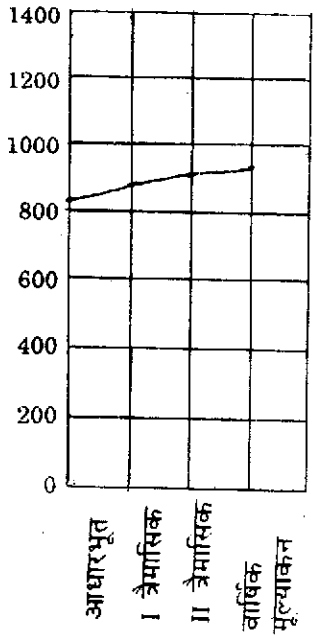

समस्या-व्यवहार

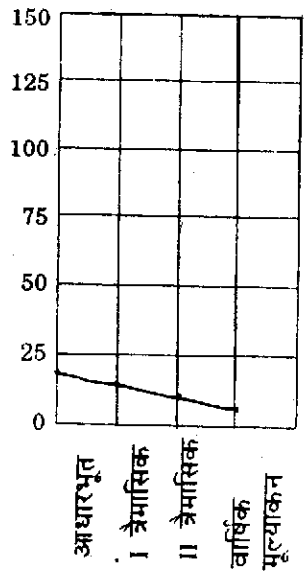

	कौशल व्यवहार	समस्या-व्यवहार
	प्राप्तांक(पूर्णांक :1400)	प्राप्तांक(पूर्णांक :150)
आधारभूत	829	16
I त्रैमासिक	861	14
II त्रैमासिक	860	9
वार्षिक मूल्यांकन	918	5

कौशल-व्यवहार (बेसिक-ए

कौशल-व्यवहार खण्ड	पूर्णांक
गामक	200
दैनिक जीवन की क्रियाएँ	200
भाषा	200
पाठन-लेखन	200
अंक-समय	200
घरेलू-सामाजिक	200
पूर्व-व्यवसाय रूपये पैसे	200
कुल अंक	1400
उपस्थिति कार्य दिन	

ह	शिक्षक
स्ता	स्कूल ..... प्रधानाचार्य
क्ष	मनोवैज्ञानिक सलाहकार
र	निदेशक
	अभिभावक

निर्देश

1. अपने बच्चे के प्रगति पत्र को ध्यान से समझे, अपने हस्ताक्षर कर, अभिभावक शीघ्रातिशीघ्र शिक्षक को वापस दे ।
2. प्रगति पत्र एक मूल्यवान वस्तु है, जो आप के बच्चे की चरण दर चरण प्रगति का वर्णन करता है । इसे सावधानी से सभाले ।
3. अभिभावक को प्रगति पत्र या तो बच्चे के स्कूल छोड़ते के समय अथवा प्रत्येक वर्ष के सत्र समाप्ति पर उपलब्ध हो सकेगा ।
4. प्रत्येक प्रगति पत्र की लागत रुपए 10/- है । इसके खो जाने अथवा क्षति होने पर नकल रुपये 15/- अदा करने पर प्राप्त हो सकेगा ।

हस्ताक्षर नमूना

_____ पिता _____

_____ माता _____

_____ अभिभावक _____

सूचना

इस प्रगति पत्र मे अक राष्ट्रीय मानसिक विकलाग सस्थान, सिकन्दराबाद द्वारा विकसित "भारतीय मानसिक मंद बच्चो के लिए व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड" (बेसिक-एमआर) नामक मानक एव वैज्ञानिक साधन द्वारा मूल्याकन के आधार पर दिये गए है ।

बेसिक एमआर के क्रमशः अ और ब दो भाग है ।

बेसिक एम.आर. भाग अ मे 280 कथन है जिन्हे कौशल व्यवहार के सात खण्डो मे रखा गया है जो क्रमशः गामक (स्थूल व सूक्ष्म क्रिआएँ); दैनिक जीवन की क्रिआएँ (भोजन करना, शौचादि क्रिया, दाँत साफ करना, स्नान करना, कपड़े पहनना, साज-श्रृंगार); पठन और लेखन; अक-समय; घरेलू-सामाजिक, और पूर्व व्यवसाय पैसा रूपया है । प्रत्येक कथन के व्यक्तिगत स्तर पर सफलता के आधार पर एक बच्चे का प्राप्ताक0 (लागू नही), से 1 (पूर्णरूप से श्वावलबी), 2 (भौतिक मदद से कर पाता है), 3 (शाब्दिक मदद से कर लेता है), 4 (सकेत/इसारे पर करता है), 5 (स्वतत्र रूप से करता है) तक मिल सकता है । एक खण्ड का अधिकतम अक 200 तथा सभी सात खण्डो का पूर्णाक 1400 है ।

बेसिक एम.आर.भाग ब मे 75 कथन है जो समस्या व्यवहार के 10 खण्डो मे बँटे है, जैसे उग्र एव विनाशक व्यवहार, चिड़चिड़ापन/झल्लाहट अन्य से दुर्व्यवहार, स्वय घातक व्यवहार, पुनरावृति व्यवहार अनोखा व्यवहार, अतिचचल व्यवहार, विद्रोही व्यवहार, असामाजिक व्यवहार, भय । प्रत्येक बच्चे के व्यवहार को वस्तु निष्ट ढग से अक दिए जाते है । व्यवहार नही (अक 0), कमी होता हो (अक 1), अक्सर घटित हो (अक 2), 1 सभी खण्डो पर अधिकतम अक 150 मिल सकते है । प्रत्येक बच्चे का अकलन बेसिक एम.आर. के भाग अ तथा ब पर चार बार होता है। स्कूल मे भर्ती होने पर या वर्ष के प्रारम्भ मे (आधार भूत मूल्याकन), तीसरे और छठे माह की समाप्ति पर (त्रैमासिक मूल्याकन) और वर्ष के अत मे (वार्षिक मूल्याकन) ।

परिशिष्ट III प्रगति

प्रगति

से

शिक्षार्थी का नाम _____

आयु : _____ जन्म ता

गम्भीरता _____

कक्षा/स्तर _____

अभिभावक का नाम _____

पता _____

_____

फोन _____

समस्या-व्यवहार (बेसिक-एम आर भाग ब)

समस्या - व्यवहार खण्ड	पूर्णांक	आधारभूत ( )	I त्रैमासिक ( )	II त्रैमासिक ( )	वार्षिक मूल्यांकन
उग्र. विनाशक व्यवहार	32				
चिडचिड़ापन/झल्लाहट	6				
अन्य के साथ दुर्व्यवहार	16				
स्वय घातक व्यवहार	20				
पुनरावृत्ति व्यवहार	16				
अनोखा व्यवहार	16				
अति चंचल व्यवहार	6				
विद्रोही व्यवहार	12				
असामाजिक व्यवहार	18				
भय	6				
योग	150				

अधिक अंक शिक्षार्थी के अच्छे कार्य कुशलता का द्योतक है ।

कम अक शिक्षार्थी में कम समस्या व्यवहार का द्योतक है ।

रेखाचित्र प्रोफाइल

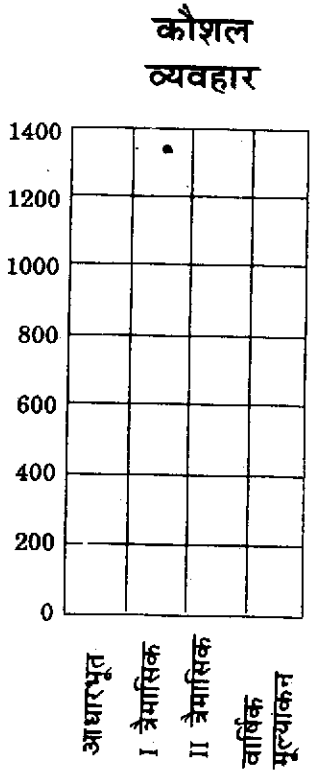

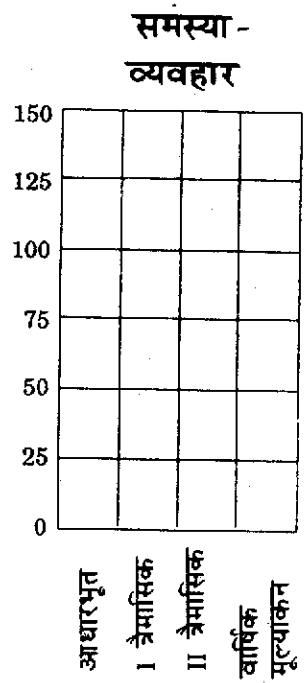

	कौशल व्यवहार	समस्या व्यवहार
	प्राप्तांक(पूर्णांक :1400)	प्राप्तांक(पूर्णांक :150)
आधारभूत		
I त्रैमासिक		
II त्रैमासिक		
वार्षिक मूल्यांकन		

कौशल-व्यवहार (बेसिव

कौशल - व्यवहार खण्ड	
गामक	2
दैनिक जीवन की क्रियाएँ	2
भाषा	2
पाठन-लेखन	2
अक-समय	2
घरेलू-सामाजिक	2
पूर्व-व्यवसाय रूपये पैसे	2
कुल अक	14
उपस्थिति कार्य दिन	

ह स्ता क्ष र	शिक्षक
	स्कूल संयोजक प्रधानाचार्य
	मनोवैज्ञानिक सलाहकार
	निदेशक
	अभिभावक

संदर्भ

अमन, एम.जी. सिंग, एन.एन. स्टिवर्ट ए.डब्लु एंड फिल्ड सी.जे. "द अबरेंट बिहेवियर चेक लिस्ट : अ बिहेवियर रेटिंग स्केल फॉर द असेसमेंट ऑफ ट्रिटमेंट अफेक्टस् अमेरिकन जनरल ऑफ मेंटल डिफिसियेंसी 1985, 89, 485-91."

बाल्थजर इ.इ. बाल्थजर स्केलस् ऑफ अडॉल्टेशन बिहेवियर, पार्ट 1 ; स्केल्स ऑफ सोशल अडॉल्टेशन कॅलिफोर्निया ; कन्सल्टिंग साईकॉलोजिस्ट प्रेस, 1973.

फिस्क, डी. डब्ल्यू एंड पियर्सन पी.एच. थ्योरी एंड टेकनिक्स ऑफ पर्सनॅलिटि मेजरमेंट मॅन्युअल रिव्यू ऑफ साइकॉलॉजी, 1970, 21, 41-86.

ग्लॅसर, आर.एंड निटको ए.जे. मेजरमेंट इन लर्निंग एंड इन्स्ट्रक्शन इनआर एल. ग्रानडिका (एड) एजुकेशनल मेजरमेंट, वॉशिंग्टन अमेरिकन कौंसिल ऑन एजुकेशन 1971.

ग्लॅसर, आर. इन्स्ट्रक्शनल टेकनॉलॉजी अंड द मेजरमेंट आफ लर्निंग आउटकम्स् अमेरिकन साइकॉलॉजिस्ट, 1963, 18, 519-521.

गोलफ्रेड एन.आर. एंड पोमरंड डी.एन. रोल ऑफ असेसमेंट इन बिहेवियर मॉडिफिकेशन साइकॉलॉजि कल रिपोर्टस् 1968, 23, 75 - 87.

हॉग.जे.एन रेन्स. एन.वी. असेसमेंट इन मेंटल हैंडिकैप, लंडन क्रूम हेल्म 1987.

होम्स.एन.शा, ए,, अँड विंग एल द डिसएबिलिटि असेसमेंट शेड्यूलः अ ब्रीफ स्क्रिनिंग डिवाइस फॉर यूज वीद द मेंटली रिटार्डेड साइकॉलॉजिकल मेडिसिन, 1982, 12, 879-90.

कनफर एफ.एच.अँड फिलिप्स्, जे.एस. लर्निंग प्रिंसिपल्स ऑफ बिहेवियर थिरैपी, न्यूयॉर्क वेले 1970.

कॅनफर, एल.एच. अँड सस्लो, जी. बिहेवियरल डायगनॉसिस इन सी.एल. फ्रकिंस (एड) बिहेवियरल थिरैपी अप्रेजल एंड स्टेटस् न्यूयॉर्क मक ग्रॉ हिल 1969.

ल्यूडर, आई, अँड फ्रेसर डब्ल्यू आई बिहेवियरल डिस्टर्बन्स अँड इटस असेसमेंट इन.जे.हॉग अँड एन.वी.रेन्स् (एडस्) असेसमेंट इन मेंटल हैंडिकैप लंडनः क्रूम हेल्म 1987.

लिविंग्स्टन एस.ए. साइकोमैट्रिक टेकनिक्स फॉर क्रायटेरियन रेफरेंन्सड टेस्टिंग अँड बिहेवियरल असेसमेंट इन.जे.डी. कोन आर.पी. हॉकिन्स् बिहेवियरल असेसमेट; न्यु डायरेक्शन्स् इन क्लिनिकल साइकॉलॉजी, न्यूयॉर्क ; ब्रूनर मज़ल 1977.

मेयर वि. लेडल ए, अँड लेन्स एम. बिहेवियरल इंटरव्यूज , एन.ए.आर. कमिनरो, के एस. कलहॉन, अँड एच.ई. अडम्स् (एस.), हैंडबुक और बिहेवियरल असेसमेंट न्यूयॉर्कः जॉन विले, 1977, 117-152.

नारायण ऐ - अँड कुट्टी टी. हैडबुक फॉर द ट्रेनर्स ऑफ द मेटली रिटार्डेड पर्सन्स- प्री प्रायमरी लेवल सिकंद्राबाद, एन.आई.एम.एच. 1989.

ने डब्लू आर. अनलॉग मेजर एन.ए.आर. क्लेमेनरो के एस.कलहॉन अँड एच.एस. अडम्स् (एडस्) हैंडबुक ऑफ बिहेवियरल असेसमेंट न्यूयॉर्कः जॉनविले 1977, 238-278.

निहिरा, के फॉस्टर, आर. शेलहास, एम. लेलैंड एच. एएएमडी अडप्टिव बिहेवियर स्केल, न्यूयॉर्क; अमेरिकन असोसियेशन ऑफ मेंटल डिफिसियेंसी, 1974।

ओ लेरी के.डी. बिहेवियरल असेसमेंट 1979, 1,31-36

पेशावरिया आर., वेंकटेसन एस. महोपात्रा बी. अँड मेनन डी.के. टिचर्स परसेप्शनस् ऑफ प्रॉब्लम बिहेवियरर्स अमाँग मेंटली हैंडिकैप्ड पर्सन्स इन स्पेशल स्कूल सेटिंग्ज् इंडियन जर्नल ऑफ डिसएबिलिटि अँड रिहैबिलिटेशन, 1990, 4,1,23-30।

पोफम् डब्ल्यू जे. क्राइटेरियन रेफरेंसड् इन्स्ट्रक्शन बेलमाँट ; फियरसन 1973.

रथूस एस.ए. अ 30 आइटम शेडयूल फॉर असेसिंग असेरटिव बिहेवियर बिहेवियर थिरैपी 1973, 4, 398-406.

सेनेटोर वी. मॅटसन जे.एल. अँड काजडिन ए.ई. अन इन्वेंटरी टू असेस साईकोपैथॉलोजी ऑफ मेंटली रिटार्डेड अडल्टस्. अमेरिकन जर्नल ऑफमेंटल डिफिसियेंसी, 1985, 89, 459-66.

स्टूअर्ट आर.बी. अँड स्टूअर्ट, एफ. मरिटल प्रीकौंसिलिंग इन्वेटरी इलीनॉईस रिसर्च प्रेस, 1972 संडबर्ग एन.डी. अँर टेलर, एल.ई. क्लिनिकल साइकॉलोजी न्यूयॉर्क अप्लिशन सेंचूरी क्रॉफ्टस् 1962.

वीट.जे.सी. इलियट, एम.एन. ग्रेशम, एफ.एन. अँड क्रमर, जे. जे. असेसमेंट ऑफ स्पेशल चिल्ड्रनः टेस्टस् अँड द प्राब्लम सॉल्विंग प्रोसेस इलीनॉइसः स्कॉट फॉरमैन 1989. वॉल्फ डब्ल्यू टी.एँड मेरन्स्, एम.आर. बिहेवियरल असेसमेंट अ रिव्यू ऑफ क्लिनिकल मेथडस्. जर्नल ऑफ पर्सनलिटि असेसमेंट, 1974, 38, 3-16.

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधाररेखा	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
28.	संगीत के साथ गाता है/नाचता है।	☐	☐	☐	☐
29.	कक्षा में/स्कूल के काम काज में अध्यापक को सहायता देता है ।	☐	☐	☐	☐
30.	विभिन्न व्यवसायों के काम जानता है (कोई पाँच) क) डाकिया (पोस्टमैन) ख) दूधवाला ग) अख़बार वाला घ) पुलिसमैन ङ) डॉक्टर च)	☐	☐	☐	☐
31.	4 से 5 दूसरे बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
32.	4-5 बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
33.	बिना किसी के साथ स्कूल आता-जाता है जब किस्कूल घर के आस-पास हो	☐	☐	☐	☐
34.	'कृपया' और 'धन्यवाद' कहता है।				
35.	दूसरों कोकक अपना परिचय देता है। (कोई पाँच) क) आपका नाम क्या है ? ख) आप की उम्र क्या है ? ग) आप कहाँ रहते हैं ? घ) आपके पिता/माता का नाम क्या है। ङ) आपके स्कूल का नाम क्या है।	☐	☐	☐	☐
36.	सहयोगी खेल/गतिविधि में 20 मिनट तक बच्चों के साथ खेलता है।	☐	☐	☐	☐
37.	सड़क पार कर सकता है।	☐	☐	☐	☐
38.	घर से स्कूल व स्कूल से घर जाता है, जबकि स्कूल घरके आस पास न हो।	☐	☐	☐	☐
40.	बस में अपने आप सफर कर लेता है।	☐	☐	☐	☐

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
घरेलू-सामाजिक				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	व्यवसायपूर्व-पैसा (व.पै)				
1.	एक कक्षा से दूसरी कक्षा तक नोटिस/संदेश पहुँचाता है।				
2.	ब्रश से पेन्ट करता है।				
3.	पेन्सिल का शार्पनर इस्तेमाल करता है।				
4.	गोंद या लेई के इस्तेमाल से चिपकाता है।				
5.	सारी आकृतियाँ काट लेता है।				
6.	समय पर स्कूल की घंटी बजा लेता है।				
7.	स्टेपलर इस्तेमाल करके काग़ज़ों को जोड़ता है।				
8.	पंचिंग मशीन के इस्तेमाल से काग़ज़ों में सूराख बनाता है।				
9.	समूहों में चीज़ों की ढेरी लगाता है।				
10.	इस्तेमाल के बाद चीजों कोकक यथास्थान रख देता है।				
11.	तीन-चार आकारों की एक सीक चीज़ों को इकट्ठा करता है।				
12.	कील ठोक कर कैलेण्डर टांगता है।				
13.	स्क्रू लगाने या निकालने के लिए स्क्रूड्राइवर का प्रयोग करता है।				

आइटम संख्या	वाक्य/आइटम	मूल्यांकन [illegible]
14.	राष्ट्रीय पर्वों की तारीखें बताता है। (सभी सही) क) स्वतंत्रता दिवस ख) गणतंत्र दिवस ग) बाल दिवस घ) गाँधी जयन्ती	☐ ☐ ☐ ☐
15.	धागे का इस्तेमाल करते हुए फूलों की माला बनाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
16.	कटे हुए अंग पर दवा लगाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
17.	मामूली तुरपाई का काककम करलेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
18.	पौधा लगाता है।	☐ ☐ ☐ ☐
19.	महत्त्वपूर्ण लोगों के नाम बताता है। (सब सही) क) राष्ट्रपति ख) उपराष्ट्रपति ग) प्रधानमंत्री घ) गवर्नर (राज्यपाल) ङ) मुख्यमंत्री च)	☐ ☐ ☐ ☐
20.	उपहार बक्स को लपेटता है।	☐ ☐ ☐ ☐
21.	दूसरे वैसे ही देखने वाले धातु के पदार्थों में से सिक्के छाँट लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
22.	जानता है कि पैसों से चीज़ें ख़रीदी जा सकती हैं।	☐ ☐ ☐ ☐
23.	पैसोंको सुरक्षित रखता है।	☐ ☐ ☐ ☐
24.	दूसरे कागज़ों में से एक रूपे का नोट छाँट लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
25.	मिले जुले सिक्कों की छँटाई कर लेता है। (सब सही) क) पाँच 5 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ख) पाँच 10 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ग) पाँच 20 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। घ) पाँच 25 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। ङ) पाँच 50 पैसे के सिक्कों को अलग कर लेता है। च) पाँच 1 रूपये के सिक्कों को अलग कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
26.	सभी मूल्यों के सिक्कों को पहचानता है/नाम जानता है। (सब सही) क) 5 पैसे ख) 10 पैसे ग) 20 पैसे घ) 25 पैसे ङ) 50 पैसे च) 1 रूपया	☐ ☐ ☐ ☐
27.	दस रूपये तक के करन्सी नोटों को पहचानता है/नाम जानता है। (सब सही) क) 1 रूपया ख) 2 रूपये ग) 5 रूपये घ) 1 रूपये	☐ ☐ ☐ ☐
28.	सिक्कों को मूल्य के क्रम से जानता है।	☐ ☐ ☐ ☐
29.	एक रूपया बनाने के लिये सिक्कों को जोड़ता है, इकट्ठा करता है।	☐ ☐ ☐ ☐
30.	एक रूपये तक की खरीदारी करता है।	☐ ☐ ☐ ☐

[illegible]

31.	एक रूपये तक की खरीदारी ठीक तरह से कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
32.	दो रूपये तक की खरीदार ठीक तरह से कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
33.	दस रूपये तक मूल्य की चीज़ों का काककरोबारी मूल्य जानता है। (कोई पाँच) क) एक पेन्सिल का मूल्य क्या है ? ख) एक नोटबुक का मूल्य क्या है ? ग) घ) ङ)	☐ ☐ ☐ ☐
34.	दस रूपये तक का हिसाब लगा लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
35.	पाँच रूपये तक की चीज़ों की खरीदी ठीक तरह से कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
36.	दस रूपये तक की चीज़ों की खरीदी ठीक तरह से कर लेता है।	☐ ☐ ☐ ☐
37.	दस रूपये से अधिक मूल्य की चीज़ों का कारोबारक मूल्य जानता है। (कोई पाँच) क) ख) ग) घ) ङ)	☐ ☐ ☐ ☐
38.	पिगी बैंक में पैसों का खाता (एकाउन्ट) रखता है।	☐ ☐ ☐ ☐
39.	बैंक में पैसेजमा करता है।	☐ ☐ ☐ ☐
40.	बैंक से रूपये निकालता है।	☐ ☐ ☐ ☐

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
व्यवसाय–पैसा पूर्ण				

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
पूर्ण				

भारतीय मानसिक विकालांग बच्चों के लिए
व्यवहार मूल्यांकन मापदण्ड, भाग ब

लेखकगण
रीता पेशावरिया एस. वेंकटेसन

रेकॉर्ड बुकलेट

विद्यार्थी का नाम ....
स्तर/कक्षा..
आधार भूत मूल्यांकन ....
प्रथम सत्र मूल्यांकन...
द्वितीय सत्र मूल्यांकन ....
तृतीय सत्र मूल्यांकन...

आयु...
लिंग...
मूल्यांकन कर्ता......................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता......................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता......................तिथि ....
मूल्यांकन कर्ता......................तिथि ....

अनुदेश

1. प्रत्येक आइटम के निष्पादन (कार्य) के 6 स्तरों के आधार पर अंक दिये जाने चाहिये यानी, स्वावलम्बी=5, संकेत देनेपर=4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट =3, भौतिक प्रॉम्प्ट=2, पूर्णत : आश्रित=1, लागू नहीं =0
2. प्रत्येक आइटम के लिए दाईं ओर दिए गए कॉलम में अंक लिखे जाने चाहिए। आधारभूत मूल्यांकन, प्रथम सत्र, द्वितीय सत्र और तृतीय सत्रमूल्यांकन।
3. कुछ आइटमों के लिए रेकार्ड बुकलेट में उदाहरण दिए गए हैं। मूल्यांकन के दौरान शिक्षक अन्य उदाहरणों का प्रयोग कर सकता है, और उन्हें दिए गए खाली स्थान में नोट कर सकता है।

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन: आधारभूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
	उग्र व विनाशक व्यवहार				
1.	दूसरों को लात मारना				
2.	दूसरो को धक्का देना				
3.	दूसरों को चिकोटीकाटना				
4.	दूसरों के बाल, कान, शरीर के भाग खींचना				
5.	दूसरों को तमाचा मारना				
6.	दूसरों को मारना				
7.	दूसरों पर थूकना				
8.	चीजें पटकना				
9.	दरवाजा जोर से बंद करना				
10.	दूसरों को काटना				
11.	हथियार (ब्लेड लाठी पैन्सिल) से दूसरों पर हमला करना या चुभाना				
12.	दूसरों पर चीजें फेंकना				

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आवश्यकता	प्रथम स्तर	द्वितीय स्तर	तृतीय स्तर
13.	अपने या दूसरों के कपड़ों से धागे खींचना	☐	☐	☐	☐
14.	अपनी या दूसरों की किताबे कागज फाड़ना	☐	☐	☐	☐
15.	चीजें ----गिलास खिलौने तोड़ना	☐	☐	☐	☐
16.	फर्नीचर को नुकशान पहुँचाना	☐	☐	☐	☐
	चिड़चिड़ापन				
17.	जोर जोर से चिल्लाना	☐	☐	☐	☐
18.	चीखना	☐	☐	☐	☐
19.	पैर पटकना	☐	☐	☐	☐
20.	फर्श पर लोट जाना	☐	☐	☐	☐
21.	दूसरों से चीजें झपटना/खीच लेना	☐	☐	☐	☐
22.	दूसरे जब बात करते हों तो उनके बीच बाधा डालता	☐	☐	☐	☐
23.	जब दूसरे लोग काम कर रहे या पढ़ रहे होते है तो जोर से शोर करना	☐	☐	☐	☐
24.	दूसरों को चिढ़ाना	☐	☐	☐	☐
25.	गाली गलौज/गंदी या भद्दी भाषा का प्रयोग करना	☐	☐	☐	☐
26.	बिना अनुमति के दूसरों की चीजें ले लेना	☐	☐	☐	☐
27.	दूसरों से कहना "यह करो वह करो" और दूसरों पर अपनी मर्जी लादना	☐	☐	☐	☐
	स्वयं घातक व्यवहार				
28.	सिर पटकना	☐	☐	☐	☐
29.	अपने को काटना, दाँत से।	☐	☐	☐	☐
30.	अपने आप को काट लेना	☐	☐	☐	☐
31.	अपने बाल नोचना	☐	☐	☐	☐
32.	स्वयं को खरौंच लेना	☐	☐	☐	☐
33.	अपने को मारना	☐	☐	☐	☐
34.	आँख/नाक/कान में कोई चीज डालना	☐	☐	☐	☐
35.	अखाद्य चीजें खाना	☐	☐	☐	☐

आइटम संख्या	क्षेत्र/आइटम	मूल्यांकन: आधाररेखा	प्रथम स्तर	द्वितीय स्तर	तृतीय स्तर
36.	चमड़ी व घाव को खरोंचना	☐	☐	☐	☐
37.	नाखून दाँत से काटता रहना	☐	☐	☐	☐
	पुनरावृत्ति व्यवहार				
38.	शरीर को हिलाना	☐	☐	☐	☐
39.	सिर को हिलाता रहना	☐	☐	☐	☐
40.	अंगूठा चूसता रहना	☐	☐	☐	☐
41.	अजीब अजीब आवाजें निकालना	☐	☐	☐	☐
42.	कलम या पेन्सिल के किनारे कुतरना	☐	☐	☐	☐
43.	शरीर के अंगों को बार बार हिलाना	☐	☐	☐	☐
44.	दाँत पीसना	☐	☐	☐	☐
45.	गोल गोल घूमना	☐	☐	☐	☐
	अनोखा व्यवहार				
46.	स्वयं ही हँसना	☐	☐	☐	☐
47.	बेमतलब हँसना	☐	☐	☐	☐
48.	अपने से बात करना	☐	☐	☐	☐
49.	बेमतलब की चीजें (लकड़ियाँ, धागे, पुराने कपडे) इकट्ठा करना	☐	☐	☐	☐
50.	नाकखोदना	☐	☐	☐	☐
51.	अवांछित वस्तुएँ जैसे चप्पले, रस्सियाँ, मल, या कूडों के साथ खेलना	☐	☐	☐	☐
52.	बिना मतलब के लोगों कोचूमना थपथपाना या चाटना	☐	☐	☐	☐
53.	चीजों को सूंघना	☐	☐	☐	☐
	अतिचंचलता				
54.	वांछनीय समय तक एक जगह पर नही बैठना	☐	☐	☐	☐
55.	जो कहा जाता है उस पर ध्यान नहीं देना	☐	☐	☐	☐
56.	निर्दिष्ट समय तक दिए गये काम को या हाथ में लिए गये काम को जारी नही रख पाना।	☐	☐	☐	☐
	विद्रोही व्यवहार				
57.	आदेश पालन करने से इनकार करना	☐	☐	☐	☐
58.	कहा जाय उसका उलटा करना	☐	☐	☐	☐

आइटम संख्या	खण्ड/आइटम	मूल्यांकन आधार भूत	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
59.	किसी भी काम को करने में जान बूझकर बहुत समय लेना				
60.	स्कूल के बाहर आवारा गर्दी करना				
61.	स्कूल से भाग जाना				
62.	बिना उदेश्य के बहस करना				
	असामाजिक व्यवहार				
63.	झूठ बोलना या अपने लाभ के लिए सच को तोड़ना मरोड़ना या दूसरों को दोष देना				
64.	खेल में धोखा देना या खेल में इमानदारी की भावना नही समझना				
65.	चोरी करना				
66.	गंदे इशारे करना				
67.	शरीर के अंगों को बुरी तरह प्रदर्शित करना				
68.	दूसरे लिगं की ओर यौन संबन्धी प्रस्ताव रखना				
69.	सार्वजनिक रूप से अपने गुप्त अंग छेड़ना				
70.	सार्वजनिक रूप से दूसरों के गुप्त अंग छेड़ना				
71.	जूआ खेलना				
	भय				
72.	वस्तुओं से भय				
73.	पशुओं से भय				
74.	जगहो से भय				
75.	लोगों से भय				
	अन्य				

सम्पूर्ण प्राप्तांक	आधार भूत	प्रथम सत्र	दैनिक जीवन के	तृतीय सत्र
उग्र व विनाशक व्यवहार				

परिशिष्ट ।

बेसिक - एम आर, भाग 'अ', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम वी.एस. रवि स्तर/कक्षा द्वितीय तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता

आयु 12 वर्ष आधारभूत मूल्यांकन ______ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन ______ ______

लिंग पुल्लिंग. प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन ______ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन 2.3.93. कु. स्मिता

कथन संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
गामक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	3	2	5	1	1	1
दे.जी.क्रि.क	5	3	5	1	5	5	5	3	5	5	5	5	5	5	3	5	5	5	5	5
भाषा कौशल	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	5	3	5	1	1	1
पाठन	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	1	3	2	3	1	1	1	1
अंक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	5	1	1	1	1	1	-	-	-
घरेलू -	3	3	3	5	1	1	1	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पूर्व-व्यवसाय	5	5	3	2	2	1	1	1	3	2	2	1	2	1	1	1	1	1	-	-

कथन संख्या	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
गामक	3	3	3	3	3	3	5	4	3	4	5	2	3	3	3	3	5	5	1	1
दे.जी.क्रि.क	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	5	1	3	1	1	2	1	0
भाषा कौशल	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	3	3	5
लेखन	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	3	1	1	1	1	1
समय	5	5	5	5	5	3	3	5	1	1	1	3	3	1	1	1	1	1	-	-
सामाजिक	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	1	5	5	5	1	1	1	1
रूपये-पैसे	5	5	5	5	5	5	3	3	1	1	1	1	1	-	-	-	-	-	-	-

अंक देने की कुंजी स्वावलम्बी 5, संकेत देने पर 4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट 3, भौतिक प्रॉम्प्ट 2, पूर्णत आश्रित 1, लागू नहीं 0

संयुक्त आँकड़े

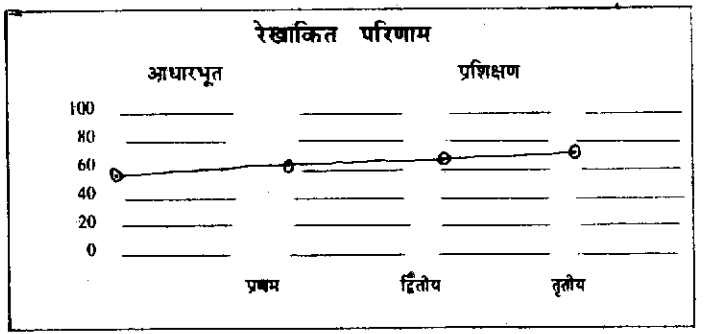

क्षेत्र भाग	आधारभूत अंक	आधारभूत %	प्रथम त्रैमासिक अंक	प्रथम त्रैमासिक %	द्वितीय त्रैमासिक अंक	द्वितीय त्रैमासिक %	तृतीय त्रैमासिक अंक	तृतीय त्रैमासिक %
गामक	139	69.5	140	70	140	70	144	72
दे.जी.क्रि.क	159	79.5	160	80	162	81	163	81.5
भाषा कौशल	170	85	172	86	175	87.5	178	89
पाठन-लेखन	130	65	132	66	137	68.5	143	71.5
अंक-समय	98	49	105	52.5	109	54.5	114	57
घरेलू-सामाजिक	79	39.5	90	45	92	46	99	49.5
पूर्व-व्यवसाय	54	27	62	31	65	32.5	77	38.5
योग	829	59.21	861	61.5	880	62.86	918	65.6

बिहेवियरल असेसमेन्ट स्केल फॉर चिल्ड्रन विथ मेन्टल रिटार्डेशन

परिशिष्ट I

बेसिक - एम आर, भाग 'अ', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम : ______ स्तर/कक्षा ______ तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता

आयु : ______ आधारभूत मूल्यांकन ______ ______ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन ______

लिंग : ______ प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन ______ ______ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन ______

कथन संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
गामक																				
दै.जी.क्रि.क																				
भाषा कौशल																				
पाठन																				
अंक																				
घरेलू																				
पूर्व-व्यवसाय																				

कथन संख्या	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
गामक																				
दै.जी.क्रि.क																				
भाषा कौशल																				
लेखन																				
समय																				
सामाजिक																				
रूपये-पैसे																				

अंक देने की कुंजी : स्वावलम्बी - 5, संकेत देने पर 4, शाब्दिक प्रॉम्प्ट 3, भौतिक प्रॉम्प्ट 2, पूर्णत आश्रित 1, लागू नहीं 0

रेखांकित परिणाम

आधारभूत | प्रशिक्षण

100 ______ ______ ______ ______

80 ______ ______ ______ ______

60 ______ ______ ______ ______

40 ______ ______ ______ ______

20 ______ ______ ______ ______

0 ______ ______ ______ ______

प्रथम द्वितीय तृतीय

संयुक्त आँकड़े

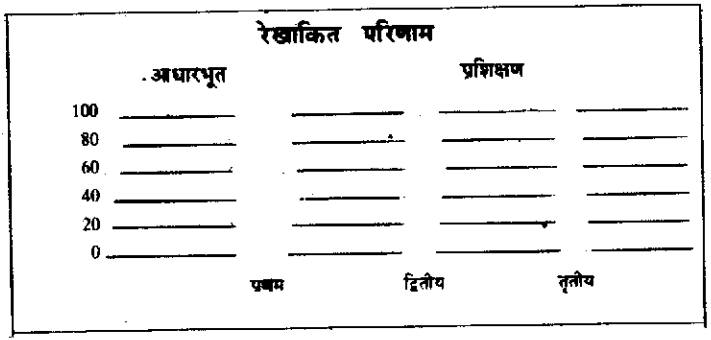

क्षेत्र भाग	आधारभूत		प्रथम त्रैमासिक		द्वितीय त्रैमासिक		तृतीय त्रैमासिक	
	अंक	%	अंक	%	अंक	%	अंक	%
गामक								
दै.जी.क्रि.क								
भाषा कौशल								
पाठन-लेखन								
अंक-समय								
घरेलू-सामाजिक								
पूर्व-व्यवसाय								
योग								

* बिहेवियरल असेसमेन्ट स्केल फॉर चिल्ड्रन विथ मेन्टल रिटार्डेशन

परिशिष्ट II

बेसिक - एम आर, भाग 'ब', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम वी. एस. रवि   स्तर/कक्षा ________   तिथि   मूल्यांकन कर्ता   तिथि   मूल्यांकन कर्ता

आयु 12 वर्ष   आधारभूत मूल्यांकन ________   द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन ________

लिंग पुल्लिंग   प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन ________   तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन 2.3.93.   कु स्मिता

उग्र व विनाशक व्यवहार												
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

चिडचिड़ापन						अन्य के साथ दुर्व्यवहार							
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

स्वय घातक व्यवहार										पुनरावृत्ति व्यवहार							
28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0

अनोखा व्यवहार								अति चंचलता विद्रोही व्यवहार								
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62
1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0

असामाजिक व्यवहार										भय			
63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76
0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0

अक देने को कुजी   कभी नही : 0;   कभी-कभी : 1;   बहुधा : 2

रेखांकित परिणाम

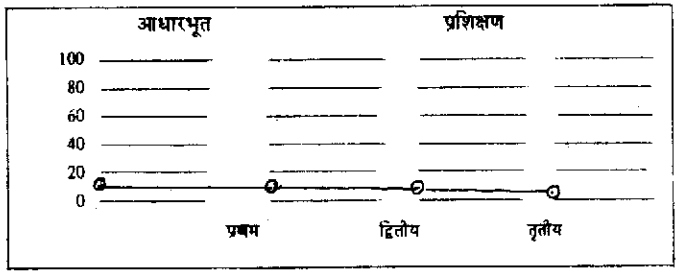

सयुक्त आँकड़े

मूल्यांकन	शुद्ध आँकड़े	सयुक्त प्रतिशत
आधारभूत	16	10.67
प्रथम त्रैमासिक	14	9.33
द्वितीय त्रैमासिक	9	6.00
तृतीय त्रैमासिक	5	3.30

परिशिष्ट II

बेसिक - एम आर, भाग 'ब', के लिये व्यवहार समायोजन का नमूना

विद्यार्थी का नाम : _____ स्तर/कक्षा _____ तिथि मूल्यांकन कर्ता तिथि मूल्यांकन कर्ता

आयु : _____ आधारभूत मूल्यांकन _____ _____ द्वितीय त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____

लिंग : _____ प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____ तृतीय त्रैमासिक मूल्यांकन _____ _____

उग्र व विनाशक व्यवहार													चिड़चिड़ापन						अन्य के साथ दुर्व्यवहार								स्वयं घातक व्यवहार										पुनरावृत्ति व्यवहार							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

अनोखा व्यवहार								अति चंचलता विद्रोही व्यवहार								असामाजिक व्यवहार									भय			
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76

अंक देने की कुंजी : कभी नहीं 0; कभी-कभी : 1; बहुधा : 2

रेखांकित परिणाम

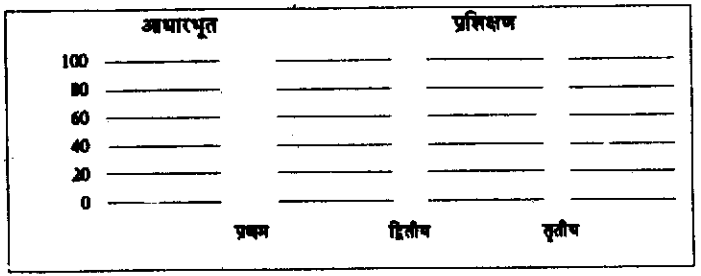

संयुक्त आँकड़े

मूल्यांकन	शुद्ध आँकड़े	संयुक्त प्रतिशत
आधारभूत		
प्रथम त्रैमासिक		
द्वितीय त्रैमासिक		
तृतीय त्रैमासिक		

परिशिष्ट VIII

रा. मा. वि. स. के अन्य प्रकाशन

	शीर्षक	मूल्य (रु. में)
1.	भारत मे मानसिक विकलाग व्यक्तियो के लिए सस्थानों की विस्तृत सूची	उपलब्ध नही है?
2.	भारत मे मानसिक विकलाग व्यक्तियो के लिए सस्थानो की विस्तृत सूची	उपलब्ध नहीं है?
3.	मदबुद्धिता ग्रामीण पुर्नवास कार्यकर्ताओ के लिए एक पुस्तिका	10.00
4.	मदबुद्धिता बहु पुर्नवास कार्यकताओ के लिए एक पुस्तिका	10.00
5.	मदबुद्धिता निर्देशक परामर्शदाता के लिए एक पुस्तिका	10.00
6.	मदबुद्धिता मनोवैज्ञानिको के लिए एक पुस्तिका	10.00
7.	मदबुद्धि पर वार्षिक सगोष्ठी 1989	10.00
8	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण एव रोजगार	10.00
9	मदबुद्धि बच्चो के प्रशिक्षको के लिए हैन्ड बुक पूर्व प्राथमिक स्तर	30.00
10	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए विशेष विद्यालयो का सगठन	8.00
11	नियमित विद्यालय मे विशेष कक्षा का सगठन	8.00
12	स्वालम्बन की ओर सीरीज : स्थूल गामक क्रियाओ को बढ़ावा देना	10.00
13.	स्वालम्बन की ओर सीरीज : सूक्ष्म गामक क्रियाये	10.00
14.	स्वावलम्बन की ओर सीरीज : स्वय से भोजन करना	10.00
15.	स्वावलम्बन की ओर सीरीज शौचइत्यादि प्रशिक्षण	0.00
16	स्वावलम्बन की ओर सीरीज : दाँत साफ करने की कुशलता सीखाना	10.00
17	स्वावलम्बन की ओर सीरीज हम स्वय कपड़े पहन सकते है	10.00
18.	स्वावलम्बन की ओर सीरीज : अपने बच्चे को स्नान करने मे प्रशिक्षित करना	10.00
19.	स्वावलम्बन की ओर सीरीज : स्वय से भोजन करना	10.00
20.	स्वावलम्बन की ओर सीरीज : आवश्यक सामाजिक क्रियाओ मे प्रशिक्षण देना	10.00
21	पुस्तिका "स्वावलम्बन की ओर सीरीज"	10.00
22	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : स्नान करना	10.00
23.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : स्थूल गामक कौशल	10.00
24.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : सूक्ष्म गामक कौशल	10.00
25	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : भोजन करने मे कुशलता	10.00
26.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : शौचइत्यादि मे कुशलता/प्रशिक्षण	10.00
27.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : दाँतो मे ब्रश करना	10.00
28.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : कपड़े पहनना	10.00
29.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : अपने को सँवारना	10.00
30.	मदबुद्धि व्यक्तियो के लिए कौशल प्रशिक्षण : सामाजिक कौशल	10.00
31.	विशेष नन्हे बच्चो के लिए खेल क्रियाये (अंग्रेजी)	10.00
32.	विशेष नन्हे बच्चो के लिए खेल क्रियाये (हिन्दी)	10.00
33	मलमूत्र प्रशिक्षण	

परिशिष्ट VI

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री

बेकर बी.एल., ब्राइटमैन ए.जे., हाईफिटस एल.जे. और मर्फी डी.एम. (1976). स्टैप्स टू इन्डिपेन्डेस ए स्किल ट्रेनिग सीरीज़ फॉर चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स: इल्लिनाइस, रिसर्च प्रैस.

चीजमैन पी. एल. और वॉट्स पी.ई. (1985). "पॉजिटिव बिहेवियर मैनेजमैट" ए मैन्यूअल फॉर टीचस न्यू यॉर्क क्रूर हेलिल.

गार्डनर डब्ल्यू. आइ. (1971). "बिहेवियर मॉडिफिकेशन इन मेन्टल रिटार्डेशन" चिकागो. एलडाइन पब्लिशिग कम्पनी.

हरबर्ट एम. (1981) बिहेवियरल ट्रीटमेट आफ प्राब्लम चिल्ड्रन : ए प्रैक्टिकल मैन्यूअल लडन अक्याडमिक प्रैस.

कीयरनैन सी.सी. और वुडफर्ड एफ. पी. 1976 (ऐड्स) "बिहेवियर मॉडिफिकेशन विद सीवियरली रिटार्डेड" आक्सफोर्ड एसोसिएटेड साइंटिफिक पब्लिशर्स.

लेसलेट आर. और स्मिथ सी. (1984) इफैक्टिव क्लासरूम मैनेजमेट. लडन. क्रूम हेलिन,

मारगैन डी.पी. और जेन्सन डब्ल्यू.आर. (1985). "टीचिग बिहेवियरली डिस्टर्ब्ड स्टूडेन्ट्स". प्रैफर्ड प्रैक्टिसिज : कोलम्बस. मेरिल

ओलियरी के. और ओ. लियरी एस. (ऐड्स) (1977) : क्लासरूम मैनेजमेट द सक्सेसफुल यूज़ ऑफ बिहेवियर मॉडिफिकेशन न्यूयॉर्क, पेरगेमॉन.

परीकस ई.ए., टेलर पी.डी., और केपी ए.सी.एम. (1976). हैल्पिग द रिटार्डेड : ए सिस्टमेटिक बिहेवियरल एपरोच. किड्डर मिनिस्टर, इस्टीट्यूट ऑफ मेन्टल सबनारमैलिटी.

पर्किस ई.ए., टेलर पी.डी. और केपी ए.सी. एम (1983). हेल्पिग द रिटार्डेड : ए सिस्टमैटिक बिहेवियरल एपरोच. वॉरसेस्टर शायार बी. आई. एम. एच.

पेरट ई. (1982). इफेक्टिव टीचिग : ए प्रेक्टिकल गाईड टू इम्यूव यूअर टीचिग. लडन लॉगमैन.

पेशावरिया आर. (1990) "मैनेजिग बिहेवियर प्राब्लम्स इन चिल्ड्रन : ए गाइड फॉर पेरेन्ट्स" नई दिल्ली. विकास पब्लिशिग हाउस.

पोटौट (1974) बिहेवियर मॉडिफिकेशन. प्रैक्टिकल गाईड फॉर टीचर्स. लडन. बरगैस्स.

थॉम्पसन टी. और ग्रेबाउस्की जे. (1972). बिहेवियर मॉडिफिकेशन ऑफ द मेन्टली रिटार्डेड न्यूयॉर्क आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस.

यूले डब्ल्यू. और्कार जे. (1980) (ऐड्स) "बिहेवियर मॉडिफिकेशन फॉर द मेन्टली हैन्डीकेप्ट" लडन क्रूम हैलिन.

जारकाउस्का ई.और क्लीमेट्स जे (1988) "प्राब्लम बिहेवियर्स इन पीपल विद सीवियर लर्निंग डिसएबिलिटीज : ए प्रैक्टिकल गाइड टू ए कन्सट्रक्शनल एप्रोच" लडन क्रूम हेलिनु.

मिमियोग्राफस्

33. ओपन एम्प्लॉयमेट ऑपरच्युनिटिस इन द डिपार्टमेंटस ऑफ पोस्ट एंड टेलिकम्युनिकेशनस फॉर पर्सन्सवीद .टल रिटार्डेशन" – 10

34 ओपन एम्प्लॉयमेट ऑपरच्युनिटिस इन द इंडियन रेल्वेस फॉर पर्सन्स वीद मेंटल रिटार्डेशन. –10

35. जॉब ॲनालसिस एंड ऑन द जॉब ट्रेनिग फॉर पर्सन्स वीद मेंटल रिटार्डेशन सीरिज–1, मैन्युफॅक्चर ऑफ जायर कट ब्रिक्स ॲंड टाइल्स. – 10

वीडियो फिल्म्स

1. स्टेप बाई स्टेप वुई लर्न (इग्लीश) – 150
2. स्टेप बाई स्टेप वुई लर्न (तेलुगु) – 150
3. गीव देम अ चुस (इग्लीश) – 150
4. गीव देय अ चास (तेलुगु) – 150
5. सहानुभूति नही सहयोग (हिदी) – 150

एजुकेशनल फोल्डर्स अण्ड पोस्टर्स (फॉर फ्री डिस्ट्रिब्युशन)

1. माय टूल बॉक्स
2. टिचिग टाईम
3. चेक एड नो
4. प्रिवेंट मेंटल रिटार्डेशन
5. सेईग सिपल वर्डस

6. टेल द डे, डेट, अँड मंत : अ स्पेशल एजुकेशन क्यालेंडर

7. मेटली रिटार्डेड चिल्ड्रन अड कम्युनिकेशन (स्पीच लैंग्वेज हियरिंग डेवलपमेट)

8. डिक्लरेशन ऑफ जनरल अड स्पेशल राईटस् ऑफ द मेटली रिटार्डेड

9. ग्रीटिंग स्कील्स

10 टेन डिफरेंट पोस्टर्स (इन इग्लीश, हिन्दी अड तेलुगु) ऑन. प्रिवेशन अड मैनेजमेंट ऑफ मेटली रिटार्डेड चिल्ड्रन.

नोट .: ***आपका निवेदन पत्र*** : निदेशक, एन.आई.एम.एच. सिकंद्राबाद के नाम पर डि. डि. भेजकर "सूचना एव लेख्यबद्ध अधिकारी, एन.आई.एम.एच. मनोविकास नगर, सिकंद्राबाद – 500 011. (आध्र प्रदेश – भारत)" से आप प्राप्त कर सकते है ।

लेखक संबंधी

रीता पेशावरिया संप्रति चिकित्सा मनोविज्ञान, की प्राध्यापिका के रूप मे, राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, पो.बॉ. बोएनपल्ली, सिकंद्राबाद-500 009.मे कार्यरत हैं । 1972 में पंजाब मे मनोविज्ञान मे स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् चिकित्सा मनोविज्ञान में 2 वर्षीय सेट्रल इन्स्टिटयूट आफ साईकियाट्री, (रांची), में प्रकर्षशीर प्रशिक्षण (इनटेन्सिव ट्रेनिंग) की, जहाँ आपने 1975 में डी.एम.एंड.एस.पी. श्रेष्ठता उपाधि पाई तब से आप प्रज्ञात्मक सामान्य तथा मानसिक विकलांग बच्चो की भावुक तथा व्यावहारिक समस्याओं में सक्रिय सहयोग दे रही हैं । राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान मे कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व आप बच्चो के मार्गदर्शन चिकित्सालय, मेटल अस्पताल, शाहदरा, दिल्ली, में प्रभारी अधिकारी रही । आगे आपने मानसिक विकलांग बच्चो में व्यावहारिक तकनीक लागू करने का प्रशिक्षण, मॉडस्ले अस्पताल, लंदन यू. के. से प्राप्त किया ।

15 वर्षों से अधिक अवधि से अपने कार्य के अनुभव में, देश के विभिन्न भागो मे अभिभावको तथा व्यावसायिको के लिए व्यवहार पर आधारित लागू करने की पद्धतियाँ, सीखने की अत्यधिक समस्याओ वाले बच्चो को सीखाने व प्रशिक्षण देने के लिये कई कार्यशालाये आयोजित की ।

आपके रिसर्च पेपर्स भारतीय तथा विदेशी प्रतिष्ठित पत्रिकाओ में प्रकाशित हुए, इसके अतिरिक्त "मैनेजिंग बिहैवियर प्रॉब्लम्स् इन चिल्ड्रन - "अ गाईडस फॉर पेरेंटस्" शीर्षक की एक पुस्तक 1970 में, विकास पब्लिशिंग हाउज, प्रा.लि. नई दिल्ली से प्रकाशित हुई । आपके मैन्युअल तैयार करने मे सहलेखिका रही । जो इस प्रकार है । मेटल हैंडिकैप, अ मैन्युअल फॉर साईकॉलॉजिस्ट (1988), मेंटल हैंडिकैप, अ मैन्युअल फॉर गाइडेस् एँड कौसलर्स (1989) तथा विशेष नन्हे बच्चो के लिये खेल क्रियायें (1991), एन. आई.एम. एच. सिकंद्राबाद द्वारा प्रकाशित की गई ।

वेंकटेसन. एस - संप्रति राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, बोएनपल्ली, सिकंद्राबाद-500 009.में चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग, मे अनुसधान अधिकारी वीद स्पेशल के रूप मे कार्यरत है। 1985, में मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् चिकित्सा मनोविज्ञान मे 2 वर्षीय प्रशिक्षण, नेशनल इन्स्टिटयूट ऑफ मेंटल हेल्थ एड न्यूरो सायसेस, बैंगलूर मे किया । जहाँ आपने एम.एम. अँड एस.पी. 1987 में उत्तीर्ण किया ।

आपने 1989 में नई दिल्ली मे सोसायटी फॉर अडवास स्टडीस इन मेडिकल सायसेस्, मनोचिकित्सक मुख्य विषय के रूप मे उत्तीर्ण किया । पिछले 5 वर्षो से मनोवैज्ञानिक समस्याओ वाले, अयोग्य तथा दोष वाले व्यक्तियो के मूल्यांकन, रोगनिदान तथा उपचार प्रशिक्षण मे सक्रिय भाग ले रहे है। आपने मेंटल हेल्थ एड डिसएबिलिटीस और इपेयरमेंटस के क्षेत्र मे प्रतिष्ठित पत्रिकाओ में विभिन्न रिसर्च पेपर्स प्रकाशित किये । आपने विभिन्न लक्ष्य समूह से सबधित कुछ कार्यशालाये भी आयोजित की जैसे अभिभावक, शिक्षक आदि । इसके अतिरिक्त असमर्थ तथा विकृत के क्षेत्र में विशेषता प्राप्त करने वाले पूर्वस्नातक तथा स्नातक विद्यार्थियो को पढ़ाने मे सक्रिय भाग ले रहे है ।